राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 31 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, रविवार ,01 अगस्त 2021 , मूल्य रु. 1.50

टोक्यो ओलंपिक में भारतीय हॉकी ने रचा इतिहास

वंदना ओलंपिक में हैट्रिक लगाकर पहली भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी बनीं

नौवें दिन भारत की उपलब्धि

टोक्यो ओलंपिक में भारत के लिए नौवां दिन हॉकी में जीत, कमलप्रीत फाइनल में, सिंधु हारी रजत पदक की उम्मीदें टूटीं। कांस्य पदक के लिए मुकाबला रविवार को होगा।

टोक्यो, (एजेंसी)। हरिद्वार के छोटे से गांव की वंदना कटारिया ने ओलंपिक में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी वंदना कटारिया ने टोक्यो ओलंपिक में इतिहास रच दिया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में वंदना ने तीन गोल दागे और टीम को जीत दिलाने में मुख्य भूमिका निभाई।

वंदना ने ओलंपिक में हैट्रिक लगाकर पहली भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी का यह खिताब भी अपने नाम कर लिया है। बता दें कि 1984 के बाद किसी भारतीय ने ओलंपिक में हैट्रिक नहीं लगाई थी। भारतीय महिला टीम अब सोमवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। वहीं ग्रेट ब्रिटेन ने शनिवार को आयरलैंड की टीम को शिकस्त दी।

भारतीय महिला हॉकी टीम क्वार्टरफाइनल में

कमलप्रीत ने बिखेरी हौसले की चमक

भारत की राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक कमलप्रीत कौर ने शनिवार को टोक्यो ओलंपिक में महिला डिस्कस थ्रो स्पर्धा के फाइनल में जगह बना ली। ओलंपिक में पदार्पण में कमलप्रीत (25) ने तीसरे प्रयास में 64 मीटर के प्रत्यक्ष योग्यता चिह्न को पार करते हुए पदक राउंड में जगह पक्की की। 31 एथलीटों में कमलप्रीत वअमेरिका की वैलेरी ऑलमैन ही ऐसी दो एथलीट रहीं, जो क्वालीफाइंग राउंड में 64 मीटर के चिह्न को पार करने में सफल रहीं।

मेडिकल में आरक्षण को लेकर भाजपा का कांग्रेस पर पलटवार

यूपीए ने ओबीसी को नहीं दिया कानूनी दर्जा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्र सरकार के मेडिकल में ओबीसी को आरक्षण देने के फैसले को विपक्षी दल कांग्रेस ने राजनीति से प्रेरित बताया तो भाजपा ने इस पर करारा पलटवार करते हुए यूपीए सरकार पर हमला किया। बीजेपी ने कहा कि यूपीए सरकार के पिछले 10 वर्ष में ओबीसी को संवैधानिक दर्जा नहीं दिया गया। दरअसल, केंद्र सरकार के इस फैसले को कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों ने चुनावी एजेंडा बताते हुए इसे भ्रामक करार दिया।

कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे का कहना है, ओबीसी को पहले से ही आरक्षण मिला हुआ था और जो उन्होंने (केंद्र सरकार) अभी आरक्षण दिया है वो कोई बड़ी बात नहीं है। कांग्रेस नेता ने इस फैसले पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि ये सब चुनाव के दृष्टिकोण से प्रचार के लिए किया जा रहा है। इन आरोपों पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने शनिवार को पीसी कर कांग्रेस पर

जोरदार हमला बोला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ओबीसी आयोग को संवैधानिक आयोग का दर्जा दिया गया। पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने करने की मांग एक लंबे समय से चली आ रही थी। लेकिन, यूपीए सरकार के पिछले 10 वर्ष में पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा नहीं दिया गया।

समय से पहले खत्म हो सकता है संसद का मानसून सत्र

पेगासस जासूसी कांड पर विपक्ष के साथ संसद में दो हफ्ते से चल रहे टकराव को देखते हुए सरकार मानसून सत्र को समय से पूर्व खत्म करने के विकल्प पर विचार कर रही है। इस मुद्दे पर विपक्ष की एकजुटता व बहस की अपनी मांग से पीछे नहीं हटने के चलते दोनों सदनों में सियासी घमासान थमने के आसार नजर नहीं आ रहे।

पांच राज्यों के चुनावों से पहले भाजपा का आरक्षण का कार्ड

केंद्र सरकार की ओर से बीते दिनों मेडिकल कॉलेज में यूजी और पीजी की पढ़ाई में ओबीसी और आर्थिक रूप से कमजोर अगड़ों को आरक्षण देने के फैसले के बाद राजनीति गरमा गई है। आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर से सुर्खियों में है। अगले साल उप्र प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, गोवा जैसे राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में आरक्षण बड़ा मुद्दा बनने की संभावना है। जिसका कारण है कि भाजपा ने ओबीसी और ईडब्ल्यूएस कोटे के आरक्षण को अभी से मुद्दा बनाना शुरू कर दिया है। मेडिकल की पढ़ाई में आरक्षण बहाली के केंद्र सरकार के फैसले को लेकर भाजपा के नेताओं ने प्रेस कांफ्रेंस कर माहौल बनाना शुरू कर दिया। भाजपा के एक राष्ट्रीय पदाधिकारी ने कहा कि मोदी सरकार पिछड़ों और वंचितों के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी कड़ी में सरकार ने ओबीसी और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को मेडिकल पढ़ाई में आरक्षण की सुविधा दी है।

सरकार ने राज्यों से ओबीसी सूची बनाने का हक छीना : कांग्रेस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने कहा है कि भाजपा की गलती के कारण राज्यों को अन्य पिछड़ा वर्ग-ओबीसी सूची में जातियों को शामिल करने के अधिकार से वंचित होना पड़ा है। कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने शनिवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संविधान संशोधन में विपक्षी दलों ने सरकार को आगाह किया था कि वह जो नियम बना रही है उस कानून से राज्यों का अधिकार छिनेगा लेकिन सरकार ने उस पर ध्यान नहीं दिया जिसके कारण बाद में उच्चतम न्यायालय के एक फैसले के कारण राज्यों का अधिकार छिन गया। उन्होंने कहा कि किसे ओबीसी में शामिल करना है और किसे नहीं करना है पहले यह अधिकार राज्य सरकारों के पास था लेकिन मोदी सरकार ने 2018 में कानून लाकर राज्यों के इस अधिकार को छीनने की बुनियाद रखी। प्रवक्ता ने कहा कि बाद में यह मामला जब उच्चतम न्यायालय में गया तो इसी साल न्यायालय ने केंद्र सरकार की गलती के कारण फैसला दिया है जिससे राज्यों को उनके इस अधिकार से वंचित होना पड़ा है।

1 और 2 दो अगस्त को अलग रंग में दिखेगा शनि

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अगर आप भी आसमान की दुनिया में इंट्रेस्ट रखते हैं तो अगले दो दिन आपके लिए बेहद खास होंगे। अब यह बात तो सभी जानते हैं कि शनि ग्रह के रहस्य हमेशा ही लोगों को अपनी तरफ खींचते रहे हैं। इस बार शनि की सतह पर एक बार फिर कुछ ऐसा होने जा रहा है, जो हर किसी के लिए आकर्षण की वजह बनेगा। एस्ट्रोनॉमी की वेबसाइट अर्थस्काई के मुताबिक शनि ग्रह

आसमान में अपनी चमक बिखेरने वाला है। सालों में एक बार होने वाली यह घटना इस बार एक और दो अगस्त को होगी। इस दिन शनि धरती के बेहद करीब होगा और इसकी चमक को बिना किसी टेलीस्कोप के नंगी आंखों से भी देखा जा सकेगा। इस स्थिति को वैज्ञानिकों ने अपोजीशन नाम दिया है। जब पृथ्वी, सूर्य और शनि की सीध में हो जाती है तो अपोजीशन कहा जाता है। यहां से देखा जा सकेगा शनि बताया जाता है कि शनि की यह स्थिति एक अगस्त से शुरू होगी और दो अगस्त को भारतीय समयानुसार सुबह 11.30 बजे तक पीक पर पहुंच जाएगी। एक अगस्त को सूर्यास्त के बाद शुक्र भी पश्चिम में अस्त हो जाएगा। इसके बाद वृहस्पति आसमान में सबसे चमकीला ग्रह रह जाएगा और शनि की स्थिति वृहस्पति के पश्चिम में होगी। इसी दौरान आसमान में यह खगोलीय घटना होगी। हालांकि इसे देखने में मौसम की भी एक बड़ी भूमिका हो सकती है। वजह, बादल और बारिश के चलते आसमान साफ रहने की उमीद बेहद कम है।

या इसे बिना उपकरण देख सकेंगे? अब एक सवाल यह भी पैदा होता है कि या आसमान में होने वाले इस अनोखे घटनाक्रम को बिना किसी उपकरण के देखा जा सकेगा? अर्थस्काई वेबसाइट के मुताबिक इस सवाल का जवाब हां है। हालांकि जो लोग इसके वलयों को और बेहतर ढंग से देखना चाहते हैं, उन्हें टेलीस्कोप की जरूरत होगी। नासा के मुताबिक शनि अपने वलयों की वजह से ही हमारे प्लैनेट में सबसे अलग पहचान रखता है। वृहस्पति की तरह शनि भी हाइड्रोजन और हीलियम गैस से बना हुआ है।

अगस्त में आतंकवाद पर और तेज होगा प्रहार

एक माह भारत के हाथ होगी सुरक्षा परिषद की कमान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रविवार, 1 अगस्त से एक महीने के लिए भारत के हाथों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की कमान होगी। भारत 1 अगस्त को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभालेगा और इस महीने के दौरान समुद्री सुरक्षा, शांति स्थापना की कवायद करने और आतंकवाद पर कड़ा प्रहार करने को तैयार है। महासभा अध्यक्ष के कार्यालय मुताबिक, भारत के राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने यूएन महासभा प्रमुख को भारत की अध्यक्षता के दौरान होने वाली मुय गतिविधियों से अवगत कराया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने 15 राष्ट्रों के शक्तिशाली संयुक्त राष्ट्र निकाय की भारत द्वारा अध्यक्षता संभाले जाने की पूर्व संध्या पर एक वीडियो संदेश में कहा कि हमारे लिए उसी माह में सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभालना विशेष समान की बात है, जिस माह हम अपना 75वां स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बतौर अध्यक्ष भारत का पहला कार्य दिवस सोमवार यानी 2 अगस्त होगा। तिरुमूर्ति महीने भर के लिए परिषद के कार्यक्रमों पर संयुक्त राष्ट्र मुयालय में मिश्रित संवाददाता समेलन करेंगे, यानी कुछ लोग वहां

मौजूद होंगे, जबकि अन्य वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए जुड़ सकते हैं।

भारत ठोस रणनीति बनाने पर देगा जोर- अपनी अध्यक्षता के दौरान भारत समुद्री सुरक्षा, शांति रक्षा और आतंकवाद को रोकने जैसे विषयों पर ध्यान देगा तथा इन मुद्दों पर उच्च स्तरीय कार्यक्रमों की अध्यक्षता करेगा और ठोस रणनीति बनाने पर जोर देगा। तिरुमूर्ति ने कहा कि भारत परिषद के भीतर और बाहर दोनों जगह आतंकवाद से लड़ने पर जोर देता रहा है। हमने आतंकवाद से लड़ने के प्रयासों को न केवल मजबूत किया है, खासतौर से आतंकवाद के वि पोषण को, बल्कि हमने आतंकवाद पर ध्यान को कमजोर करने की कोशिशों को भी रोका है।

समुद्री सुरक्षा भारत की उच्च प्राथमिकता- वीडियो संदेश में तिरुमूर्ति ने कहा कि समुद्री सुरक्षा भारत की उच्च प्राथमिकता है और सुरक्षा परिषद के लिए इस मुद्दे पर समग्र रूप से रुख अपनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि शांतिरक्षण का विषय शांतिरक्षा में हमारी अपनी लंबी और अग्रणी भागीदारी को देखते हुए दिल के करीब है। साथ ही कहा कि भारत शांतिरक्षकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के विषय पर ध्यान केंद्रित करेगा।

भारत अगले साल दिसंबर में फिर से करेगा अध्यक्षता - संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी कार्यक्रम के मुताबिक तिरुमूर्ति संयुक्त राष्ट्र के उन सदस्यों देशों को भी कार्य विवरण उपलध कराएंगे, जो परिषद के सदस्य नहीं हैं। बता दें कि सुरक्षा परिषद के एक अस्थायी सदस्य के रूप में भारत का दो साल का कार्यकाल 1 जनवरी, 2021 को शुरू हुआ। यह सुरक्षा परिषद के गैर स्थायी सदस्य के तौर पर 2021-22 कार्यकाल के दौरान भारत की पहली अध्यक्षता है। भारत अगले साल दिसंबर में फिर से सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करेगा।

एक नज़र...

सांसद बाबुल सुप्रियो ने राजनीति से लिया सन्यास

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बीजेपी सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो ने राजनीति छोड़ दी है। इस बात का ऐलान उन्होंने फेसबुक पेज पर किया है। उन्होंने कहा है कि सामाजिक कार्य करने वे राजनीति में आए थे, लेकिन अब उन्हें लगता है कि ये काम राजनीति से अलग होकर भी किया जा सकता है। उन्होंने राजनीति छोड़ने का ऐलान करते हुए कहा कि अलविदा। टीएमसी, कांग्रेस, सीपीआई (एम) मुझे किसी ने नहीं बुलाया है। मैं कहीं नहीं जा रहा हूं।

भारत-चीन के बीच नौ घंटे चली वार्ता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पूर्वी लद्दाख की एलएसी पर विगत वर्ष अप्रैल से जारी विवाद के बीच शनिवार को भारत-चीन के बीच कोर कमांडर स्तर की 12वें दौर की वार्ता हुई। वार्ता में गोगरा, हॉट स्प्रिंग्स आदि जैसे प्वाइंट्स से डी-एस्केलेशन पर विस्तार से चर्चा हुई। एलएसी के चीन के पक्ष की ओर ओल्डी में हुई यह बैठक सुबह शुरू हुई थी, जोकि शाम साढ़े सात बजे तक चली। नौ घंटे मैराथन बैठक में तनाव को कम करने को लेकर वार्ता की गई।

ललन सिंह जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष चयनित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुंगेर लोस सीट से सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को जद (यू) का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में श्री सिंह के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने का प्रस्ताव पेश किया गया जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। श्री सिंह बिहार के सीएम नीतीश कुमार के विश्वास पात्र माने जाते हैं। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह का अध्यक्ष पद से इस्तीफा स्वीकार किया गया।

10 राज्यों में फिर बढ़े कोरोना के मामले

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कोरोना की दूसरी लहर में देशभर में तबाही मचने के बाद केंद्र सरकार काफी सतर्क है। सरकार लगातार राज्यों को कड़े निर्देश दे रही है, ताकि संभावित तीसरी लहर को रोका जा सके। केंद्र सरकार ने शनिवार को राज्यों के साथ मिलकर समीक्षा बैठक की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों से उन सभी जिलों में सख्त प्रतिबंध लगाने के लिए कहा है, जहां वर्तमान में कोरोना की पॉजिटिविटी रेट 10 फीसदी से अधिक है। केंद्र सरकार ने कहा है कि राज्यों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इन जिलों में लोगों की भीड़ को रोकने के लिए प्रभावी उपाय किए जाएं।

केंद्र सरकार की दो टूक- लगाएं कड़े प्रतिबंध

पॉजिटिविटी रेट कोरोना की कुल जांचों में पॉजिटिव पाए जाने वाले सैंपल्स की दर होती है। ज्यादा पॉजिटिविटी रेट का मतलब है कि इलाके में कोरोना वायरस संक्रमण काफी तेजी से फैल रहा है। केंद्र सरकार ने दस उन राज्यों के साथ मिलकर रिव्यू मीटिंग की जहां पर कोरोना की पॉजिटिविटी रेट या तो काफी ज्यादा थी या फिर दर लगातार बढ़ रही थी। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि सभी जिलों ने हाल के हफ्तों में 10 फीसदी से अधिक की पॉजिटिविटी रेट की जानकारी दी है।

पुलवामा हमले का मास्टरमाइंड इस्माईल मारा गया

जम्मू, (एजेंसी)। पुलवामा आतंकी हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे। जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर हमलावर ने विस्फोटक भरी कार से सीआरपीएफ काफिले की बस को टक्कर मार दी थी। धमाका इतना भयंकर था कि बस के परखच्चे उड़ गए थे। इसके बाद घात लगाए आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग भी की थी। हमले की जिम्मेदारी पाक आतंकी संगठन जैशने ली थी। फिदायीन हमले की आईईडी खूंखार आतंकी इस्माइल भाई उर्फ लंबू ने तैयार की थी। इस्माइल आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेइएम) के मुखिया मौलाना मसूद अजहर का करीबी रिश्तेदार है।

धनबाद जज की मौत मामले में सीएम हेमंत सोरेन ने दिए सीबीआई जांच के आदेश

रांची, (एजेंसी)। धनबाद में जज उम आनंद की संदिग्ध स्थिति में हुई मौत पर अब सीएम हेमंत सोरेन ने सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि इस मामले में सीबीआई से जांच करवाई जाएगी। इस केस को सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही स्वतः संज्ञान में ले रखा है। बता दें कि एडिशनल डिस्ट्रिट जज उम आनंद की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई थी। उन्हें एक ऑटो चालक ने टक्कर मारी थी। सीसीटीवी फुटेज को देख कहा गया कि तय रणनीति के तहत जज को टकर मारी गई थी। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट और झारखंड हाईकोर्ट ने कड़ा रुख दिखाया है। एक तरफ सुप्रीम कोर्ट ने मामले में 30 जुलाई तक रिपोर्ट मांगी थी, तो वहीं हाई कोर्ट ने भी 29 जुलाई को एसएसपी को तलब किया था।

अभी की जा रही है एसआईटी जांच इस मामले में अभी एसआईटी द्वारा जांच की जा रही है, लेकिन अब सीएम हेमंत सोरेन ने केस की गंभीरता को देखते हुए सीबीआई जांच के आदेश दे दिए हैं। इससे पहले जज उम आनंद के छोटे भाई सुमन शुंभु ने इस मामले में सीबीआई जांच की मांग की थी। वहीं हजारीबाग बार एसोसिएशन ने भी सीबीआई जांच की मांग का समर्थन किया था।

परिजनों से की थी मुलाकात- दिवंगत न्यायाधीश उम आनंद के परिजनों ने एक दिन पहले मुयमंत्री से भी मुलाकात की थी। मुयमंत्री ने इस दुःखद घटना के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की थी और कहा था कि सरकार इस दुःख की घड़ी में उनके साथ है। उन्होंने परिजनों से कहा था कि मामले की जांच को लेकर राज्य सरकार गंभीर है। त्वरित गति से इस घटना का अनुसंधान पूरा कर परिजनों को न्याय मिले यह राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

एसआईटी पहुंची मौका ए वारदात पर- अभी के लिए झारखंड में धनबाद के एडिशनल जज उम आनंद की मौत मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है। धनबाद एसएसपी भी इसे एक हत्या ही बता रहे हैं और जांच भी उसी आधार पर की जा रही है। इस केस में एसआईटी ने भी अपने स्तर पर जांच शुरू कर दी है। एसआईटी की टीम ने मौका ए वारदात पर पहुंचकर एक बार फिर से सीन को रिक्रिएट किया है। इसके अलावा एसआईटी ने घटनास्थल की बारीकी से जांच और निरीक्षण भी किया है।

सीमा विवाद | मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथंगा बोले

शांति से निपटेगा मामला

गुवाहाटी ■ एजेंसी

असम-मिजोरम सीमा विवाद को लेकर दोनों सरकार आमने सामने हैं। वहीं, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, उन्हें रविवार एक अगस्त का थाने में पेश होने को कहा है।

मिजोरम पुलिस ने मुख्यमंत्री बिस्वा सरमा के खिलाफ हत्या की साजिश रचने के आरोप में केस दर्ज किया है। इसके अलावा मिजोरम के छह अन्य अधिकारियों पर भी मामला दर्ज कर किया गया है। वहीं, मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथंगा ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा उनके भाई की तरह हैं और वे इस विवाद को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझा लेंगे। वहीं हिमंत सरमा बोले, मुझे जांच में शामिल होने पर खुशी होगी।

मुझे जांच में शामिल होने पर खुशी होगी : सरमा

देश में दंगों को बीज की तरह बोया जा रहा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सीमा विवाद को लेकर पूर्वोत्तर के दो राज्यों असम और मिजोरम के बीच हुई हिंसक झगड़े के कारण उपजे खूनी संघर्ष में असम पुलिस के पांच जवानों की मौत हो गई। जबकि एक पुलिस अधीक्षक समेत कई लोग घायल हो गए हैं। इस बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है।

राहुल ने शनिवार को दावा किया कि विवादों और दंगों को इस पवित्र भूमि में बीज की तरह बोया जा रहा है जिसका परिणाम भयानक होगा। उन्होंने ट्वीट किया, ना राष्ट्रीय सीमा सुरक्षित, ना राज्य सीमा। विवादों व दंगों को हमारे देश की पवित्र भूमि में बीज की तरह बोया जा रहा है- इसका परिणाम भयानक है और होगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 31 जुलाई, 2021 को नई दिल्ली में सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आईपीएस परिवीक्षाधीनों के साथ बातचीत करते हुए।

सार समाचार

पेरू के उत्तर प्रशांत तट पर 6.1 तीव्रता का भूकंप, 16वीं सदी का चर्च हुआ तबाह

लीमा। पेरू के उत्तर प्रशांत तट पर शुक्रवार को 6.1 तीव्रता का भूकंप आया जिससे बेहद प्राचीन गिरजाघर क्षतिग्रस्त हो गया और कम से कम एक व्यक्ति घायल हो गया। अमेरिका के भूगर्भीय सर्वे विभाग की ओर से बताया गया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार दोपहर 12 बजकर 10 मिनट पर सुल्लाना शहर से आठ किलोमीटर दूर पूर्व दिशा में आया। भूकंप दक्षिण इक्वाडोर तक महसूस किया गया। भूकंप से घबराकर लोग घरों से बाहर निकल आए। एक दीवार ढहने से एक महिला मलबे में दबने से घायल हो गई। स्थानीय टीवी स्टेशनों पर प्रसारित फुटेज में पियूरा स्थित 16वीं सदी के गिरजाघर का एक हिस्सा भूकंप के कारण ढहता नजर आया। भूकंप के कारण अन्य समुदायों के दो धर्मस्थलों और तीन दमकल केंद्रों को भी नुकसान पहुंचा। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी वक्तव्य के मुताबिक राष्ट्रपति पेड्रो कास्टिलो सैन्य परेड को बीच में छोड़कर पियूरा के लिए रवाना हो गए। भूकंप पेरू में भी महसूस किया गया।

अमेरिका में धनशोधन के जुर्म में भारतीय नागरिक को 15 महीने की जेल की सजा

वाशिंगटन। अमेरिका में एक भारतीय ट्रक चालक को धन शोधन और अवैध तरीके से आग्नेयास्त्र रखने के जुर्म में 15 महीने की जेल की सजा सुनाई गयी है और उस पर 4,710 डॉलर का जुर्माना लगाया गया है। न्याय विभाग के अनुसार, इंडियाना के लवप्रीत सिंह ने मार्च में धन शोधन का एक आरोप स्वीकार कर लिया। उसने एक धोखाधड़ी योजना के तौर पर अपने एक साथी से धन लेने और उसे कहीं और पहुंचाने का दोष स्वीकार किया साथ ही गैरकानूनी रूप से आग्नेयास्त्र रखने का भी आरोप स्वीकार किया। न्याय विभाग ने शुक्रवार को बताया कि ट्रक चालक के तौर पर काम करने वाले सिंह को 15 महीने की जेल की सजा हुई है और उसपर धन शोधन तथा आग्नेयास्त्र अपराधों की क्षतिपूर्ति के तौर पर 4,710 डॉलर का जुर्माना लगाया गया है। अदालत में मुकदमे और गवाही के अनुसार, सिंह ने 2015 से लेकर 2018 तक अमेरिका तथा भारत में नौ अन्य लोगों के साथ मिलकर धोखाधड़ी, मेल धोखाधड़ी और बैंक धोखाधड़ी की। साथ ही उस पर धन शोधन का आरोप भी लगाया गया।

झंडा लहराना पड़ा भारी, राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत एक प्रदर्शनकारी को नौ साल कैद की सजा

हांगकांग। हांगकांग के राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत पहली बार शुक्रवार को एक लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारी को नौ साल कैद की सजा सुनाई गई। हांगकांग उच्च न्यायालय ने संशोधित राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत दर्ज पहले मुकदमे की सुनवाई करते हुए तोंग यिंग कित (24) को मंगलवार को अलगाववाद तथा आतंकवादी घटनाओं में संलिप्त होने का दोषी ठहराया था। तोंग पर आरोप था कि वह पिछले साल एक जुलाई को एक झंडा थामे, मोटरसाइकिल पर सवार होकर पुलिस अधिकारियों के समूह में घुस गया था। झंडे पर लिखा था, ''हांगकांग को आजाद करो, यह हमारे समय की क्रांति है।'' चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने 2019 के मध्य में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश पर पिछले साल यह सुरक्षा कानून लागू किया था। आलोचकों ने बीजिंग पर उस स्वायत्तता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया जब 1997 में हांगकांग को वापस चीन को दे दिया गया और वैश्विक व्यापार केंद्र के रूप में उसकी स्थिति को खत्म कर दिया गया। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि वैध असहमति पर हमला करने के लिए सुरक्षा कानून का दुरुपयोग किया जा रहा है। एमनेस्टी इंटरनेशनल के एशिया-प्रशांत मामलों की क्षेत्रीय निदेशक यामिनी मिश्रा ने एक बयान में कहा कि तोंग की सजा ''अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए एक झटका'' है और सरकार के आलोचकों में यह कानून ''आतंक पैदा करने का एक हथकंडा'' है। अमेरिकी सरकार ने एक बयान में तोंग के मुकदमे के ''अन्यायपूर्ण नतीजे'' की आलोचना की और कहा कि सुरक्षा कानून का इस्तेमाल ''असहमति की आवाज को दबाने के लिए एक राजनीतिक हथियार के रूप में'' किया गया है।

पीओके चुनाव पर भारत की टिप्पणी से बौखलाया पाकिस्तान, भारतीय राजनयिक को किया तलब

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने शुक्रवार को यहां भारतीय उच्चायोग के एक शीर्ष राजनयिक को तलब कर पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर(पीओके) में हाल में संपन्न चुनावों पर भारत की टिप्पणियों को ''खारिज'' किया। विदेश मंत्रालय ने यहां बयान जारी कर कहा, ''भारत के प्रभारी राजदूत को विदेश मंत्रालय में तलब कर भारत के विरोध को खारिज किया गया और जम्मू-कश्मीर विवाद पर पाकिस्तान के स्पष्ट एवं सतत रूख के बारे में बताया गया।'' भारत ने पीओके में 25 जुलाई को हुए चुनावों को खारिज कर दिया जहां प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने जीत दर्ज की। भारत ने कहा कि ''बनावटी प्रक्रिया'' कुछ नहीं बल्कि पाकिस्तान द्वारा ''अपने अवैध कब्जे को छिपाने'' का प्रयास है। साथ ही भारत ने इस पर कड़ा विरोध दर्ज कराया था। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में चुनावों पर कड़ी प्रतिक्रिया जताते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि पाकिस्तान का ''इन भारतीय भूभागों पर कोई अधिकार नहीं है'' और अपने अवैध कब्जे के सभी भारतीय क्षेत्रों को उसे खाली कर देना चाहिए। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान और भारत के बीच जम्मू-कश्मीर विवाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एजेंडा में 1948 से ही है और यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिह्नित विवाद है। भारत सरकार द्वारा अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने के बाद पाकिस्तान ने भारत के साथ अपने संबंधों को कमतर किया और व्यापार स्थगित कर दिया। भारत का कहना है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 से जुड़ा मुद्दा पूरी तरह देश का अंदरूनीमामला है।

तालिबान के हमलों को नाकाम करने में अफगानिस्तान सबसे खतरनाक दिन देख रहा

नई दिल्ली/काबुल (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में जारी हिंसा के बीच, देश ने एक महीने में सबसे खूनी दिन देखा, जब सुरक्षा बलों ने राजधानी के शहरों हेरात, हेलमंद, तखर और कंधार प्रांतों पर तालिबान के बड़े हमलों को नाकाम कर दिया। इसकी जानकारी मीडिया रिपोर्ट ने दी।

सबसे खूनी होने के अलावा, शुक्रवार पिछले एक महीने में अफगान राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा बलों (एएनडीएसएफ) के लिए सबसे व्यस्त दिनों में से एक था। मीडिया रिपोटरें में कहा गया है कि तालिबान ने हेरात प्रांत में प्रवेश किया और इसी नाम की राजधानी शहर के अंदर अफगान सरकारी बलों की चौकियों पर हमले शुरू कर दिए। शहर के हवाई अड्डे और शहर में संयुक्त राष्ट्र के मुख्य परिसर पर रॉकेट चालित हथगोले और गोलियों से हमला किया गया। विश्व निकाय ने कहा कि, सरकार विरोधी तत्वों ने

रॉकेट से चलने वाले ग्रेनेड और गोलियों के साथ स्पष्ट रूप से चिह्नित संयुक्त राष्ट्र सुविधा के प्रवेश द्वारों को निशाना बनाया, जब तालिबान लड़ाके हेरात शहर में घुस गए और यूएनएएमए के प्रांतीय मुख्यालय के पास अफगान सुरक्षा बलों से भिड़ गए। इस हमले में एक अफगान सुरक्षा गार्ड की मौत हो गई थी। इस बीच, गृह मंत्रालय ने कहा कि यूएनएएमए ने अभियान शुरू किया जिसके दौरान आतंकवादियों को पीछे धकेल दिया गया और गुजारा जिले पर फिर से कब्जा कर लिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी कहा है कि अमेरिकी सेना ने भी हेरात में अफगान सरकारी बलों के समर्थन में हवाई हमले किए। शुक्रवार को सुरक्षा अभियानों के दौरान 226 तालिबान विद्रोही मारे गए थे। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि कुनार, पक्तिया, मैदान वर्दक, कंधार, हेरात, जवज्जन, हेलमंद, बगलान और काबुल में मौतें हुई हैं। इन घटनाओं के दौरान, 130 अन्य तालिबान घायल हो गए और बड़ी संख्या में उनके हथियार नष्ट हो गए। पिछले 24 घंटों में, सुरक्षा बलों ने कई प्रांतों में असुरक्षित क्षेत्रों से 15 तालिबान-खानों का भी खुलासा किया है और उन्हें निष्क्रिय कर दिया है।

चीन ने अरूणाचल प्रदेश को भारत का हिस्सा दिखाने वाले नक्शे जब्त किए

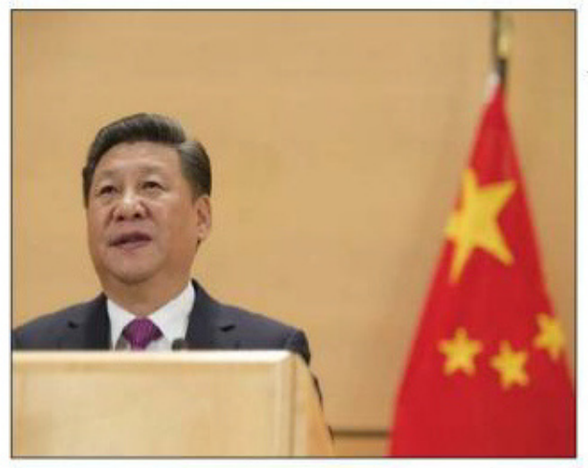

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन में सीमा शुल्क अधिकारियों ने अरूणाचल प्रदेश को भारत का हिस्सा दिखाने वाली विश्व नक्शे की एक बड़ी खेप जब्त की है। इन नक्शों को निर्यात किया जाना था। आधिकारिक मीडिया ने शुक्रवार को यह खबर दी। चीन, अरूणाचल प्रदेश के दक्षिण तिब्बत का हिस्सा होने का दावा करता है, जिसे भारत सिरे से खारिज करता आ रहा है। भारत का कहना है कि अरूणाचल प्रदेश इसका अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है।

चीनी समाचार पत्र द पेपर डॉट सीएन की खबर में कहा गया है कि ये नक्शे करीब 300 निर्यात खेप में 'बेडक्लोथ' के नाम से लपेट कर रखे गये थे, जिन्हें शंघाई पुदोंग हवाईअड्डा पर सीमा शुल्क विभाग ने जब्त कर लिया। गौरतलब है कि चीन ने 2019 में एक नया कानून पारित कर देश में छापे और बेचे जाने तथा निर्यात किये जाने वाले सभी नक्शों को चीनी नक्शे के आधिकारिक प्रारूप के अनुसार रखे जाने को अनिवार्य बना दिया था। आधिकारिक प्रारूप में अरूणाचल प्रदेश, ताईवान और दक्षिण चीन सागर पर चीन के दावे को प्रदर्शित किया गया है।

साउथ अफ्रीकी संसद अशांति की जांच स्थापित करना चाहती है

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका की संसद ने कहा कि उसकी समितियों की एक संयुक्त बैठक में पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा के कारावास के बाद इस महीने की शुरूआत में शुरू हुई हालिया अशांति की जांच स्थापित करने के अनुरोध को संदर्भित करने का संकल्प लिया गया है।

समाचार एजेंसी ने शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान के हवाले से कहा कि अनुरोध आगे विचार और निर्णय के लिए संसद के पीठासीन अधिकारियों के पास भेजा जाएगा। बयान में कहा गया है कि बैठक का विचार था कि इस जांच की स्थापना हिंसा, अर्थव्यवस्था पर लूट के प्रभाव और अशांति के कारण जीवन के नुकसान के आलोक में महत्वपूर्ण है। संसदीय समितियों ने क्वाजुलु-नताल और गौतेंग प्रांतों का दौरा किया, जो अशांति के हॉटस्पॉट थे, जिसमें 337 लोगों के जीवन का दावा किया गया था, जबकि सड़कों को भी अवरुद्ध कर दिया गया था, संपत्तियों और वाहनों को क्षतिग्रस्त और जला दिया गया था। नेशनल असेंबली (एनए) के निचले सदन, थांडी मोडिसे ने अगस्त में फिर से संगठित होने पर जितनी जल्दी हो सके प्रतिनिधित्व करने वाले राजनीतिक दलों के लिए अशांति पर एक असाधारण विस्तारित बहस का प्रस्ताव दिया है। कभी रंगभेद के खिलाफ लड़ाई के लिए जाने जाने वाले जुमा को अदालत के आदेशों की अवहेलना करने के लिए एस्टकोर्ट सुधार केंद्र में 15 महीने की कैद हुई है। उन्होंने न्यायिक आयोग के सामने गवाही नहीं

दी जो 2009-2018 के बीच उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रहा था। इस बीच, हिंसक विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में 2,500 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

जो बाइडन ने भारतीय-अमेरिकी रशद हुसैन को धार्मिक स्वतंत्रता का राजदूत नियुक्त किया

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारतवंशी अमेरिकी अटॉर्नी रशद हुसैन को अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता का एंबेसडर-एट-लार्ज नामित किया है। किसी महत्वपूर्ण पद के लिए नामित वह पहले मुस्लिम हैं। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी। एंबेसडर-एट-लार्ज ऐसा राजदूत होता है जिसे विशेष जिम्मेदारियां दी जाती है लेकिन वह किसी खास देश के लिए नियुक्त नहीं होता है। हुसैन (41) वर्तमान में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में सहयोग एवं वैश्विक भागीदारी के लिए निदेशक हैं। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, ''आज की यह घोषणा राष्ट्रपति की एक ऐसा प्रशासन बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है जिसमें सभी धर्मों के लोगों का समावेश हो। हुसैन पहले मुस्लिम

हैं जिन्हें अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता के एंबेसडर-एट-लार्ज के तौर पर सेवा के लिए नामित किया गया है।'' हुसैन इससे पहले न्याय विभाग के राष्ट्रीय सुरक्षा खंड में वरिष्ठ वकील के तौर पर सेवा दे चुके हैं। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के प्रशासन में वह इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के लिए विशेष दूत, सामरिक आतंकवाद रोधी संचार के लिए अमेरिका के विशेष दूत तथा डिप्टी एसोसिएट व्हाइट हाउस काउंसल के तौर पर सेवा दे चुके हैं। दूत के रूप में अपनी भूमिकाओं में हुसैन ने बहुपक्षीय संगठनों जैसे ओआईसी और संयुक्त राष्ट्र, विदेशी सरकारों और नागरिक समाज संगठनों के साथ शिक्षा, उद्यमिता, स्वास्थ्य, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने के लिए काम किया।

यूएन सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभालने को पूरी तरह से तैयार है भारत, 1 अगस्त से संभालेगा कार्यभार

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

भारत एक अगस्त को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभालेगा और इस दौरान वह तीन प्रमुख क्षेत्रों समुद्री सुरक्षा, शांतिरक्षण और आतंकवाद को रोकने संबंधी विशेष कार्यक्रमों की मेजबानी करने के लिए तैयार है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने 15 राष्ट्रों के शक्तिशाली संयुक्त राष्ट्र निकाय की भारत द्वारा अध्यक्षता संभाले जाने की पूर्व संध्या पर एक वीडियो संदेश में कहा, 'हमारे लिए उसी माह में सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभालना विशेष सम्मान की बात है जिस माह हम अपना 75वां स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं।' भारत की अध्यक्षता का पहला कार्यकारी दिवस सोमवार, दो अगस्त को होगा जब तिरुमूर्ति महीने भर के लिए परिषद के कार्यक्रमों पर संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में मिश्रित संवाददाता सम्मेलन करेंगे यानी कुछ लोग वहां मौजूद होंगे जबकि अन्य वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए जुड़ सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी कार्यक्रम के मुताबिक तिरुमूर्ति संयुक्त राष्ट्र के उन सदस्यों देशों को भी कार्य विवरण उपलब्ध कराएंगे जो परिषद के सदस्य नहीं हैं। सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के तौर पर

भारत का दो साल का कार्यकाल एक जनवरी, 2021 को शुरू हुआ था। अगस्त की अध्यक्षता सुरक्षा परिषद के गैर स्थायी सदस्य के तौर पर 2021-22 कार्यकाल के लिए भारत की पहली अध्यक्षता होगी। भारत अपने दो साल के कार्यकाल के अंतिम माह यानी अगले साल दिसंबर में फिर से परिषद की अध्यक्षता करेगा। अपनी अध्यक्षता के दौरान, भारत तीन बड़े क्षेत्रों - समुद्री सुरक्षा, शांतिरक्षण और आतंकवाद रोकथाम के संबंध में तीन उच्च स्तरीय प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। वीडियो संदेश में, तिरुमूर्ति ने कहा कि समुद्री सुरक्षा भारत की उच्च प्राथमिकता है और 'सुरक्षा परिषद के लिए इस मुद्दे पर समग्र रूप से रुख अपनाना जरूरी है।'

उन्होंने कहा कि शांतिरक्षण का विषय 'शांतिरक्षा में हमारी अपनी लंबी और अग्रणी भागीदारी को देखते हुए दिल के करीब है'। साथ ही कहा कि भारत शांतिरक्षकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के विषय पर ध्यान केंद्रित करेगा विशेषकर बेहतर प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से,और उसका ध्यान इस बात पर भी रहेगा कि शांतिरक्षकों के खिलाफ अपराध करने वाले दोषियों को कानून के हवाले किया जाए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे रहने वाले देश के रूप में, भारत आतंकवाद को रोकने के प्रयासों पर लगातार बल देता रहेगा। तिरुमूर्ति ने कहा कि परिषद में भारत के पिछले सात महीनों के कार्यकाल में, हमने विभिन्न मुद्दों पर एक सैद्धांतिक और दूरदेशी रुख अपनाया है। हम जिम्मेदारियों को निभाने से नहीं डरते। हम सक्रिय रहे हैं। हमने अपनी प्राथमिकता वाले मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया है। राजदूत ने कहा, 'हमने परिषद के भीतर विभिन्न विचारों के बीच अंतर को पाटने के प्रयास किए हैं ताकि सुनिश्चित हो सके कि परिषद आज के कई महत्त्वपूर्ण विषयों पर साथ रहे और एक सुर में बात करे। हमारी अध्यक्षता में हम यही करने की कोशिश करेंगे।

घर में घुसकर हैती के राष्ट्रपति की हत्या करने वाले मामले में एक और की हुई गिरफ्तारी!

पोर्ट-ऑ-प्रिंस। (एजेंसी)।

हैती के राष्ट्रपति जोवेनेल मोइसे की हत्या मामले में पुलिस ने शुक्रवार को एक और अधिकारी को गिरफ्तार किया है। राष्ट्रीय पुलिस की प्रवक्ता मारी मिशेल वेरियर ने बताया कि सात जुलाई को राष्ट्रपति के आवास पर हुए हमला मामले में अब तक 27 लोगों की गिरफ्तारी हुई है और इस संबंध में अभी और लोगों को पकड़ा जाना बाकी है। अन्य नौ अधिकारियों को पूछताछ के लिए अलग-थलग रखा गया है। घटना में भूमिका के संदेह में अब तक करीब 44 लोगों से पूछताछ हुई है। अधिकारियों ने आम लोगों से भी मदद की अपील की है।

वेरियर ने कहा, ''आप सभी से अनुरोध है कि पुलिस जिन अपराधियों की तलाश कर रही है, उन्हें ढूंढने में हमारी मदद करें। अपनी भागीदारी दिखाएं और उन लोगों को तलाशने में हमारी मदद करें।'' उन्होंने यह भी कहा कि संदिग्धों को पकड़ने में सुराग देने वालों को ''बड़ा'' इनाम दिया जाएगा। हालांकि उन्होंने इनाम की राशि की घोषणा नहीं की। हैती पुलिस ने राष्ट्रपति मोइसे के सामान्य सुरक्षा समन्वयक रहे जीन लागुएल सिविल को सोमवार को गिरफ्तार किया था। पुलिस मामले में अब भी कई संदिग्धों की तलाश कर रही है जिसमें एक पूर्व विरोधी नेता और पूर्व सांसद शामिल है। सोमवार को अधिकारियों ने कहा कि इस मामले में सुपीरियर कोर्ट के न्यायाधीश विंडेल कॉक थेलोट भी संदिग्ध हैं। हालांकि अब भी यह स्पष्ट नहीं है कि राष्ट्रपति की हत्या की साजिश किसने रची।

पाकिस्तान: हिंदू रीति रिवाज के साथ व्यक्ति ने बकरी के साथ लिए सात फेरे, सोशल मीडिया पर मचा बवाल

लखनऊ। (एजेंसी)।

पाकिस्तान से एक बड़ी ही हैरान करने वाली खबर सामने आई है। आपको बता दें कि पाकिस्तान के सिंध के मीरपुरखास जिले के डिगरी शहर में भील समुदाय के एक शख्स ने लड़की से नहीं बल्कि एक बकरी से शादी रचाई है।पाकिस्तानी न्यूज चैनल एआरवाई न्यूज के मुताबिक, इस शख्स ने एक बकरी से शादी की है जिसकी तस्वीरें देख कर आप भी काफी चौंक जाएंगे। हिंदू युवक की शादी की तस्वीरे और वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस के मुताबिक, इस युवक ने हिंदू रीति रिवाज से बकरी के साथ सात फेरे भी लिए है। इस शादी में शख्स का परिवार भी मौजूद था। पुलिस ने बताया कि, इस शादी का इंतजाम करने वाला व्यक्ति गिरफ्तार हो गया है।

जानकारी के लिए बता दें कि बकरी और जानवरों से शादी करने का यह मामला पहला नहीं

है। ऐसा ही एक मामला बार्जील से भी देखने को मिली थी जिसमें एक बुजुर्ग शख्स ने बकरी से शादी करने का दावा किया था और कहा था कि उसने बकरी से शादी किसी कारण से किया था। वहीं भारत के उत्तराखंड के धनोल्टी में भी बकरियों से शादी करने के लिए बकरी का स्वयंवर आयोजित किया जाता था और पूरे रिति रिवाजों के साथ बकरियों के साथ शादी करने का दावा किया गया था।

क्या है पाकिस्तान की नई चाल ? रावलाकोट की बंद पड़ी हवाई पट्टी की क्यों करा रहा मरम्मत ?

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

लगातार भारत में घुसपैठ की कोशिशें कराने वाला पाकिस्तान अब नई योजना तैयार कर रहा है। इस बार पाकिस्तान ड्रोन या कहें हथियार बंद यूएवी के लिए रनवे तैयार कर रहा है। लेकिन इसका इस्तेमाल किसके खिलाफ किया जाएगा इसके बारे में कोई पुख्ता जानकारी नहीं है। खुफिया एजेंसियों के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान 4 साल से बंद पड़ी हवाई पट्टी को दुरुस्त कराने में जुटा हुआ है। खास बात तो यह है कि इस हवाई पट्टी के आसपास किसी आम नागरिकों को जाने की अनुमति नहीं है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान रावलाकोट में बंद पड़ी हवाई पट्टी की मरम्मत करा रहा है। ताकि इसका इस्तेमाल किया जा सके। एक हिन्दी समाचार पत्र में छपी रिपोर्ट के मुताबिक रावलाकोट में ठोस सतह वाली हवाई पट्टी है। जो करीब 3000 फुट लंबी और 80 फुट चौड़ी है। दिलचस्प बात तो यह है कि रावलाकोट की हवाई पट्टी ड्रोन इस्तेमाल के लिए एक दम परफेक्ट है।

बुराक यूएवी का होगा इस्तेमाल !

रिपोर्ट में खुफिया सूत्रों के हवाले से बताया गया कि पाकिस्तानी सेना के एक अधिकारी ने अप्रैल माह में रावलाकोट हवाई पट्टी का निरीक्षण किया था और इसे ऑपरेशनल बनाने के निर्देश दिए थे। प्राप्त जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान रावलाकोट हवाई पट्टी का इस्तेमाल हथियार बंद ड्रोन के लिए करने वाला है। पाकिस्तान के पास बुराक यूएवी है। जिसका इस्तेमाल पाकिस्तान की एयरफोर्स और सेना दोनों ही करती हैं।

पाकिस्तान में निर्मित बुराक यूएवी का इस्तेमाल पहली बार साल 2015 में आतंकियों के खिलाफ किया गया था। इन दिनों पाकिस्तान अपना पूरा ध्यान ड्रोन की तरफ केंद्रित कर रहा है। हालांकि ड्रोन हमले के बढ़ते अंदेशों को देखते हुए दुनिया के तमाम देश एंटी ड्रोन सिस्टम पर अपना ध्यान केंद्रित करने को मजबूर हो गए है।

आपको याद हो तो 27 जून को जम्मू में

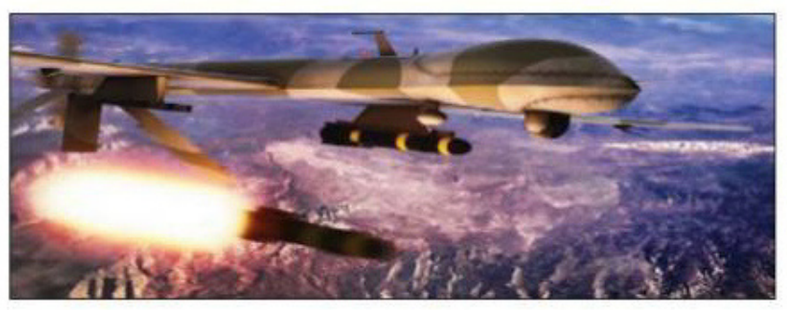

इंडियन एयरफोर्स स्टेशन में भी ड्रोन हमले हुए थे। इस हमले में दो ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। जिसकी अभी जांच चल रही है। इस हमले के बाद अचानक से जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में ड्रोन देखे जाने की खबरें आना शुरू हो गई थी। यहां तक की सुरक्षा एजेंसियों ने कुछ ड्रोनों को निशाना बनाकर तबाह भी कर दिया था। ऐसे में ड्रोन के बढ़ते इस्तेमाल की वजह से सुरक्षा एजेंसियों की परेशानियां बढ़ गई हैं।

कोविड टीकाकरण अभियान पर बोले केजरीवाल

दिल्ली में लगे एक करोड़ से अधिक कोविड के टीके

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने कोरोना के टीकाकरण अभियान में एक माइलस्टोन स्थापित करते हुए शनिवार को दिल्ली में एक करोड़ से अधिक टीके लगा दिए। सीएम अरविंद केजरीवाल ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली में टीकाकरण के लिए पात्र 1.5 करोड़ की आबादी में से करीब 50 फीसदी 74 लाख को लोगों को कम से कम एक टीका लग चुका है, जबकि इन 74 लाख लोगों में से 26 लाख को दोनों टीके लग चुके हैं। सीएम ने कहा कि दिल्ली के पास रोजाना तीन लाख टीके लगाने की क्षमता है, लेकिन हमें पर्याप्त टीके नहीं मिल पा रहे हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि जल्द ही केंद्र सरकार से दिल्ली और देश के बाकी हिस्सों को भी पर्याप्त मात्रा में टीके मिलने चालू हो जाएंगे। सीएम ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अगर आपने अभी तक टीका नहीं लगवाया है, तो आप भी निकटतम टीकाकरण केंद्र में जाकर जरूर टीका लगवाइए। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि दिल्ली में कोरोना के खिलाफ जो टीका लग रहा है, आज वह टीकाकरण कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन को हासिल किया है। दिल्ली में आज एक करोड़ से थोड़े ज्यादा कोरोना के टीके लग चुके हैं। जब से टीकाकरण कार्यक्रम शुरू हुआ है, तब से लेकर अब तक दिल्ली में एक करोड़ तक टीके लग चुके हैं। यह एक करोड़ टीके लगभग 74 लाख लोगों को लगे हैं। इन 74 लाख में से 26 लाख लोगों को दोनों टीके लग चुके हैं और बाकी लोगों को एक-एक टीका लगा। दिल्ली में मोटे-मोटे तौर पर दो करोड़ की जनसंख्या है, जिसमें से डेढ़ करोड़ लोग 18 वर्ष से ज्यादा उम्र के हैं, जो कि टीका लगवाने के लिए पात्र हैं। इन डेढ़ करोड़ लोगों में से लगभग 74 लाख लोगों को कम से कम एक टीका लग चुका है। इस तरह, दिल्ली में टीकाकरण के लिए पात्र कुल जनसंख्या में से करीब 50 फीसद आबादी को एक टीका लग चुका है और उसमें से 26 लाख लोगों को दोनों टीके लग चुके हैं। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के लोगों को टीका लगवाने के लिए आगे आने की अपील करते हुए कहा कि अगर आपने अभी तक टीका नहीं लगवाया है, तो आप भी जरूर निकटतम टीकाकरण केंद्र में जाकर टीका लगाइएगा। सीएम ने कहा कि एक तरह से हमारे पास दो चुनौतियां हैं। पहली चुनौती यह है कि दिल्ली में बाकी जो जनसंख्या बची है, जिनको अभी एक भी टीका नहीं लगा है, उनको टीका लगाना है। दूसरी चुनौती यह है कि अभी तक जिन लोगों को दूसरा टीका नहीं लग पाया है, उन सभी लोगों को दूसरा टीका लगाना है।

टीकाकरण के लिए पात्र 1.5 करोड़ में से 74 लाख लोगों को कम से कम एक टीका लगा : केजरीवाल

- मुख्यमंत्री ने की लोगों से टीकाकारण कराने की अपील
- दिल्ली के पास रोजाना तीन लाख टीके लगाने की है क्षमता

जनता में भी टीका लगवाने को लेकर है बेहद उत्साह

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में जितनी हमें वैक्सीन मिल रही है, उसके हिसाब से हमारे डॉक्टर्स, हमारे नर्सेज और हमारे टीका लगाने वाले स्टाफ रात-दिन मेहनत करके पूरी शिद्दत के साथ टीका लगा रहे हैं। साथ ही, दिल्ली की जनता में भी टीका लगवाने को लेकर बेहद उत्साह है। दिल्ली की जनता भी टीका लगवा रही है। मैं आज इस मौके पर उन सब लोगों को बधाई देना चाहता हूं, जो हमारा टीका लगाने वाला पूरा स्टाफ है, टीकाकरण का जो पूरा का पूरा इंफ्रास्ट्रकचर है, उन लोगों ने जितनी शिद्दत के साथ काम किया, उनका शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। सीएम अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि वैक्सीन की कमी की वजह से इसको हम अभी बढ़ा नहीं पा रहे हैं। दिल्ली में अभी लगभग 50, 60, 70 हजार टीके प्रतिदिन लग रहे हैं। इतने कम टीके इस वजह से लग रहे हैं, क्योंकि दिल्ली में वैक्सीन की बहुत ज्यादा कमी है।

अगर हमें वैक्सीन पर्याप्त मात्रा में मिल जाए, तो आज हम दिल्ली के अंदर तीन लाख टीके प्रतिदिन लगाने की क्षमता रखते हैं, लेकिन हम उतने टीके लगा नहीं पा रहे हैं, क्योंकि टीके की कमी है। हम वैक्सीन को लेकर लगातार केंद्र सरकार के संपर्क में हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि जल्द ही दिल्ली को भी और बाकी देश के हिस्सों को भी पर्याप्त मात्रा में टीके मिलने चालू होंगे। जैसे-जैसे हमें टीके मिल रहे हैं, हम लगाते जा रहे हैं। आज मुझे यह बताते हुए खुशी है कि दिल्ली में हम लोग एक करोड़ टीके लगा चुके हैं।

एनडीएमसी स्कूलों के 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

पूरे सत्र के दौरान ऑनलाइन कक्षाओं से यह किया गया सुनिश्चित

नई दिल्ली (संवाददाता)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 12वीं कक्षा के परिणाम घोषित कर दिए हैं और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के अटल आदर्श विद्यालयों और नवयुग स्कूलों ने इस साल भी 12वीं के नतीजों में उलल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के अटल आदर्श विद्यालयों और नवयुग स्कूलों का कुल परिणाम इस वर्ष 100 प्रतिशत रहा है जबकि 2020 में 95.41 प्रतिशत और 2019 में 94.21 प्रतिशत रहा था 0। इस वर्ष के 12वीं कक्षा के 100 प्रतिशत परिणाम से पालिका परिषद विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा एक बेहतर उल्लेखनीय रुझान दर्ज कराया गया है। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के शिक्षा विभाग द्वारा सभी स्तरों पर नियमित परामर्श और निगरानी ने शिक्षा के प्रत्येक कार्य में जवाबदेही और जिम्मेदारी का एक विशेष वातावरण विद्यार्थियों के अनुकूल तैयार किया गया। और साथ ही विभिन्न पहलुओं का निरन्तर निरीक्षण करने के लिए विषयवार ऑनलाइन सत्र और अकादमिक सलाहकारों एवं अधिकारियों द्वारा किया गया नियमित पर्यवेक्षण, यह शत प्रतिशत परिणाम लाने में बहुत प्रभावी साबित हुआ। पालिका परिषद के शिक्षा विभाग ने कोविड महामारी की स्थिति के बावजूद, माता-पिता और छात्रों से समय समय पर विचारों का आदान प्रदान किया और उनका समर्थन भी प्राप्त किया। पूरे सत्र के दौरान ऑनलाइन कक्षाओं से यह सुनिश्चित किया गया कि शिक्षक और छात्र दोनों वास्तविक जीवन की चुनौतियों का सामना करने और लॉकडाउन के दौरान चुनौतियों की परिस्थितियों से बाहर आने के लिए तैयार हो सके।

पालिका परिषद द्वारा महामारी के दौरान ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से सतत फॉलोअप और छात्रों को प्री-लोडेड टैबलेट वितरित करने की पहल करना बेहतर परिणाम के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपनाए गए विभिन्न माध्यम छात्रों के लिए फायदेमंद साबित हुए।

संक्षिप्त खबर

खेल प्रेमियों के लिए फिर से शुरू हुआ पिटस्टॉप

नई दिल्ली। देश भर में जबरदस्त सफलता और प्रतिक्रिया प्राप्त करने के बाद, स्मैश आपकी बचपन की यादों को फिर से जगाने के लिए वापस आ गया है, अब गुरुग्राम में सभी सुरक्षा निर्देशों को ध्यान में रखते हुए गो कार्टिंग सेंटर खोला गया है। सभी खेल प्रेमी इस आउटलेट पर गो कार्टिंग, 10 पिन बॉलिंग, 9 डी राइड टू जुरासिक पार्क और बहुत कुछ जैसे अत्यधिक उन्नत खेलों के साथ अद्वितीय एड्रेनालाईन रश का अनुभव कर सकते हैं। इसके सबसे बड़े आकर्षणों में से एक निस्संदेह इसका स्मैश गो कार्टिंग ट्रैक है। इन सबसे ऊपर, रोमांटिक यूवी लिट ट्वाइलाइट बॉलिंग एली और माउथ स्मैकिंग फूड एंड बेवरेज है। अपने पिटस्टॉप केंद्र के फिर से खुलने पर, श्रीपाल मोराखिया मुख्य कल्पना अधिकारी, स्मैश ने कहा की मैं स्मैश को एक बड़ी सफलता बनाने के लिए अपने संरक्षकों का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। हम इस शहर में गेमिंग अनुभव से पहले नई अवधारणाओं, शक्तिशाली सिम्युलेटिव टेक्नोलॉजी और इनोवेटिव डिजाइन के लिए बहुत खुश हैं, जो कभी नहीं देखा गया है। आभासी और वास्तविक के बीच सही संतुलन बनाए रखते हुए, स्मैश में इंटरैक्टिव अनुभव हर किसी को एक अलग दुनिया में भागने और अपने सपनों को पूरा करने की सुविधा देता है। हम उम्मीद करते हैं कि हम हमारे अनूठे और आकांक्षी अनुभवों के साथ मजेदार पसंद करने वाले लोगों को प्रेरित करेंगे और मुस्कान लाएंगे।

महापौर ने दक्षिणी जोन के आया नगर वार्ड का निरीक्षण किया

नई दिल्ली। दक्षिणी नगर निगम के महापौर मुकेश सुर्यान ने सांसद रमेश बिधूड़ी व अतिरिक्त आयुक्त रमेश वर्मा के साथ आया नगर वार्ड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर महापौर ने सांसद रमेश बिधूड़ी के साथ आया नगर वार्ड में जाकर स्थानीय नागरिकों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना। निरीक्षण के दौरान महापौर ने आया नगर वार्ड के जौनापुर गांव में तालाबों व जोहड़ों का भी जायजा लिया और उनके उचित रख रखाव व सफाई के निर्देश दिए।साथ ही उन्होंने जोनापुर भीमबस्ती में लगाए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का भी निरीक्षण किया और निर्देश दिए की जल संरक्षण के लिए क्षेत्र में और भी एस टी पी स्थापित किए जाए। इस अवसर पर दक्षिणी जोन के अध्यक्ष सुभाष भड़ाना, क्षेत्रीय पार्षद वेदपाल व निगम के अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित थे। महापौर ने जौनापुर गांव में ग्राम सभा भूमि पर बनाए गए पार्क का भी दौरा किया और अधिकारियों को पार्क के उचित रख रखाव व सौंदर्यीकरण के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने जोनापुर गांव में पार्क व तालाब की सफाई और नालियों व सड़कों का निरीक्षण कर मरम्मत करने के भी निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि क्षेत्र में सफाई व्यवस्था दुरुस्त की जाएगी और छोटी गलियों व सड़कों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

पत्नी की हत्या कर थाने पहुंचा आरेपी पति

नई दिल्ली। मंगोलपुरी इलाके में शनिवार सुबह एक शख्स पत्नी की हत्या करने के बाद खुद की चाकू लेकर थाने पहुंच गया। जहां उसने पुलिसकर्मियों को बताया कि उसने अपनी पत्नी की हत्या कर दी है। पुलिसकर्मियों ने हत्या का कारण पूछा तो आरोपी ने बताया कि उसने मुझे घर से निकाल दिया था। इसलिए मैंने उसे मार डाला।

गांधी मैदान बहुस्तरीय पार्किंग परियोजना को जल्द पूरा करने के निर्देश

(एजेंसी)

नई दिल्ली । उत्तरी दिल्ली नगर निगम में स्थायी समिति के अध्यक्ष जोगी राम जैन ने शनिवार को चांदनी चौक क्षेत्र स्थित उत्तरी दिल्ली नगर निगम की गांधी मैदान बहुस्तरीय पार्किंग परियोजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पार्षद, रवि कप्तान, पूर्व पार्षद सुमन गुप्ता, प्रमुख निदेशक, प्रदीप बंसल, क्षेत्रीय उपायुक्त, शशांका आला व निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। स्थायी समिति अध्यक्ष जोगी राम जैन ने बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम द्वारा चांदनी चौक क्षेत्र में स्थित गांधी मैदान बहुस्तरीय पार्किंग परियोजना विकसित की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस बहुस्तरीय पार्किंग परियोजना के पूरा होने के बाद नागरिकों के लिए लगभग 2338 कारों की पार्किंग सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि निगम अधिकारियों को इस बहुस्तरीय पार्किंग परियोजना के निर्माण कार्य को जनवरी 2022 तक पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस परियोजना से ऐतिहासिक चांदी चौक क्षेत्र में पार्किंग की समस्या खत्म होगी, यातायात में सुगमता आएगी व व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि ऐतिहासिक चांदनी चौक एक बहुत बड़ा व्यापारिक केंद्र हैं जहां पर देश के हर कोने से नागरिक खरीदारी करने आते हैं ऐसे में इस परियोजना का महत्व और बढ़ जाता है।

उपरोक्त के अतिरिक्त स्थायी समिति अध्यक्ष, जोगी राम जैन ने दंगल मैदान पार्किंग, शांति देसाई खेल परिसर व पीली कोठी का भी निरीक्षण किया। दंगल मैदान पार्किंग के निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को कारों की पार्किंग को और व्यवस्थित करने के निर्देश दिए।

दिल्ली सरकार के खिलाफ राष्ट्रपति से मिलेंगे भाजपा विधायक, कहा- दबाए जा रहे जनहित के मुद्दे

नई दिल्ली । विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी व अन्य भाजपा विधायकों ने अरविंद केजरीवाल सरकार पर विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि विधानसभा के दो दिवसीय मानसून सत्र में विपक्ष को आम जनता से जुड़े मुद्दे नहीं उठाने दिए गए, इसकी शिकायत राष्ट्रपति और लोकसभा अध्यक्ष से की जाएगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा का सत्र शुरू होने से पहले कार्य मंत्रणा समिति की बैठक होती है जिसमें विपक्ष को भी बुलाया जाता है। इसी बैठक में तय किया जाता है कि विधानसभा में किन मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। दिल्ली सरकार इस परंपरा का लगातार उल्लंघन कर रही है।

बिधूड़ी ने कहा कि विपक्ष ने दिल्ली की समस्याओं के बारे में चर्चा के लिए प्रस्ताव भेजे थे, लेकिन उनमें से किसी पर भी चर्चा नहीं कराई गई। सरकार ने इस बार दो विधेयक पेश किए लेकिन इनकी प्रति सदस्यों को नहीं भेजी गई और न ही एजेंडा में ही इसकी सूचना दी गई। इस बार विधानसभा में विपक्ष के लिए पूरे दिन में मात्र 20 मिनट का समय तय कर दिया गया। देश में जहां भी मान्यता प्राप्त विपक्ष है तो उसके नेता के लिए सदन में बोलने का कोई समय तय नहीं किया जाता लेकिन इस मामले में पूरी तरह मनमानी की जा रही है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष जनता की तरफ से जानना चाहता था कि दिल्ली में कोरोना की दूसरी लहर के दौरान स्वास्थ्य ढांचा क्यों चरमरा गया? यह चर्चा इसलिए जरूरी थी ताकि तीसरी लहर के लिए तैयारी की जा सके और गलतियों से सबक सीखा जा सके। इसके अलावा जल संकट, जल भराव, बदहाल सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था, स्कूलों में शिक्षकों की कमी, बुजुर्गों को पेंशन नहीं मिलने, किसानों से किए गए वादे पूरे नहीं करने, भारी भरकम बिजली बिल पर चर्चा चाहती थी, जिसकी अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने दिल्ली सरकार पर विधानसभा का उपयोग केंद्र सरकार की निंदा करने के लिए करने का आरोप लगाया। इस मौके पर विधायक ओमप्रकाश शर्मा, अनिल वाजपेयी, अजय महावर और अभय वर्मा भी मौजूद थे।

जेएनयू में एबीवीपी के नेतृत्व में छात्रों ने किया प्रदर्शन, छात्रावास में सुविधाएं बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली । जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रावासों में छात्र मूलभूत सुविधाओं के अभाव में रह रहे हैं। छात्रों की परेशानी को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने डीन आफ स्टूडेंट के सामने रखा। बड़ी संख्या में छात्रों ने प्रदर्शन किया। छात्रावास में आवंटन संबंधी सूची जारी करने, मूलभूत सुविधाएं बहाल करने तथा फेलोशिप आदि समस्याओं के समाधान की मांग कर रहे थे। एबीवीपी के नेतृत्व में छात्र डीन आफ स्टूडेंट कार्यालय के बाहर नारेबाजी किए। परिणाम स्वरूप डीन को बाहर आना पड़ा और छात्रों की समस्याएं सुननी पड़ी।जेएनयू प्रशासन ने आश्वासन दिया कि छात्रावास में आवंटन की सूची, सुविधाएं मसलन वाटर कूलर, सैनिटेशन आदि की सुविधा दुरूस्त की जाएगी। एबीवीपी के जेएनयू इकाई अध्यक्ष शिवम चौरसिया ने कहा कि छात्रों की तरफ से प्रशासन के सामने अपनी मांगे रखी। डीन द्वारा कई शिकायतों को तुरंत निदान करने का आश्वासन दिया गया तथा छात्रावास सूची जारी करने, छात्रावासों में वाटर कूलर लगाने जैसे विषयों पर तुरंत सहमति जताई। वहीं इकाई मंत्री रोहित कुमार ने बताया कि जब तक सभी मुद्दों का समाधान नहीं होता, एबीवीपी मसले उठाता रहेगा। रोहित कुमार ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान शारीरिक दूरी का पालन किया गया। छात्र कम से कम दो गज की दूरी पर खड़े होकर अपनी बात जेएनयू प्रशासन के सामने रखे। कोरोना संक्रमण के दौर में कम संख्या में छात्र छात्रावास में रह रहे हैं। छात्रों को मूलभूत सुविधाएं मिलनी चाहिए ताकि पढ़ाई बाधित ना हो। साफ सफाई की व्यवस्था सही होनी ही चाहिए। बता दें कि एबीवीपी छात्रों से जुड़ी समस्याओं को लेकर अक्सर मुद्दा उठाता रहा है।

ठगी के आरोप में दो साथी गिरफ्तार

तीन साल से एटीएम की क्लोनिंग कर दूसरों के खाते से उड़ाते थे नकदी

नई दिल्ली (संवाददाता)। एटीएम कार्ड की क्लोनिंग और एटीएम कार्ड बदलकर दूसरे के खाते से पैसे उड़ाने वाले दो दोस्तों को ख्याला थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों अक्षय व सुमित की पुलिस को एक महीने से तलाश थी। दोनों आरोपी पुलिस को चकमा देकर दिल्ली के अलावा आसपास के राज्यों में घूमते रहे थे। लेकिन मोबाइल सर्विलांस और तकनीकी छानबीन की मदद से पुलिस दोनों तक पहुंच गई। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने एटीएम कार्ड की क्लोन में इस्तेमाल किए जाने वाला उपकरण बरामद किया है। आशंका है इस उपकरण की मदद से ये कार्ड क्लोन कर आरोपियों ने बड़ी संख्या में लोगों के खाते से पैसे उड़ाए हैं। आरोपियों से पूछताछ कर पुलिस पीड़ितों की जानकारी जुटा रही है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि विष्णु गार्डन में रहने वाले एक महिला ने 30 जून को ख्याला थाना पुलिस को शिकायत दी। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि वह विष्णु गार्डन स्थित एक एटीएम में पैसे निकालने गई थी। यहां किसी ने बड़ी चालाकी से एटीएम कार्ड उनसे लेकर किसी और का एटीएम कार्ड थमा दिया। बाद में उनके पास पैसे निकासी के संदेश आने शुरू हो गए। जिसके बाद उन्हें अपने साथ हुइ ठगी की जानकारी हुई।

ख्याला थाने में तैनात सब इंस्पेक्टर नवीन की टीम ने उनकी शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू की। प्राथमिक जांच के दौरान पुलिस ने एटीएम व आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज एकत्रित किए। आरोपी जिस मोटरसाइकिल पर सवार थे, उसके नंबर के आधार पर जानकारियां जुटाई।

सैंकड़ों लोगों को ठगा

पुलिस की पूछताछ में सामने आया है कि आरोपियों ने करीब एक दर्जन एटीएम में क्लोनिंग मशीन की मदद से सैंकड़ों लोगों के कार्ड क्लोन कर उनके साथ ठगी की है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर सभी वारदातों का ब्यौरा जुटाने में लगी हुई है।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मोस्ट वांटेड गैंगस्टर काला जठेरी को लेडी डॉन अनुराधा चौधरी के साथ शहारनपुर (यूपी) से गिरफ्तार किया, जिसे नई दिल्ली में एनएफसी सेल कार्यालय में पेश किया गया।

किसानों से बिना मिले दिल्ली से वापस गईं ममता बनर्जी, राकेश टिकैत यूपी गेट पर करते रहे इंतजार

नई दिल्ली/गाजियाबाद । तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर दिल्ली-एनसीआर के चारों बॉर्डर (सिंघु, टीकरी, शाहजहांपुर और यूपी) गेट पर किसानों का धरना प्रदर्शन जारी है। वहीं, दिल्ली के जंतर मंतर पर भी कृषि कानूनों के विरोध में किसान संसद का आयोजन किया जा रहा है। इस बीच शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कृषि कानूनों के विरोधी में 28 नवंबर से यूपी गेट पर चल रहा धरना स्थल पर आने का कार्यक्रम था। इस दौरान सुबह से लेकर शाम तक भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत अपने कार्यकर्ताओं के साथ उनका यूपी गेट पर इंतजार करते रहे, लेकिन ममता बनर्जी अपना दिल्ली दौरा खत्म कर वापस पश्चिम बंगाल पहुंच गई।

राकेश टिकैत ने दी अजब सफाई- वहीं, भारतीय किसान यूनियन नेता राकेश टिकैत ने ममता बनर्जी के यूपी गेट नहीं आने पर अजब सफाई दी है। उनका कहना है कि ममता बनर्जी के यहां आने की सूचना उन्हें मीडियाकर्मियों से मिली थी। उन्होंने उन्हें यहां आने का न्योता नहीं दिया था। न ही उनकी कोई बात हुई थी। वैसे राकेश टिकैत की यह सफाई किसी को पच नहीं रही है। कहा जा रहा है कि ममता बनर्जी यूपी गेट पर किसानों से मिलने की इच्छुक नहीं थी और न ही उन्होंने ऐसा कोई कार्यक्रम पहले से बनाया था।

इससे पहले बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आने की अटकलों को लेकर शुक्रवार को दिनभर पुलिस-प्रशासन सतर्क रहा। हालांकि वह यहां नहीं आई। यूपी गेट पर भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत की अगुवाई में धरना चल रहा है। विधान सभा चुनाव के दौरान उन्होंने बंगाल में जाकर भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ प्रचार किया था। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दिल्ली आई थीं। अटकलें लगाई जा रही थीं कि वह यहां आकर राकेश टिकैत से मुलाकात करेंगी। इसको लेकर बृहस्पतिवार से ही यहां सुरक्षा-व्यवस्था बढ़ा दी गई थी। शुक्रवार सुबह से ही यहां बम निरोधक दस्ता, खुफिया विभाग सतर्क रहा। शुक्रवार सुबह नौ बजे ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने यहां डेरा जमा लिया। मीडियाकर्मियों का जमावड़ा लगा रहा मगर ममता बनर्जी यहां नहीं आई।

कहा जा रहा है कि ममता बनर्जी के आने की खबर से किसान प्रदर्शन उत्साहित थे, लेकिन शाम को न आने की जानकारी मिली तो वे निराश हो गए।

गौरतलब है कि जून महीने के दूसरे सप्ताह के दौरान भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने कोलकाता में सचिवालय में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की थी। इस दौरान राकेश टिकैत ने तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों और किसानों के एतराज का मुद्दा उठाया था। इससे भी पहले राकेश टिकैत ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान राज्य में सभाएं की थी। इसके साथ टीएमसी की जीत पर ममता को बधाई भी दी थी।

वहीं, मुलाकात के बाद राकेश टिकैत ने कहा था कि मुख्यमंत्री ने हमें आश्वासन दिया कि वह किसान आंदोलन का समर्थन करना जारी रखेंगी। इस आश्वासन के लिए हम उनका धन्यवाद करते हैं। पश्चिम बंगाल को आदर्श राज्य के रूप में काम करना चाहिए और किसानों को अधिक लाभ दिया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि राकेश टिकैत तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ गाजीपुर बॉर्डर पर किसान आंदोलन की अगुवाई कर रहे हैं। इसके साथ ही कई राज्यों का लगातार दौरा कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में दावा किया है कि भाजपा का जो हाल पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हुआ वहीं हाल आगामी उत्तर प्रदेश चुनाव में भी होगा। बता दें कि अगले से साल उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होना है।

उधर, तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों का मानना है कि इन कानूनों से खेतीबाड़ी का बाजारीकरण हो जाएगा और छोटे किसानों को बड़ी खुदरा कंपनियों के शोषण से पर्याप्त सुरक्षा भी नहीं मिलेगी

दिल्ली में निगम चुनाव से पहले कांग्रेस को तगड़ा झटका, पूर्व प्रदेश महिला महामंत्री समेत कई नेता भाजपा में शामिल

नई दिल्ली । दिल्ली प्रदेश महिला कांग्रेस की पूर्व महामंत्री रहीं मानसी ठाकुर अरोड़ा, ब्रिगेडियर (रिटायर्ड) विपिन चक्रवती सहित कई कांग्रेस नेता भाजपा में शामिल हुए। इन दोनों नेताओं के साथ उनके समर्थक भी भाजपा में शामिल हो गए। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने इन सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति भाजपा का मूलमंत्र है। भाजपा में महिलाओं का सम्मान होता है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं।

मानसी ठाकुर अरोड़ा ने कहा कि कोरोना महामारी में अन्य पार्टियों के नेता घरों में सो रहे हैं। वहीं, भाजपा के विधायक, सांसद व अन्य नेता अपनी जान जोखिम में डालकर जनसेवा का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं को घर-घर पहुंचाने के लिए काम करेंगी।

मानसी ठाकुर अरोड़ा ने कहा कि वह कांग्रेस में रहते हुए संगठन के लिए काफी काम की लेकिन उन्हें उचित तरीके से सम्मान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि वह अब भाजपा के लिए काम करेंगी और केंद्र की नीतियों को जनता तक पहुंचाएंगी।

कांग्रेस की स्थानीय नेता भी भाजपा में शामिल- कविता चक्रवती, दीपा अरोड़ा, अंकिता शर्मा, प्रीति आनंद सहित अन्य महिलाएं कांग्रेस छोड़कर भाजपा की सदस्यता ली। इस मौके पर कन्नौज के भाजपा सांसद सुब्रत पाठक, दिल्ली प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक गोयल देवराहा, प्रदेश प्रवक्ता हरीश खुराना व आदित्य झा, जिला अध्यक्ष राजेश गोयल उपस्थित थे।

दिल्ली में अगले साल होने हैं निगम चुनाव- दिल्ली में निगम चुनाव अगले साल प्रस्तावित है। नेता अभी से ही टिकट के जुगाड़ में लगे हैं। निगम में सत्ता पर काबिज भाजपा अभी से ही चुनाव की तैयारियों में लगी है। इसके अलावा आम आदमी पार्टी और कांग्रेस भी चुनाव की तैयारियों में जुटी हैं। भाजपा के लिए जहां निगम की सत्ता बचाए रखने की चुनौती है वहीं, आम आदमी पार्टी निगम का चुनाव जीतने के लिए रणनीति बना रही है।

संपादकीय

न्याय पर हमला

झारखंड में न्यायपालिका की सुरक्षा पर सवाल खड़े करने वाली जो घटना हुई है, उसने पूरे न्याय जगत को झकझोर कर रख दिया है। पूरी न्याय बिरादरी न केवल दुखी, बल्कि नाराज भी है। धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश उत्तम आनंद को सुबह की सैर के समय सड़क किनारे जिस तरह से टक्कर मारी गई है, उसे बहुत गंभीरता से लेने की जरूरत है। अगर किसी अपराधी को जमानत न देने या किसी अपराधी को सजा सुनाने की वजह से जज को निशाना बनाया गया है, तो यह पूरी कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती है। कानून के शासन पर ही प्रश्नचिन्ह लग गया है। आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन ऑटो का संतुलन बिगड़ने की दलील प्रथम दृष्टया सही मानी नहीं जा सकती। एक खाली सड़क पर पीछे से ऑटो अपनी लेन बदलते हुए सड़क के एकदम किनारे आता है और एक जज या व्यक्ति को टक्कर मारकर गिराने के बाद रुकता भी नहीं। यदि संतुलन बिगड़ने से यह दुर्घटना हुई होती, तो ऑटो वाले को टक्कर मारने के बाद रुकना चाहिए था, लेकिन वह टक्कर मारने के बाद आराम से चलता बना। वह तो भला हो कि सीसीटीवी फुटेज में सच सामने आ गया, वरना पुलिस तो इस मामले को सामान्य सड़क दुर्घटना मानकर ही चल रही थी। इस मामले में सीसीटीवी फुटेज की महत्ता एक बार फिर साफ हो गई है, जिसकी मदद से जज को न्याय मिलने की पूरी गुंजाइश है।

पुलिस को जल्द से जल्द पता लगाना चाहिए कि जज की मौत महज एक दुर्घटना है या फिर सोची-समझी साजिश के तहत उनकी हत्या की गई है। जज की मौत को राज्य सरकार ने अगर गंभीरता से लिया है, तो सच्चाई जल्द ही सामने आनी चाहिए। यह पुलिस के लिए भी नाक का मामला होना चाहिए, क्योंकि इस मामले में न्याय बिरादरी पूरी तरह मुस्तैद है। सुप्रीम कोर्ट तक में इसकी गूंज होने वाली है, पूरे देश में वकीलों में चिंता की लहर है। अगर ऐसे अपराधी मनमानी करेंगे, तो कोई न्याय की राह पर कैसे चलेगा? क्या अपराधियों के हिसाब से ही न्याय करने की नौबत आ जाएगी? यह सवाल फिर ताजा हो गया है कि क्या देश में अपराधीकरण में इजाफा हो रहा है? पूरा न्याय हो, यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी स्वयं न्यायपालिका के साथ ही कार्यपालिका और विधायिका की भी है। लोकतंत्र के स्तंभों को मिलकर न्याय सुनिश्चित करना चाहिए। अपराधियों का दुस्साहस अगर इतना बढ़ गया है, तो माकूल कार्रवाई से उन्हें जवाब मिलना चाहिए। यह समग्रता में भी हमारी व्यवस्था के लिए सोचने का मौका है कि क्या हम अपराधियों के प्रति जरूरत से ज्यादा नरमी नहीं दिखाते हैं? आरोपी ऑटो चालक पहले भी जेल जा चुके हैं, मतलब, जेल जाने के बाद भी अपराधी बाज नहीं आ रहे। ऐसे में, जमानत पर छूटे तमाम अपराधियों के प्रति संवेदना खत्म हो जाती है। अपराधियों को कतई समाज में खुला नहीं छोड़ना चाहिए। कानून की उदारता का फायदा आम आदमी को मिलना चाहिए, लेकिन अपराधी ही उदारता का फायदा उठाते हैं। उन्हें शायद कानून या न्याय बिरादरी की उदारता से ही उम्मीद होगी कि वे अपराध करके या एक जज को निशाना बनाकर भी बच जाएंगे। अब हमारे तंत्र की सार्थकता इसी में है कि वह अपराध या अपराधियों की बुनियाद को जड़ से उखाड़ फेंके।

अशोक बेदी

भीख मांगने की मजबूरी

सड़कों पर भिखारियों की लगातार बढ़ती संख्या पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार करते हुए कहा है कि कोईभी व्यक्ति खुशी से भीख नहीं मानता। वंचना ही उसे भीख मांगने पर मजबूर करती है। जस्टिस धनंजय चंद्रदूड़ अैर मुकेश कुमार शाह की बेंच ने कहा कि सर्वोच्च अदालत भिक्षा पर कुलीन दृष्टिकोण नहीं अपना सकती। सुप्रीम कोर्ट उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें भिखारियों को सड़क और सार्वजनिक स्थानों पर भीख मांगने से रोकने का अनुरोध किया गया। और मांग की गई कि भिखारियों का टीकाकरण और पुनर्वास किया जाए। इस मांग पर शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार से जवाब तलब किया है। बेशक, गरीबी असहाय कर देती है। अस्तित्व बचाए रखना तक दुष्कर हो जाता है। जयवंत दलवी के उपन्यास 'विसियस सर्किल ऑफ पावर्टी' में गरीब की लाचारी और उससे उपजी मजबूरी का बेहद सजीव चित्रण किया गया है। महात्मा गांधी ने कहा था कि किसी नेता या सरकार का पहला दायित्व है कि पंक्ति के आखिर में खड़े व्यक्ति का कष्ट दूर हो। आज आबादी का एक हिस्सा घोर गरीबी के दलदल में है। भीख तक मांगने को विवश है, तो यह बड़ी नाकामी है। आजादी के बाद से ही भारत में कल्याणकारी राज्य की अवधारणा पर काम किया जाने लगा था। एक के बाद एक सरकार ने गरीबी उन्मूलन को लक्ष्य बनाया। गरीबी के खात्मे के लिए गरीबी हटाओ, अंत्योदय आदि जैसे कार्यक्रम भी चलाए गए। लेकिन गरीबी का टापू बढ़ता ही गया और कोरोना महामारी ने तो इसे और भी बढ़ा दिया है। ऐसे में समाज के प्रबुद्धजन भिखारियों को नजरों से ही हटाना चाहेंगे तो घोर असंवेदनशीलता होगी। बजाय इसके आबादी का सशक्तिकरण हो। इससे व्यक्ति में आत्मसम्मान पैदा होता है। भीख मांगने की तो ऐसा व्यक्ति सोच भी नहीं सकता। बेशक, भीख मांगना मजबूरी है, लेकिन आदतन भी कुछलोग भिखारी होते हैं। कुछ राज्यों में कुछ वर्गों में तो भिक्षाटन तक की परंपरा रही हैग और भीख मांगने को ऐसे वर्ग हेय नहीं मानते। इन्हें समस्या के सामाजिक आयाम कहा जा सकता है। हमें भी भीख देकर पुण्य कमाने की सोच छोड़नी होगी। सामाजिक जागरूकता के साथ ही यह भी जरूरी है कि सरकार के गरीबी उन्मूलन के प्रयास रुकने न पाएं।

प्रवीण कुमार सिंह

जाति नहीं जाती

इस महीने देश के दो राज्यों में नेतृत्व परिवर्तन हुए। पहले पहाड़ी राज्य उत्तराखंड़ और अब दक्षिण के कर्नाटक में। संयोग है कि दोनों भाजपा शासित हैं। और दोनों नेतृत्व के बदलावों की सामाजिक पृष्ठभूमि भी एक है। इसके पीछे तर्क यह दिया गया कि बदलाव से समुदाय विशेष के मतदाता नाराज न हों। खैर, मूल बिंदु पर आते हैं। यह बदलाव भारतीय समाज की कटु सच्चाई जाति को रेखांकित करता है। यहां ध्यान देने वाली बात दक्षिण भारत में जातीय आग्रह को लेकर है। अमूमन यह माना जाता है कि उत्तर भारत में जातीय आग्रह दक्षिण के मुकाबले बहुत ज्यादा है, लेकिन कर्नाटक में हुआ परिवर्तन इस मिथक को तोड़ता है। जिस तरह एक समुदाय की कथित राजनीतिक नाराजगी को देखते हुए, उसी समुदाय से आने वाले नेता को राज्य की कमान सौंपी गई वो देश के सामाजिक यर्थाथ को दर्शाता है। बता दें कि कर्नाटक की कमान बीएस यदियुरप्पा की जगह बसवराज बोम्मई को दे दी गई है। दोनों ही राज्य के प्रभावशाली लिंगायत समुदाय से आते हैं। जिसकी आबादी राज्य में 17 फीसद मानी जाती है। और 100 के करीब सीटों को प्रभावित करने की राजनीतिक हैसियत रखते हैं। बता दें कि अपने को अलग धर्म के रूप में मान्यता दिलाने के लिए लिंगायत समुदाय का एक तबका पिछली सरकार में काफी सक्रिय था। उसकी सक्रियता राष्ट्रीय विमर्श बन गई थी। जाहिर है दोनों राज्यों में बदलाव भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी राजनीतिक संभावनाओं को बेहतर करने के लिए किए गए हैं। यह हर राजनीतिक पार्टी करती भी है। दरअसलग सारे घटनाक्रम ने इस सवाल की ओर एक बार फिर ध्यान खींचा है कि क्या सत्ता का नेतृत्व उन्हीं समुदायों को मिलेगा जो संख्याबल में भारी हैं? या इसे यूं भी कह सकते हैं कि क्या संख्याबल में प्रभावी कुछ जातीयों के बीच ही लोकतांत्रिक नेतृत्व की अदला-बदली होती रहेगी? ऐसा नहीं है कि संख्याबल में छोटी संख्या वाले वर्गों के हाथ में नेतृत्व नहीं गया है। लेकिन यह अपवाद है। कई बार ऐसा देखा गया है कि व्यक्ति की प्रतिभा के आगे सामाजिक संख्याबल भारी पड़ जाता है। राजनीतिक नेतृत्व को बड़े वर्ग के वोट का नुकसान उठाने का भय सताने लगता है। देश में तमाम बदलावों के वावजूद जातीय अस्मिता और उसके पहचान की राजनीति कमजोर नहीं पड़ी है। हाल में हुए केंद्रीय मंत्रिमंड़ल विस्तार में समाज के पिछड़े वर्ग को दी गई ऐतिहासिक भागीदारी चर्चा में रही। और बिहार जैसे राज्यों से जातिगत जनगणना की मांग भी जोर पकड़ रही है।

किस तरह खोले जाएं स्कूल

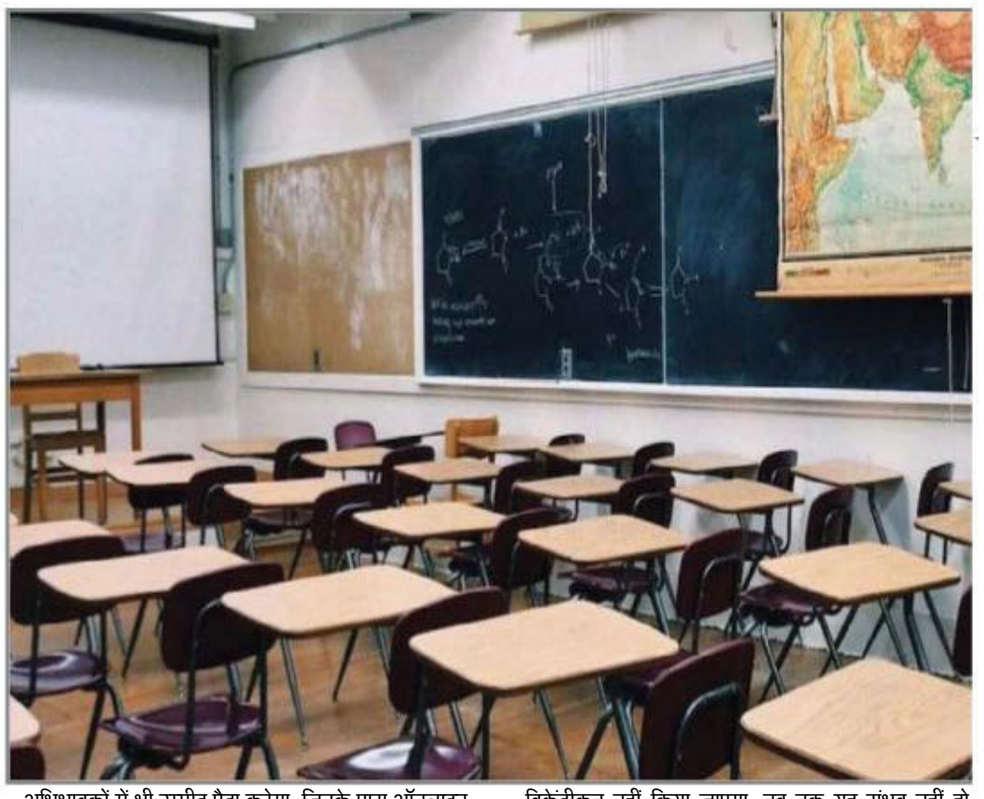

अब लगभग 17 महीने हो गए हैं और देश के अधिकांश हिस्सों में स्कूल बंद हैं। लंबे समय तक स्कूलों के बंद रहने से बच्चों को हो रहे मनोवैज्ञानिक, विकास संबंधी और शैक्षणिक नुकसान को अब हर घर महसूस कर रहा है। शोध-अनुसंधान तो इसके दीर्घकालिक असर पड़ने की मुनादी कर रहे हैं। फिर भी, स्कूलों को खोलने की नीतिगत कोशिश की कमी दिख रही है। बच्चों के भविष्य को देखते हुए विमर्श का मसला 'किस तरह स्कूलों को खोला जाए' होना चाहिए, न कि 'कब'। जब (कोरोना की दूसरी घातक लहर के बाद) हमारे नीति-निर्धारकों और कारोबारियों ने मॉल, जिम व फैक्टरियों को खोलने के तरीके खोज निकाले हैं, तब यह अक्षम्य है कि स्कूलों और बच्चों की अनदेखी की जाए।

स्कूलों को खोलना कोई मामूली बात नहीं है। छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और उनमें यह भरोसा पैदा किया जाना चाहिए कि सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा। ऐसा करने के लिए, स्कूल प्रबंधन व अभिभावकों को आपस में संवाद करना होगा। महामारी को लेकर अनिश्चितताएं कम नहीं हो रहीं, इसलिए स्कूलों को त्वरित और समय के अनुकूल खुद फैसले लेने के योग्य बनाना होगा। इसके लिए अभिनव नीतियों की दरकार होगी, जो स्थानीय स्तर पर फैसले लेने, जमीनी हकीकत को समझने और शिक्षा व्यवस्था को आकार देने वाली मौजूदा केंद्रीकृत सोच (हर जगह के लिए समान नीतियां) को बदल सकने में सक्षम हो। फिलहाल कम से कम तीन नीतिगत कदम उठाए जाने की जरूरत तो है।

पहला, हमें अभिभावक-शिक्षकों के जुड़ाव का लाभ उठाना होगा और स्कूल खोलने की प्रक्रिया से माता-पिता को शामिल करना होगा। शिक्षा के अधिकार के तहत अभिभावकों के नेतृत्व वाली स्कूल कमेटियों के गठन के बावजूद स्कूली व्यवस्था में अभिभावकों को शामिल करने और स्कूलों को उनके प्रति जवाबदेह बनाने में भारतीय शिक्षा नीति सफल नहीं हो सकी है। हालांकि, लंबे समय तक स्कूलों के बंद रहने और दूरस्थ शिक्षा पर जोर देने का एक अप्रत्याशित सुखद पहलू यह है कि स्कूल, शिक्षक और अभिभावक पहली बार बच्चों की पढ़ाई-लिखाई को लेकर लगातार संपर्क में हैं। 2020 की शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट (एएसईआर) सर्वे में भी पाया गया कि लगभग एक-तिहाई नामांकित छात्रों ने सर्वेक्षण के पूर्व सप्ताह में वाट्सएप या शिक्षकों के सीधे संपर्क द्वारा कुछ शिक्षण सामग्रियां प्राप्त की थीं। पंजाब और दिल्ली जैसे कुछ राज्यों ने तो अभिभावक-शिक्षकों की मीटिंग शुरू कर दी है। हिमाचल प्रदेश ने 'डोर-टु-डोर' अभियान शुरू किया है, ताकि शिक्षक छात्रों के घर जाने को उत्सुक हों। अभिभावक-शिक्षक रिश्ते को संस्थागत रूप देने और स्कूल खोलने की प्रक्रिया पर संवाद के लिए ऐसे प्रयास उल्लेखनीय हैं।

मगर ऐसा करने के लिए, केंद्र और राज्य सरकारों को इनोवेशन, यानी नवाचार को प्रोत्साहित करना होगा और स्थानीय प्रशासन के फैसले के मुताबिक स्कूल प्रबंधन को निर्णय लेने की आजादी देनी होगी। चूंकि दूसरी लहर अब कम हो गई है, इसलिए महीने भर का ऐसा राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जा सकता है, जिसमें माता-पिता हफ्ते में एक बार स्कूल में शिक्षकों से मिलें। इससे माता-पिता व शिक्षक स्कूल आएंगे और उनमें आत्मविश्वास पैदा होगा। यह उन बच्चों के अभिभावकों में भी उम्मीद पैदा करेगा, जिनके पास ऑनलाइन सुविधाएं नहीं हैं। सबसे महत्वपूर्ण यह कि स्कूल इसका उपयोग छात्रों की शैक्षणिक जरूरतों का आकलन करने और स्कूलों को फिर से खुलने पर एक नया शैक्षणिक माहौल बनाने के अवसर के रूप में कर सकते हैं। एक बार जब आपसी भेंट व्यवस्थित हो जाएगी, स्कूल प्रबंधन कोविड-19 प्रोटोकॉल तैयार कर सकेगा, जो यथार्थवादी होगी और स्कूलों के अपने संसाधन, अपनी क्षमता और स्थानीय वास्तविकताओं से मेल खाती होगी।

दूसरा कदम, नीति-निर्धारकों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि जमीनी हकीकत देखकर स्कूलों को खोलने (और बंद करने) का फैसला लिया जाए। इसीलिए यह निर्णय केंद्र के स्तर पर नहीं, बल्कि यथासंभव स्थानीय स्तर पर लिया जाए। कोविड-19 संक्रमण अभी आगे भी रहेगा। इसीलिए स्कूलों को तीन संभावित परिदृश्यों के लिए तैयार रहना होगा- सख्त लॉकडाउन, आंशिक गतिविधि (जिसमें शिक्षक स्कूल जा सकें, पर छात्र-छात्राओं के आने की मनाही हो) और सभी प्रतिबंधों में ढील व स्कूलों का फिर से खुलना। इन संभावनाओं के आलोक में स्कूल खुद को कैसे सुचारू बना पाएंगे, यह स्थानीय स्तर पर तय होना चाहिए। आखिर, भिन्न-भिन्न इलाकों में अलग-अलग समय पर मामले बढ़ते हैं। उचित प्रोटोकॉल तैयार करने, जिलों में समन्वय बनाने और संजीदा व अनवरत संचार के माध्यम से जनता का भरोसा तैयार करने में सरकारों (केंद्र और राज्य, दोनों) की अहम भूमिका है। मगर जब तक फैसले लेने की प्रक्रिया को विकेंद्रीकृत नहीं किया जाएगा, तब तक यह संभव नहीं हो सकेगा। तीसरा कदम, वास्तविक विकेंद्रीकरण के लिए स्कूल स्तर पर अधिक वित्तीय संसाधनों की जरूरत होगी। यह अधिक पैसों का मामला नहीं है, बल्कि यह तय करना है कि स्कूल अपनी जरूरत व प्राथमिकताओं के मुताबिक खुद खर्च कर सकें। अभी स्कूलों को बहुत ज्यादा खर्च करने की आजादी नहीं है। उनको सालाना अनुदान ही मिलता है। मगर यह राशि प्राथमिक विद्यालयों के बजट का महज तीन से चार प्रतिशत और माध्यमिक विद्यालयों का करीब एक फीसदी होती है, और इसका उपयोग केवल नियमित रख-रखाव के लिए किया जा सकता है। साफ है, फैसले लेने के मामले में स्कूलों को सशक्त बनाने के लिए उन्हें अधिक खर्च करने की आजादी देनी होगी। स्कूली कामकाज से स्थानीय प्रशासन को जोड़ने का अनूठा अवसर है। 15वें वित्त आयोग के अनुदान के मुताबिक, स्थानीय प्रशासन को स्वास्थ्य संबंधी अनुदान देना अनिवार्य है। स्कूलों में कोविड-19 प्रोटोकॉल लागू करने के लिए इस फंड का उपयोग हो, यह फैसला लेने के लिए स्थानीय प्रशासन को सक्षम बनाया जाना चाहिए। यदि सरकारी स्कूल आगे बढ़ते हैं, तो निजी स्कूलों के भी सुरक्षित रूप से खुलने का रास्ता बन जाएगा। भारत अब और अधिक समय तक स्कूलों को बंद रखने की कीमत नहीं चुका सकता। स्थानीय नवाचार और माता-पिता की सहभागिता से रास्ता तैयार हो सकता है। यह वक्त इस दिशा में आगे बढ़ने का है।

(सह-लेखिका रुक्मिणी बनर्जी)

> स्कूलों में कोविड-19 प्रोटोकॉल लागू करने के लिए इस फंड का उपयोग हो, यह फैसला लेने के लिए स्थानीय प्रशासन को सक्षम बनाया जाना चाहिए।

सफाईकर्मी के कलेक्टर बनने की आशा

एक तलाकशुदा स्त्री और दो बच्चों की परवरिश की जवाबदेही। छोटी उम्र में शादी के चलते सिर्फ इंटरमीडियट तक ही पढ़ पाई। सेना में अफसर बनने का जो सपना था उसे दफन करके ससुराल चली गई। लेकिन बड़े परिवार में जीवन सामान्य नहीं रहा। शादी के पांच साल उपरांत तलाक होने पर दो बच्चों के साथ मायके भेज दी गई। इन मुश्किल हालात में आशा और विश्वास का संकल्प लिये आशा कंडारा ने बीस साल बाद फिर से पढ़ाई शुरू की। पहले स्नातक किया और फिर अपने सपनों को परवाज दी। एक तलाकशुदा स्त्री का जीवन दकियानूसी समाज में कितना मुश्किल भरा है, यह आशा ने गहरे तक महसूस किया। उसने जातिवादी सोच के दंश भी झेले। लोगों ने ताने मारे— बड़ी कलेक्टर लगी है? तेरे घर वाले कलेक्टर हैं? ये ताने उसके संकल्प को और मजबूत कर गये। उसने इन तानों को प्रेरणा के तौर पर लिया।

दरअसल, आशा कंडारा ने मशहूर साहित्यकार टॉलस्टॉय के उस कथन को जीवन का अस्त्र बना लिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि धैर्य व समय के जरिये हर बड़ी लड़ाई जीती जा सकती है। उसने इन हथियारों को जीवन-युद्ध लड़ने का जरिया बना लिया। लोगों के तानों ने उसे प्रेरित किया कि वह बड़ी अधिकारी बनकर समाज के वंचितों के लिये काम करेगी। अनुसूचित जाति से आने वाली आशा अपने पिता को अपनी प्रेरणा बताती है, जिन्होंने शिक्षा के महत्व को दर्शाया और अपने जीवन का मकसद हासिल किया। आशा उन लोगों में शामिल नहीं रही जो अपनी मुश्किल समय के लिये किस्मत को दोष देते हैं, सिस्टम को कोसते हैं। सही मायनों में आशा ने पूरे देश की महिलाओं को आशा की नई किरण दिखायी है कि चूल्हे-चौके से बाहर भी बड़ी दुनिया है, जिसे संघर्ष व धैर्य से हासिल भी किया जा सकता है।

अपने बच्चों के भरण-पोषण के लिये जोधपुर में एक सफाईकर्मी का काम करने वाली आशा भारतीय बेटियों के लिये एक जीवंत मिसाल बन गई हैं। चालीस साल की उम्र में आशा राजस्थान प्रशासनिक सेवा के लिये चुनी गईं। उसने कड़ी मेहनत के बाद बेहद कठिन माने जाने वाली इस प्रशासनिक सेवा में 728वां रैंक हासिल किया है। उसकी कामयाबी कई मायनों में बेमिसाल है। हालांकि, कोरोना संकट के चलते परीक्षा का अंतिम परिणाम आने में करीब दो वर्ष का समय लगा, लेकिन आशा ने धैर्य नहीं खोया। आरएएस की प्रारंभिक परीक्षा देने के बाद उसे जोधपुर में सफाई कर्मचारी की नौकरी मिली। उसने मन लगाकर काम किया। आशा कहती है कि कोई काम छोटा-बड़ा नहीं होता। सुबह छह बजे सड़कों पर सफाई के लिये निकलना। ड्यूटी पूरी करके घर का काम करना, बच्चों की देखभाल करना और फिर आरएएस की परीक्षा की तैयारी करना। सही मायनों में कितना बड़ा संघर्ष था आशा का? समय कम पड़ता तो अपनी नींद में कटौती करती। काम पर भी जाती तो किताब लेकर जाती ताकि समय मिले तो कुछ पढ़ सके। दरअसल, जब बत्तीस साल की उम्र में तलाक हुआ तो वह दो बच्चों की मां थी। उसके बाद स्नातक स्तर की पढ़ाई पूरी की और आरएएस की तैयारी। उस पर तलाक लेने की वजह से रिश्तेदारों व रूढ़िवादी समाज के ताने। आशा ने इन तानों को ही अपना हथियार व प्रेरणा बनाया। वंचित समाज से आने के बावजूद पिता ने शिक्षा के महत्व को बताया और उसे पढ़ने को प्रेरित किया। पिता राजेंद्र कंडारा एफसीआई से लेखाकार के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। आशा कहती है कि मेरा लोगों से आग्रह है कि वे अपने बच्चों को पढ़ाएं, बिना पढ़ाई के कुछ भी हासिल नहीं होता।

वहीं समाज में जड़ें जमाने वाला जातिवाद भी कहीं न कहीं आशा को टीस देता रहा है। आशा कहती है कि समाज में ही नहीं, सरकारी तंत्र में जातिवाद गहरी पैठ बनाये हुए है। लेकिन इसके बावजूद उनका मानना है कि उच्च पद पर रहते हुए वह लोगों की भलाई के लिये हर हाल में कार्य करती रहेगी। युवाओं को आगे बढ़ने के लिये निरंतर प्रेरित करती रहेगी।

निस्संदेह, चुनौतियों को अपनी ताकत बना लेने वाली आशा अंततः अपनी उम्मीदों को उड़ान देने में सफल हुई है। उसने उलाहनों को अपनी प्रेरणा बना लिया, जो लोग उसे टोका करते थे यहां न बैठो, वहां न बैठो। तुम्हारा बाप कलेक्टर लगा है। तो उसने दुनिया को कलेक्टर बनकर दिखा दिया है। लेकिन अपनी सोच को हमेशा बड़ा रखा। चुनौतियों से हार नहीं मानी। आशा स्वयं कहती है कि कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता। हमारे जीवन का लक्ष्य बड़ा होना चाहिए। निस्संदेह, इतनी विषम परिस्थितियों में भी कठिन संघर्ष से एक महिला का अपना आसमां हासिल करना बड़ी बात है। आशा की यह कामयाबी उन तमाम महिलाओं के लिये प्रेरणादायक है जो कई तरह की त्रासदियों से गुजरते हुए भी हालात को अपनी किस्मत मानकर इसे चुपचाप सह रही हैं।

बेटियों के हौसलों को नमन

ओलंपिक खेलों में मीराबाई चानू ने भारोत्तोलन में रजत पदक जीतकर एक बार फिर बेटियों के महत्व को रेखांकित करते हुए पूरे भारत को गौरवान्वित किया है। प्रारंभ में चानू की जिंदगी काफी संघर्षपूर्ण रही। ओलंपिक में बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू, मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम और टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा ने भी अपने मुकाबले जीतकर पदक की आशा बढ़ा दी है। हरियाणा की प्रिया मलिक ने हंगरी के बुडापेस्ट में हुई विश्व कैडेट कुश्ती चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा है। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम अभी तक भी बेटियों को सम्मान देना नहीं सीख पाए हैं, लेकिन बेटियां इस सब से बेपरवाह हमें सम्मान देने में जुटी हुई हैं।

हालांकि अब बेटियों को लेकर समाज की सोच बदल रही है। परिवार बेटियों के लालन-पोषण और शिक्षा पर ध्यान जरूर दे रहे हैं, लेकिन समाज के सामूहिक मन में बेटियों को लेकर अजीब सी नकारात्मकता भी है। रियो डि जेनेरियो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली महिला पहलवान साक्षी मलिक के पिता ने कुछ समय पहले बताया था, 'जब मैं पहली बार अपनी बेटी को कुश्ती सिखाने के लिए अखाड़े में लेकर गया तो मुझे समाज के ताने सुनने पड़े थे।' समाज की यह नकारात्मकता लड़कियों के आत्मविश्वास को कम करती है। जो लड़कियां इस नकारात्मकता को चुनौती के रूप में लेती हैंग वे एक न एक दिन सफलता का परचम जरूर लहराती है। विडम्बना ही है कि शिक्षित होने के बावजूद हम अभी आत्मिक रूप से विकास नहीं कर पाए हैं। पितृसत्तात्मक समाज में लड़कियों को रोज नई-नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। समाज के एक छोटे से तबके में लड़कियों को पूर्ण छूट दी जाने लगी है, लेकिन यहां उनकी चुनौतियां अलग तरह की होती हैं। कुल मिलाकर पितृसत्तात्मक समाज लड़कियों के लिए अनेक तरह के अवरोध खड़े करता रहा है। अवरोधों के समर्थन में अलग तरह के तर्क गढ़ता है। जानते हुए भी कि इन तर्कों का कोई आधार नहीं हैग लेकिन इन तर्कों को नियमों की तरह लड़कियों पर लादता है। जब हम इन आधारहीन नियमों को सिर्फ लड़कियों पर लादते हैं, तो एक तरह से पितृसत्ता को पुनः प्रतिष्ठापित करते हैं।

इक्कीसवीं सदी में भी लड़कियों को आगे बढ़ने की कोशिश करने पर ताने सुनने पड़ें तो सोचना होगा कि हमारी प्रगतिशीलता में कहां कमी रह गई है ? भाषणबाजी से समाज में प्रगतिशीलता नहीं आती। इसके बहुत सी सड़ी-गली परंपराओं को दांव पर लगाना पड़ता है। डिग्रियां बटोर कर शिक्षित हो जाना ही समाज की प्रगतिशीलता का पैमाना नहीं है। शिक्षा ग्रहण कर समाज के हर वर्ग के उत्थान में उसका उपयोग करना ही सच्ची प्रगतिशीलता है। विचारणीय प्रश्न यह है कि क्या हम लड़कियों के संदर्भ में सच्चे अर्थों में प्रगतिशील हैं? क्या लड़कियों को पढ़ाना-लिखाना और आधुनिक परिधान पहनने की अनुमति देना ही प्रगतिशीलता है? दरअसल, हम प्रगतिशीलता के अर्थ का उपयोग सीमित संदर्भों में करते हैं। 21वीं सदी में भी हम लड़कियों की रक्षा नहीं कर सकते तो इससे ज्यादा शर्मनाक कुछ नहीं।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि खेलों में भी लड़कियों को अनेक स्तरों पर चुनौतियां झेलनी पड़ती हैं। छोटी उम्र में अनेक लड़कियों को समाज के डर से अपने शौक की कुर्बानी देनी पड़ती है। इसीलिए बहुत सारी महिला प्रतिभाएं जन्म ही नहीं ले पातीं। जो महिला प्रतिभाएं परिवार के प्रोत्साहन से खेलों की तरफ रुख करती हैं, उन्हें भी पापडट बेलने पड़ते हैं। कुछ समय पहले महिला खिलाड़ियों के शारीरिक शोषण की घटनाएं प्रकाश में आई थीं। प्रशिक्षण के दौरान और मैदान पर महिला खिलाड़ियों से छेड़छाड़ की घटनाएं आम हैं। ऐसी घटनाओं और वातावरण से कई परिवार अपनी बेटियों को खेल के क्षेत्र में भेजने से कतराने लगते हैं। रही सही कसर खेल जगत में पसरी राजनीति पूरी कर देती है। विडंबना यह है कि एक तरफ बेटियां खेलों में पसरी राजनीति से जूझती हैं, तो दूसरी तरफ समाज में पसरी राजनीति उनकी राह में कांटे बिछाए रखती है। फलस्वरूप बेटों और बेटियों में अनेक स्तरों पर अंतर सा बना रहता है। यह अंतर विद्यमान रहने के कारण ही उन्हें 'देह' भर माना जाता है। इस दौर में रेप की बढ़ती हुई घटनाएं और महिलाओं पर लगातार हमले इस बात का प्रमाण है कि हम समाज के रूप में पर्याप्त विकसित नहीं हो पाए हैं। इस तथ्य को गलत सिद्ध करने के लिए कहा जा सकता है कि सारा समाज ऐसा नहीं है। लेकिन वास्तविकता है कि हमारी सोच में खोट जरूर है। सुखद यह है कि ऐसे में भी लड़कियों के हौसले बुलंद हैं।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

प्रदेश के उत्तर-पूर्वी हिस्सों में अत्यधिक भारी बारिश का रेड अलर्ट

भोपाल, (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के लगातार आगे बढ़ने के कारण प्रदेश के उत्तर पूर्वी हिस्सों में अगले 24 घंटों के दौरान अत्यधिक भारी बारिश का 'रेड अलर्ट' जारी किया गया। इन दौरान सतना, गुना, श्योपुर, छतरपुर और टीकमगढ़ में 204.5 मिमी से अधिक वर्षा हो सकती है।

मौसम विज्ञान के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र झारखंड और बिहार में पहुंचने के बाद, इसकी दिशा में परिवर्तन हुआ है और अगले 24 घंटों के दौरान इसके उत्तर प्रदेश के दक्षिणी हिस्से में पहुंचने की संभावना है। इसके चलते उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे प्रदेश के अनेक स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है, लेकिन सतना, गुना, श्योपुर, छतरपुर और टीकमगढ़ जिलों में अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इसके अलावा शहडोल संभाग के जिलों में तथा रीवा, सीधी, सिंगरौली, पन्ना, दमोह, सागर, नीमच, मंदसौर, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड और मुरैना में भारी बारिश की संभावना है।

श्योपुर का बड़ौदा बना टापू, राजस्थान और शिवपुरी से संपर्क कटा

श्योपुर। जिला मुख्यालय से 21 किलोमीटर दूर तहसील मुख्यालय भयंकर बाढ़ के बीच टापू बन गया तथा बंजारा डेम समेत जिले भर में नदी-नालों में भयंकर उफान बना हुआ है, जिसके कारण श्योपुर जिला राजस्थान सहित शिवपुरी जिले से सम्पर्क कटने के साथ ही लॉक हो गया। तहसील मुख्यालय बड़ौदा भयंकर बारिश के कारण टापू बन गया है।

बड़ौदा कस्बे के मैन बाजार सहित हर-गली-मौहल्ले में बाढ़ का पानी है, जिसके कारण शनिवार को हाहाकार मचा रहा। हालात यह है कि बाढ़ का पानी घरों में घुस गया, जिसके कारण लोगों के प्राण अटके रहे और लोगों ने खटियाओं या छतों पर बैठकर समय निकाला। पानी घरों के अन्दर घुसने से भारी नुकसान हो गया। वहीं दूसरी और जिले के अगरा थाना क्षेत्र के ग्राम चकपारौन में जंगल में मवेशी चराने गया एक चरवाहा क्वारी नदी के तेज बहाव में बह गया, जिसका सुराग नहीं लग सका है। प्रदेश व जिले की सीमा क्षेत्र से होकर गुजरी पार्वती नदी के भयंकर उफान के कारण श्योपुर जिले का श्योपुर-कोटा व श्योपुर -बारां के रास्ते राजस्थान से सम्पर्क कट गया है। जिला मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 01 किला क्षेत्र, वार्ड क्रमांक 02 हरिजन बस्ती व गांधीनगर के करीब कमालखेड़ली क्षेत्र में पानी भर गया ।

निकासी न होने से पानी में डूबी 100 बीघा में लगी धान

ग्वालियर। बारिश के पानी की निकासी नहीं हो पाने के कारण भितरवार क्षेत्र के नयागांव का मौजा पूरी तरह जलमग्न हो गया। जिससे लगभग एक दर्जन से अधिक किसानों की 100 बीघा में लगी धान की फ़सल पानी में डूब गई। ऐसी स्थिति में धान की पौध के गलने का खतरा बढ़ गया है। बीते तीन रोज से लगातार हुई वर्षात के पानी का उतार नयागांव के कुछ किसानों के लिए मुसीबत बन गया है। ऊपरी हिस्से का खेतों में जमा हुए पानी की निकासी न होने से गांव के आधा किसानों की धान की फ़सल पानी में डूबी हुई है।

ट्रेन से कटकर 57 बकरियां समेत एक महिला की मौत, तीन घायल

मुरैना, (एजेंसी)। जिले के स्टेशन रोड़ थाना क्षेत्र में शनिवार को रेलवे ट्रेक पर बकरी बचाने गईं चार महिलाएं ट्रेन की चपेट में आ गईं, जिससे 57 बकरियां समेत एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक बच्ची सहित तीन महिलाएं घायल हो गईं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार ग्राम काशीपुर निवासी एक बच्ची सहित चार महिलाएं दोपहर बकरी चराने खेतों पर गईं थी। उसी दौरान बारिश शुरू हो गई और बकरी अचानक लालोर रेलवे फाटक के समीप रेलवे ट्रैक पर पहुंच गई और उसी समय महिलाओं को ट्रैक पर ट्रेन आते दिखाई दी, तो वे बकरियों को बचाने ट्रैक पर चली गईं और बच्ची सहित तीनों महिलाएं ट्रेन की चपेट में आ गईं, जिससे एक वृद्धा भूरी (65) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बच्ची सहित दो महिलाएं घायल हो गईं, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना में 57 बकरियों की भी मौत हुई है। रेलवे की राज्य पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

संक्षिप्त खबर

इंदौर: 1185 अल्प्राजोलम टेबलेट के साथ क्राइम ब्रांच ने किए चार आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। नशे के खिलाफ जंग अभियान के तहत शनिवार को क्राइम ब्रांच ने घेराबंदी कर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1185 अल्प्राजोलम टेबलेट जब्त की है। यह टेबलेट प्रतिबंधित है। पुलिस इन आरोपियों पर केस दर्ज करते हुए इन नशीली टेबलेट के अन्य सप्लायरों के बारे में पता कर रही है। क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली थी कि चार लोग अवैध रूप से मादक पदार्थ युक्त नशीली प्रतिबंधित गोलियां अल्प्राजोलम टेबलेट लेकर अयोध्यापुरी कॉलोनी में स्थित पीपल के पेड़ के नीचे खड़े हैं। ये टेबलेट बेचने की फिराक में है। टीम ने एमआईजी पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त कार्यवाही करते हुए स्पाट पर घेराबंदी की पुलिस को देखकर ये चारों वहां से भागने लगे तब पीछा कर इन्हें दबौच लिया गया। इनके नाम सरजील पिता परवेज अंसारी ,श्रीनगर कांकड़, शाहनवाज पिता अकरम अली,श्रीनगर कांकड ,मोहम्मद इमरान पिता मोहम्मद शफीक, चंदू वाला रोड चंदन नगर एवं शाहरुख खान पिता अब्दुल गफ्फार खान, ग्रीन पार्क कॉलोनी बताए गए हैं। इनकी तलाशी लेने पर इनके पास से 1185 अल्प्राजोलम टेबलेट मिलीं।

बड़वानी: दहेज के लिए शादी से इंकार प्रधान आरक्षक पर मामला दर्ज

बड़वानी। कोतवाली पुलिस ने 20 वर्षीय युवती की शिकायत पर कथित तौर पर ऐन वक्त पर दहेज में कार की मांग को लेकर शादी के लिए इंकार करने के आरोप में इंदौर में पदस्थ प्रधान आरक्षक और उसके माता-पिता के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया है। बड़वानी के नगर निरीक्षक राजेश यादव ने बताया कि स्थानीय 20 वर्षीय युवती की शिकायत पर कल देर रात्रि उज्जैन निवासी आदित्य झरवड़े, उसके पिता दिलीप और माता लीना बाई के विरुद्ध दहेज प्रतिषेध अधिनियम तथा अन्य धाराओं के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि आदित्य एसपी/ जीआरपी इंदौर कार्यालय के सीसीटीवी कंट्रोल रूम में पदस्थ है। शिकायत के मुताबिक 31 जुलाई को दोनों की शादी होनी थी, लेकिन कल आदित्य ने उसकी होने वाली पत्नी से दहेज की तैयारियों के संबंध में पूछा। उसने सोने की चैन और कार नहीं खरीदने पर आपत्ति उठाई। युवती ने अपने माता पिता की साधारण हैसियत के चलते उसकी मांग पूरी करने में असमर्थता जताई। इस पर आदित्य ने एसएमएस तथा फोन के जरिए शादी के लिए मना कर दिया।

इंदौर: नातिन से अश्लील हरकत कर रहे 78 साल के बुजुर्ग को पुलिस ने पकड़ा

इंदौर। राजेंद्रनगर थाना क्षेत्र में सात साल की बच्ची से 78 साल के बुजुर्ग शंकर सौतेला नाना अश्लील हरकत करता रहा। सौतेली मां को जब बच्ची ने यह बात बताई तो उसने उसे चुप करा दिया। इस पर बच्ची ने पड़ोस की महिला को बताया, जिसने राज से पर्दा उठाया। पुलिस ने सौतेले नाना और जुर्म छुपाने के आरोप में बच्ची की मां को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि बच्ची के पिता ने दो शादियां की थीं। पीड़िता पहली पत्नी की संतान है। टीआई अमृता सोलंकी के अनुसार आरोपी शिव सिटी का 78 वर्षीय बुजुर्ग है। जो कि बच्ची का सौतेला नाना लगता है। वह कई महीनों से बच्ची को अश्लील फिल्में दिखाकर हरकत कर रहा था। लॉकडाउन में पिता के घर पर रहने के चलते हरकतें बंद थी। अब फिर से उसने हरकत शुरू कर दी। मासूम ने पहले इस बात की शिकायत सौतेली मां से की लेकिन उसने बच्ची को इस बारे में किसी को नहीं बताने के लिए कहा। जब मासूम परेशान हुई तो उसने यह बात पड़ोस की महिला को बताई। महिला ने बच्ची की दादी को जानकारी दी। फिर मामला पुलिस के पास पहुंचा। पुलिस ने आरोपी बुजुर्ग और उसकी मां को गिरफ्तार किया है।

छिंदवाड़ा: ग्रामीण के घर से वन विभाग ने किए बाघ की खाल और पंजे बरामद

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा के पांढुर्णा तहसील के ग्राम बिछुआ साहनी ग्राम में शनिवार की सुबह एक ग्रामीण के घर से बाघ की खाल और चार पंजे महाराष्ट्र वन विभाग की टीम ने बरामद कर लिए हैं। वन विभाग के अनुसार महाराष्ट्र के समीपवर्ती जिले नागपुर के अंतर्गत सावनेर के वन विभाग की टीम ने सुबह पांढुर्णा के ग्राम बिछुआ साहनी के मोतीलाल सल्लामे के गाय बांधने वाले कमरे से बाघ की खाल और बाघ के चार पंजे जब्त किए। मोतीलाल सल्लामे विगत कुछ दिनों से नागपुर के बूटी बोरी इलाके में बाघ की खाल बेचने के लिए आना-जाना कर रहा था। वन विभाग की टीम ने उसे गिरफ्तार कर तीन अगस्त तक रिमांड लिया है। वन विभाग की टीम आरोपी से पता करने की कोशिश कर रही है कि उसने बाघ का शिकार नागपुर (महाराष्ट्र) के वनांचल में किया था कि मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में किया है।

रायपुर: नवा छत्तीसगढ़ के निर्माण में होगी युवाओं की अहम भूमिका: भूपेश

रायपुर। छग के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि नवा छत्तीसगढ़ के निर्माण में प्रदेश के युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। श्री बघेल शनिवार को यहां अपने निवास कार्यालय से छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के नवनियुक्त पदाधिकारियों के पदभार ग्रहण कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवाओं को शिक्षा और रोजगार की बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्य सरकार का यह प्रयास है। युवाओं को सकारात्मक वातावरण मिले जिससे उनकी रचनात्मक शक्ति का उपयोग प्रदेश और देश के विकास में किया जा सके। इस कार्यक्रम में छग युवा आयोग के अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार, सदस्य उत्तम वासुदेव और अजय सिंह ने पदभार ग्रहण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खेल एवं युवा कल्याण मंत्री उमेश पटेल ने की। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति के बल पर नवा छग के निर्माण का सपना देखा है। युवा प्रतिभाओं को तराशना उन्हें उपयुक्त मंच प्रदान करना हम सबकी जिम्मेदारी है। राज्य सरकार की प्राथमिकता में युवाओं के चरित्र का निर्माण भी शामिल हैं।

नकली रायल स्टेग मामले में जिला प्रशासन आया हरकत में, पांच पर रासुका तय

जहर खाकर सरेंडर करने गए जहरीली शराब सप्लायर की मौत

परिजनों ने पुलिस पर लगाए मारपीट करने के आरोप

भोपाल (एजेंसी)।

बार में नकली रायल स्टेग सप्लाय करने वाले प्रमुख आरोपी राहुल उर्फ बंटी की संदिग्ध मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने उसके साथ मारपीट की थी और पुलिस का कहना है कि थाने पर आने से पहले ही उसने जहर खा लिया था। बता दें कि विदुर नगर निवासी राहुल तायड़े उर्फबंटी देर रात द्वारकापुरी थाने पर सरेंडर करने पहुंचा था। सुबह उसकी अचानक मौत हो गई। उसके परिजनों ने आरोप लगाया है कि पुलिस की मारपीट से उसकी मौत हुई है। दूसरी ओर पुलिस का कहना है कि बंटी थाने के बाहर ही था और उसे उल्टियां होने लगीं। वह कहीं से जहर खाकर आया था। उसे अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसकी मौत हो गई।

वहीं इंदौर में जहरीली शराब पीने से हुई पांच लोगों की मौत के मामले में एक्साइज विभाग व पुलिस के बाद जिला प्रशासन भी हरकत में आ गया है। कलेक्टर मनीषसिंह ने माना कि मामला बहुत गंभीर है। शहर में किसी भी हालत में अवैध शराब का गोरखधंधा नहीं होने देंगे। नकली एवं घातक शराब बेचने वालों पर रासुका की कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी शराब में मिलावट के मामले में एक्साइज व पुलिस की जांच में जो फैक्ट सामने आए हैं वे बहुत गंभीर हैं।

बार में नकली शराब पिलाने वाले दो संचालक गिरफ्तार

मृतकों की विसरा रिपोर्ट में ईथाइल अल्कोहल व मिथाइल अल्कोहल पाए जाने से संदेह से परे यह प्रमाणित पाया गया कि पेराडाईज बार तथा सपना बार के संचालक द्वारा नकली शराब उक्त मृतकों को पिलाई गई, जिसके कारण ही उनकी मौत हुई। अनुसंधान के दौरान दोनों बार संचालक को गिरफ्तार किया गया तथा दोनों ने पूछताछ में बताया कि वह अपने अन्य साथी प्रवीण यादव एवं पंकज सूर्यवंशी से सस्ते दाम पर नकली शराब खरीदते थे। अभी तक आरोपी योगेश उर्फ योगी यादव, विकास बरेडिया, प्रवीण यादव, पंकज सूर्यवंशी को गिरफ्तार कर लिया गया। नकली शराब बेचने के आरोप में गिरफ्तार इन पांचों आरोपी पर रासुका की कार्रवाई भी की जा रही है।

दो थानों की पुलिस ने पकड़े नकली शराब के तस्कर

मनीष रिझवानी निवासी साधु वासवानी नगर ने शुक्रवार को थाना जूनी इंदौर पर रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उसके भाई ने बंटी सुधवानी निवासी पंचशील नगर से एक बॉटल अंग्रेजी शराब रॉयल स्टैग की खरीदी थी, जिसे पीने के बाद उसके भाई तरुण का स्वास्थ्य खराब होने लगा और आँखों से दिखाई नहीं दे रहा है। बंटी ने उसके भाई को जहरीली शराब बेची है। जहरीली शराब के बारे में सूचना मिलने के बाद जूनी और भंवरकुआ की पुलिस टीम द्वारा आरोपी बंटी सुधवानी की तलाश कर उसे पकड़ा तथा बंटी की निशानदेही पर उसके दो अन्य साथी सोनू एवं नवीन रमानी को नकली रॉयल स्टैग शराब के साथ पकड़ा। बंटी ने पूछताछ पर जिमी असरानी कॉलोनी जूनी इंदौर तथा मनीष सुखवानी निवासी बुरहानपुर से नकली शराब खरीदकर, नवीन व सोनू के साथ मिलकर इंदौर में बेचना बताया।

अवैध शराब निर्माताओं ने पुलिस टीम पर गुलेल से हमला

ग्वालियर/भितरवार। शनिवार को केरुआ,गोलपुरा और चक मियांपुर में अवैध शराब निर्माताओं ने उग्रता कार्रवाई करने पहुंचे दल पर सामूहिक रूप गुलेल से हमला कर पुलिस बल को वापस लौटाने का प्रयास किया, लेकिन स्वयं के प्रयास असफल होते देख पुलिस पार्टी पर हमला करने वाले मौके से भाग खड़े हुए। इसके बाद पुलिस ने इनके डेरों से मौके पर मिली 100 ड्रम कच्ची शराब जप्त कर 20 हजार लीटर गुड़ लहान नष्ट किया। थाना प्रभारी पंकज त्यागी के निर्देशन में स्थानीय पुलिस की एक टीम केरुआ,गोलपुरा और चक मियांपुर कंजरों के डेरों पर पहुँचीं। जहां टीम को आती देख शराब बनाने कंजर समुदाय के लोग भड़क गए।

देवास में अवैध मदिरा के अड्डों पर छापा, आठ लाख की सामग्री जब्त

देवास। आबकारी विभाग द्वारा टोंक खुर्द के टोंककला कंजर डेरा व टप्पा चिड़ावद कंजर डेरे में विधिवत दबिश दी गई दबिश के दौरान भारी मात्रा में लाहन और हाथ भट्टी मदिरा जप्त की गई। साथ ही 13 प्रकरण कायम किए उक्त प्रकरण में 130 लीटर हाथ भट्टी मदिरा व 11700 किलो महुआ लाहन जप्त किया। मदिरा व लाहन का बाजार मूल्य 7 लाख 28 हजार रुपए है। लाहन को विधिवत मौके पर नष्ट किया। इसी प्रकार वृत्त बागली के ग्राम गुराडीया,कीर्तन खेड़ी,मातमोर, शिवपुर, पटेल ढाबा एवं धन तालाब के पास इंदौर-कन्नौद हाईवे पर कार्रवाई की गई। कार्यवाही में कुल 25 पाव प्लेन देशी मदिरा ,एक मोटर साईकिल हीरो डीलक्स, 40 लीटर अवैध हाथभट्टी मदिरा एवं 140 किलो ग्राम महुआ लाहान जप्त कर नष्ट किया गया।

दिव्यांगजनों को सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य: मुख्यमंत्री

सीएम ने वीसी के जरिए छिंदवाड़ा के कार्यक्रम को किया संबोधित

भोपाल एजेंसी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हमारा लक्ष्य दिव्यांगजन को वे सारी सुविधाएं उपलब्ध कराना है, जो एक सामान्य जीवन जीने के लिए आवश्यक हैं। मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिव्यांजनों के प्रति मानवीय संवेदना को नमन करता हूं, जिन्होंने विकलांगता को दिव्यांगता में बदलकर लोगों की सोच को ही बदल दिया।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को निवास से वीसी के माध्यम से छिंदवाड़ा जिले के 4,146 दिव्यांगजन को सहायक उपकरण वितरित किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने की। कार्यक्रम में भारत सरकार की एडिप योजना के तहत आयोजित इस ऑनलाइन कार्यक्रम में दिव्यांगजन को आवश्यकता अनुसार मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, सरवाइकल कॉलर ट्राईसिकिल, व्हील चेयर, सीपी चेयर, क्रच एक्सिला, वॉकिंग स्टिक, रोलेटर, एनएसआई किट, वीटीई डिजिटल टाईप हियरिंग, ब्रेल केन फोल्डिंग, एडीएल किट, सेल फोन, स्मार्ट केन, स्मार्ट फोन, डेजी फ्लेयर जैसे 7,368 उपकरण वितरित किए गए।

सिंगाजी ताप परियोजना की 660 मेगावाट क्षमता की इकाई से पुन: उत्पादन शुरू

जबलपुर, (एजेंसी)। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी की श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना 660 मेगावाट क्षमता की सुपर क्रिटिकल इकाई क्रमांक तीन को शनिवार प्रातः सिस्टम के साथ पुनः सफलतापूर्वक सिक्रोंनाइज कर दिया गया। यह इकाई गत वर्ष अगस्त में टरबाइन ब्लेटड में आई खराबी के कारण बंद कर दी गई थी। मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी प्रबंधन ने इकाई को सफलतापूर्वक सिक्रोंनाइज करने के लिए श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना के अभियंताओं व कार्मिकों को बधाई दी है।

श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना की चारों इकाइयों से वर्तमान में सतत् विद्युत उत्पादन हो रहा है। जिससे प्रदेश में आवश्यक विद्युत आपूर्ति की जा रही है। उल्लेखनीय है कि इकाई क्रमांक तीन के एचआईपी टरबाइन में अगस्त 2020 में पीजी टेस्ट की तैयारी के समय टरबाइन बिअरिंग्स में अत्यधिक वाइब्रेशन की समस्या आई थी। मूल निर्माता कंपनी एवं पावर जनरेटिंग कंपनी द्वारा लिए गए निर्णयानुसार इसके एचआईपी टरबाइन को खोलकर उसका विस्तृत निरीक्षण किया गया था। विस्तृरत निरीक्षण के दौरान जानकारी मिली कि इकाई के टरबाइन की कुछ ब्लैड्स टूट गई थीं।

नवजात की सिर से भी बड़ी गठान निकाली

इंदौर। एमवायएच अस्पताल में शनिवार को एक नवजात के सिर से भी बढ़ी गठान को पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग में सफल आपरेशन कर निकाला गया। यह गठान मस्तिष्क से जुड़ी थी। ऑपरेशन में विशेष सावधानी बरती गई। 23 जुलाई को शाजापुर की 23 वर्षीय पूजा खजुरिया ने उज्जैन के पुष्प मिशन अस्पताल में सीजर के बाद बालक को जन्म दिया था।उज्जैन से नवजात को एमवायएच रैफर किया था।

डॉ. ब्रजेश लाहोटी के मुताबिक नवजात के सिर की गठान में मस्तिष्क का कुछ हिस्सा भी बाहर आ गया था जो कि उपयोग के लायक नहीं था। हिस्से को निकाला है। नवजात के मानसिक विकास पर कोई असर नहीं होगा। तीन दिन तक नवजात को एनआईसीयू में रखा गया। इस टीम में डा. ब्रजेश लाहोटी, डा. शशिशंकर शर्मा, डा. अशोक लड्ढा, डा पूजा तिवारी, डा राममोहन

शुक्ला की टीम द्वारा सर्जरी की गई। एमवायएच में नवजात को तुरंत पीडियाट्रिक विभाग में जांच के बाद नवजात को विभाग के तीसरी मंजिल स्थित वार्ड नं. 15 में भर्ती किया गया और जांच के बाद आपरेशन का निर्णय लिया गया। शाजापुर निवासी 23 वर्षीय पूजा खजुरिया ने उ जज्जैन के पुष्प मिशन अस्पताल में सीजर के बाद इस बालक को जन्म दिया था।

12वीं शताब्दी की अखंडित विष्णु प्रतिमा मिली

बड़वानी। राजपुर अनुविभाग के दवाना में एक मकान के नींव की खुदाई के दौरान भगवान विष्णु की 12वीं शताब्दी की दुर्लभ अखण्डित प्रतिमा मिली है। राजपुर के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वीएस चौहान ने शनिवार को बताया कि दवाना कस्बे में शुक्रवार की शाम एक मकान निर्माण के लिए नींव की खुदाई के दौरान 5 फीट गहराई पर एक प्रतिमा मिली है। फिलहाल यह समीप के शिवालय में रख दी गई है।

उन्होंने कहा कि पुरातत्व विभाग को सूचित किया जा रहा है। पुरातत्व विभाग इंदौर के पुरातत्वविद डॉक्टर डीपी पांडे ने बताया कि यह भगवान विष्णु की 12वीं शताब्दी में निर्मित परमार कालीन समभंग प्रतिमा है। उन्होंने बताया कि इसके दाहिने तरफ ललितासन में शिव तथा बाई तरफ ब्रमा है तथा विष्णु का वाहन गरुड़ भी उत्कीर्णित है। दोनों तरफ चँवरधारी नायिकाएं, शंख, गदा, पदम तथा अन्य प्रतीक चिन्ह भी हैं।

हनीट्रैप मामले में मुख्य आरोपी श्वेता विजय जैन की याचिका खारिज

कोर्ट ने कहा: केस ह्यूमन ट्रैफिकिंग का और महिलाओं की छवि धूमिल करने वाला है

जबलपुर। मप्र उच्च न्यायालय ने हनीट्रैप मामले की मुख्य आरोपी श्वेता विजय जैन की जमानत याचिका को सुनवाई के बाद खारिज कर दिया। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अंजली पालो ने शुक्रवार को जमानत याचिका को खारिज कर दिया। एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि प्रकरण गंभीर हयूमन ट्रैफिकिंग का है और महिलाओं की छवि धूमिल करने वाला है।

इंदौर जेल में निरूद्ध श्वेता विजय जैन ने दायर याचिका में कहा कि प्रकरण में सहआरोपी मोनिका यादव के पिता की शिकायत पर सीआईडी भोपाल ने उसके सहित अन्य के खिलाफ केई धाराओं में केस दर्ज किया था। इस अपराधिक प्रकरण में उसे 4 नवम्बर 2019 को गिरफ्तार किया, तभी से वह न्यायिक अभिरक्षा में है। उसकी उम्र 42 साल है और इंदौर के पलासिया थाने में दर्ज अपराधिक केस में उसके तथा सहआरोपियों को जमानत का लाभ मिला है। याचिका में कहा कि जिला न्यायालय में शिकायत कर्ता बयान से मुकरा और उसे पहचाना तक नहीं था।

पुलिस ने बेटी को छोड़ने का प्रलोभन देकर उसके हस्ताक्षर लिए थे। एकलपीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि प्रकरण की मुख्य गवाह मोनिका यादव ने कोर्ट में दिए बयान में आरोपियों पर हयूमन टैफिरिंग के आरोप लगाए हैं। एकलपीठ ने तल्ख टिप्पणी के साथ याचिका को खारिज कर दिया है।

प्रोत्साहन नई दिल्ली में वर्ष 2018-19 के लिए देशभर के कुल सात युवाओं का होगा सम्मान

राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से सम्मानित होंगे मप्र के शुभम

भोपाल (एजेंसी)।

भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय युवा पुरस्कारों की घोषणा की गई है। जिसमें वर्ष 2018 -19 के लिए यह पुरस्कार मध्यप्रदेश के शुभम चौहान का चयन किया गया है। शुभम को यह पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर विज्ञान भवन नई दिल्ली में आयोजित समारोह में प्रदान किया जाएगा। शुभम चौहान को यह पुरस्कार उनके द्वारा युवाओं के हित में किए गए उल्लेखनिय कार्य के लिए दिया जा रहा है।

भोपाल के ग्राम तामोट से निकलकर शुभम चौहान ने नेहरू युवा केंद्र व एनएसएस के माध्यम से राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर समाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित अनेकों युवा गतिविधियों में प्रदेश का नेतृत्व किया। इसक साथ ही समुदायिक गतिविधियों में विगत आठ वर्षों से निस्वार्थ भावना से सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। शुभम ने अपनी पढ़ाई बेनजीर एवं हमीदिया कॉलेज से की, वर्तमान में बरकतउल्ला विवि के पीएचडी शोधार्थी है।

विज्ञान भवन में आयोजित होगा पुरस्कार समारोह

देशभर के कुल सात युवाओं को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर विज्ञान भवन नई दिल्ली में आयोजित समारोह में पुरस्कार दिए जाएंगे। यह पुरस्कार प्रतिवर्ष युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा, कला और साहित्य, पर्यटन, खेल और अकादमिक उत्कृष्टता सहित राष्ट्रीय विकास और समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली युवाओं को प्रतिवर्ष दिया जाता है।

प्रधानमंत्री के एक भारत-श्रेष्ठ भारत अभियान को बढ़ा रहे आगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा युवाओं को नव भारत के निर्माण में जोड़ने के लिए चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रम जैसे एक भारत-श्रेष्ठ भारत अभियान सहित अनेक गतिविधियों में भागीदारी करते हुए शुभम चौहान ने जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किए। भारत सरकार की पहल पर आयोजित राष्ट्रीय युवा संसद में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए वक्ता के तौर पर सहभागिता की। शुभम राष्ट्रीय युवा संसद में बात रखने वाले मध्यप्रदेश के पहले युवा भी हैं। उन्होंने राज्य स्तरीय युवा संसद में प्रथम स्थान प्राप्त किया। एक भारत श्रेष्ठ भारत एवं स्वच्छता गतिविधियों में सक्रिय भूमिका के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी सम्मानित किया। वे नगरनिगम भोपाल द्वारा स्वच्छता चैंपियन के रूप में भी सम्मानित किए जा चुके हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से समाज में उत्कृष्ट कार्यों के लिए राज्य स्तरीय राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार से वर्ष 2018 में उच्च शिक्षा विभाग मप्र शासन ने सम्मानित किया। एनएसएस एवं एनवाईके द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर, राष्ट्रीय युवा महोत्सव, मां तुझे प्रणाम, एक भारत- श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम अंतर्गत मणिपुर, नगालैंड, सिक्किम, कर्नाटक सहित जम्मू-कश्मीर में मप्र का नेतृत्व किया।

कटनी में अपहरण के बाद प्रॉपर्टी डीलर की हत्या

कटनी। एनकेजे थाना अंतर्गत तिलक कॉलेज रोड निवासी 57 वर्षीय प्रॉपर्टी डीलर धीरेंद्र पांडेय की अपहरण के बाद निर्मम हत्या करने का मामला आया है। गुरुवार की शाम घर से निकले प्रॉपर्टी डीलर की स्विफ्ट कार माधवनगर थाना अंतर्गत अमकुही की पहाड़ियों में जली मिली तो उनकी खून से लथपथ लाश विजयराघवगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम चपना के हरदुआ हार से बरामद की गई है। आरोपियों ने पुलिस को गुमराह करने के लिए प्रॉपर्टी डीलर की हत्या कहीं और की और लाश को कहीं और ले जाकर फेंका तथा कार कहीं और जलाई। बहरहाल मामले में विजयराघवगढ़ पुलिस ने अज्ञात आरोपियों पर केस दर्ज करते हुए उनकी तलाश शुरू कर दी है। विजयराघवगढ़ पुलिस के मुताबिक मृतक के गले सीने और पेट में धारदार हथियार से वार कर उसे मौत के घाट उतारा गया है। पुलिस के साथ ही मौके पर एफएसएल टीम भी पहुंची और साक्ष्य जुटाए। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

इस संबंध में पुलिस अधीक्षक मंयक अवस्थी ने कहा कि हत्या के मामले में गंभीरता से जांच की जा रही है। संदेहियों से भी पूछताछ की जा रही है। हत्या किन वजहों से हुई है और किसने की है इसका शीघ्र खुलासा किया जाएगा।

प्रदेश में शनिवार को हुए टीकाकरण के आंकड़े

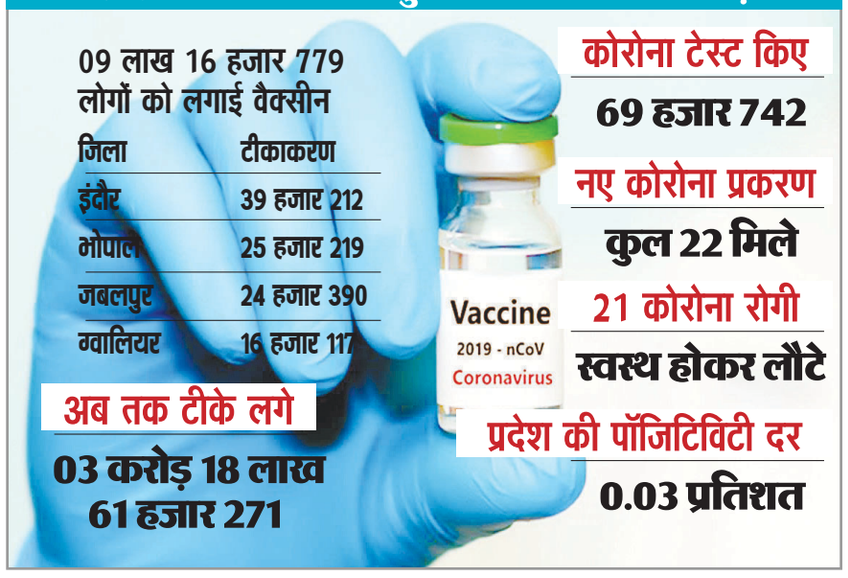

09 लाख 16 हजार 779 लोगों को लगाई वैक्सीन

जिला	टीकाकरण
इंदौर	39 हजार 212
भोपाल	25 हजार 219
जबलपुर	24 हजार 390
ग्वालियर	16 हजार 117

अब तक टीके लगे
03 करोड़ 18 लाख 61 हजार 271

कोरोना टेस्ट किए
69 हजार 742

नए कोरोना प्रकरण
कुल 22 मिले

21 कोरोना रोगी
स्वस्थ होकर लौटे

प्रदेश की पॉजिटिविटी दर
0.03 प्रतिशत

9वीं और 10वीं की कक्षाएं भी सप्ताह में दो दिन लगेंगी

पांच अगस्त से शुरू होंगी क्लास

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि विद्यार्थियों के लिए अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य, दोनों ही हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रदेश में कोरोना संक्रमण को देखते हुए धीरे-धीरे हमने कक्षाएं प्रारंभ की हैं।

नवीं एवं दसवीं की कक्षाएं भी पांच अगस्त से प्रारंभ की जा रही हैं। अभी ये कक्षाएं सप्ताह में दो-दो दिन ही लगेंगी। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में स्कूल, कॉलेज तो बंद थे, परंतु शिक्षण कार्य निरंतर चलता रहा। फिर चाहे वो ऑनलाइन क्लासेस हों अथवा टीवी कार्यक्रम, रेडियो, वाट्सएप ग्रुप आदि के माध्यम से हों। इसमें अभिभावक और शिक्षकों ने भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।मुख्यमंत्री चौहान ने शनिवार को विद्यार्थी संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री निवास से विद्यार्थी, शिक्षक एवं अभिभावकों से वर्चुअल चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। उन्होंने छात्रों को अपने लक्ष्य को अर्जुन की तरह सुनिश्चित करने के लिए

विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों से वर्चुअल संवाद करते हुए सीएम ने कहा

कहा। चौहान ने कहा कि इस चुनौतीपूर्ण समय में को-एजुकेटर के रूप में अभिभावकों की भूमिका और अधिक बढ़ जाती है। आप लोग परिवार में पढ़ाई के लिए अनुकूल माहौल बनाएं और हमारा घर -हमारा विद्यालय की परिकल्पना को साकार करें। अभिभावक शिक्षकों से जीवंत संपर्क बनाए रखें और बच्चों को पढ़ाई के साथ खेलकूद, व्यायाम, प्राणायाम आदि फि जिकल एक्टिविटी भी कराते रहें।

मुख्यमंत्री बोले, मेरे दोनों बेटों को जन्म के बाद मैंने गायत्री मंत्र सुनाया था

मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के पहले शिक्षक माता-पिता ही होते हैं। आप उन्हें कैसे संस्कार देते हैं, यह बच्चों का भविष्य तय करता है। मुझे याद है कि मेरे दोनों बेटों के जन्म के बाद मैंने उनके कान में सबसे पहले गायत्री मंत्र सुनाया था। आज भी मैं उन्हें धार्मिक ग्रंथों के अध्ययन के लिए प्रेरित करता रहता हूं। सीएम चौहान ने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत नवंबर में एनएएस राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें मप्र राज्य को टॉप 10 में लाने का लक्ष्य रखें। नई शिक्षा नीति में व्यावसायिक शिक्षा पर अधिक जोर दिया गया है। विद्यार्थियों को विश्व स्तरीय और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए कल्चर ऑफएक्सीलेंस विकसित करने और फ्यूचर जॉब्स के लिए तैयार करने की दृष्टि से प्रदेश में सीएम राइज स्कूल खोले जाएंगे। मुख्यमंत्री ने गुजरा जमाना बचपन का, पंक्तियां गाते हुए कहा कि मुझे आज भी अपने बचपन के दोस्त, अपने टीचर, शैतानियां और खान-पान सब याद आता है। हम भी स्कूल में बेर, कबीट आदि खाया करते थे। आज आप लोग पिज्जा, बर्गर, कोल्ड ड्रिंक जैसे जंक फूड ज्यादा खा रहे हैं, जो सेहत के लिए नुकसानदायक हैं। आप ये खायें, परंतु कभी कभी।

मामला पुलिसकर्मियों का, गृह विभाग ने प्रस्ताव मंजूरी के लिए वित्त विभाग को भेजा

पोषण आहार भत्ता बढ़ने का इंतजार महेरबान कब होगी राज्य सरकार

650 रुपए प्रतिमाह से 10 हजार रुपए प्रतिमाह करने का है प्रस्ताव

भोपाल (एजेंसी)।

प्रदेश को वैसे तो शांति का टापू कहा जाता है, लेकिन जब अपराध की बात आती है तो फिर कई मामलों में यह राष्ट्रीय औसत की बराबरी करता है या फिर कई मामलों में मप्र देश के दूसरे राज्यों से आगे भी निकलता दिखाई देता है। विशेष रूप से महिलाओं से जुड़े अपराध, बलात्कार और बच्चियों के गुम होने के मामले में मप्र कई राज्यों से आगे है। जाहिर है कि जब अपराध होंगे तो फिर पुलिसकर्मियों की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है और उन्हें हमेशा सजग और चौकन्ना रहना पड़ता है। ऐसे माहौल में उन्हें हमेशा चुस्त-दुरुस्त रहना पड़ता है। चुस्त- दुरुस्त रहने के लिए बेहतर खान-पान जरूरी है। इसके लिए सरकार उन्हें 650 रुपए प्रतिमाह पोषण आहार भत्ता भी देती है, लेकिन ऐसे समय जब महंगाई लगातार बढ़ रही है, यह भत्ता अब ऊंट के मुंह में जीरा जैसे ही है। ऐसे में गृह विभाग ने पुलिसकर्मियों को पोषण आहार भत्ता बढ़ाने का प्रस्ताव तैयार किया है। प्रस्ताव के हिसाब से पुलिसकर्मियों को प्रतिमाह 10 हजार रुपए तक यह भत्ता दिया जाना है, लेकिन इस प्रस्ताव पर अब तक अंतिम निर्णय नहीं हो सका है। ऐसे में अब यह सवाल उठने लगा है कि आखिरकार पुलिसकर्मियों को पोषण आहार भत्ता बढ़ाने के मामले में सरकार कब महेरबान होगी?

गृह विभाग ने यह प्रस्ताव तैयार कर इसे मंजूरी के लिए वित्त विभाग को भी भेज दिया है। बताया जा रहा है कि वित्त विभाग पोषण आहार भत्ता में एक साथ इतनी बढ़ोतरी के पक्ष में नहीं है, वहीं दूसरी तरफ गृह विभाग ने मौजूदा स्थिति का हवाला देते हुए इस बढ़ोतरी को जरूरी करार दिया है। मौजूदा स्थिति में प्रतिमाह 650 रुपए के पोषण आहार भत्ते को बेहद कम माना जा रहा है। यदि भत्ते के सहारे ही पुलिसकर्मी रहे तो फिर उनका पोषण तो कम होगा, बल्कि कुपोषण बढ़ जाएगा। ऐसे में पुलिसकर्मियों को अपनी सेहत को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने के लिए पोषण पर अलग से राशि खर्च करना पड़ता है। इसका पूरा भार उनके वेतन पर पड़ता है। वैसे भी पुलिसकर्मियों को 24 घंटे की नौकरी करना पड़ती है। राज्य सरकार ने उन्हें जैसे-तैसे साप्ताहिक अवकाश लेने की कुछ समय पहले सुविधा जरूर दे दी है, लेकिन अमले की कमी के कारण कई पुलिसकर्मी यह अवकाश भी नहीं ले पाते। काम के दबाव और अनियमित दिनचर्या के कारण सेहत बिगड़ने का अंदेशा बना रहता है। इसलिए ही उन्हें सेहतमंद बने रहने के लिए पर्याप्त पोषण आहार की जरूरत पड़ती है। इसी को देखते हुए ही उन्हें पोषण आहार भत्ता दिए जाने की व्यवस्था की गई है, जो कि अब मौजूदा दौर में अपर्याप्त है।

किट क्लोथिंग भत्ता बढ़ाने का मामला भी अटका

गृह विभाग ने जो प्रस्ताव तैयार किया है, उस हिसाब से पुलिसकर्मियों के किट क्लोथिंग भत्ते में भी बढ़ोतरी हो सकती है। वर्तमान में पुलिसकर्मियों को अलग-अलग संवर्ग के हिसाब से अधिकतम 3,000 रुपए प्रतिवर्ष तक यह भत्ता दिया जा रहा है। इसे भी बढ़ाकर 10 हजार रुपए वार्षिक करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है, लेकिन इस पर भी अब तक वित्त विभाग से अंतिम सहमति नही मिली है। इस कारण यह मामला भी पिछले छह माह से अधिक समय से अटका पड़ा है।

एक वजह यह भी

दरअसल पिछले डेढ़ वर्ष से देश और प्रदेश में कोरोना संक्रमण का खौफ छाया हुआ है। राज्य सरकार अभी जैसे-तैसे संक्रमण की दूसरी लहर से उबरी है। अब तीसरी लहर की आशंका बनी हुई है। संक्रमण के कारण लॉकडाउन और कर्फ्यू लगने के कारण प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ा। इस कारण राज्य सरकार की आमदनी प्रभावित हुई। इधर संक्रमण को देखते हुए राज्य सरकार पर स्वास्थ्य महकमे के लिए भरपूर राशि का इंतजाम करना पड़ रहा है। ऐसे में सरकार की प्राथमिकता अस्पतालों के साथ दूसरी अधोसंरचना से जुड़ी जरूरी आवश्यकताओं की पूर्ति करने पर अधिक है। इस कारण भत्ता बढ़ाने के मामले में निर्णय नही हो सका है। हालांकि स्थिति सुधरने के बाद जल्द ही इस प्रस्ताव पर स्वीकृति की मुहर लग सकती है। वित्त विभाग के अभिमत के बाद इसे कैबिनेट में पेश किया जाएगा।

सीएम हाउस पहुंची फर्जी नोटशीट मामले में एफआईआर दर्ज

क्राइम ब्रांच ने ट्रांसफर के लिए चले नाम वाले 30 कर्मचारियों को नोटिस भेजा

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री निवास पर पहुंची ट्रांसफर की फर्जी नोटशीट मामले में क्राइम ब्रांच ने शुक्रवार देर रात धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज कर ली। इसके साथ ही प्रपोजल में ट्रांसफर के लिए भेजे गए सभी 30 कर्मचारियों को नोटिस जारी कर दिया गया है। इसमें भोपाल में क्राइम ब्रांच आकर बताना होगा कि उनका नाम प्रपोज कैसे हुआ। इनके लिखित बयान लेने के बाद ही क्राइम ब्रांच आगे की जांच शुरू करेगी।

अब सभी को भोपाल आकर बताना होगा नाम कैसे प्रपोज हुआ

इस मामले में एक बात सामने आई कि यह अनुशंसा पत्र न तो किसी विभाग और न ही मंत्री की तरफ से सीएम हाउस भेजे गए। बल्कि यह सीधे जन प्रतिनिधियों के नाम पर मुख्यमंत्री निवास भेज दिए गए।

सिलवानी विधायक रामपाल सिंह के नाम से 27 की अनुशंसा: रवि राठौर को आगर मालवा से शाजापुर, रेवती दरवरे को बड़वारा कटनी से बालाघाट, पूनम शेडे को कटनी से छिंदवाड़ा, नीलकमल डिवे को शिवपुरी से लांजी बालाघाट, देवानंद उदयपुरे को रीवा से किरनापुर बालाघाट, प्रहलाद सिंह राजपूत को खहपुरा जबलपुर से नरसिंहपुर, भेरू लाल गुर्जर रामपुर से भानपुर या गरोठ मंदसौर, ईश्वर सिंह यादव को खंडवा से बाबई, सजीदा खान को विजापर से इंदौर, सुरेंद्र कुमार बिसने तराना जिला उज्जैन से बालाघाट, गणपतलाल को हरदा से बालाघाट और माया फूलकर को सेमरी से सीहोर ट्रांसफर किया जाए।

छतरपुर जिले के इन शिक्षकों को नोटिस जारी

श्रीकांत चतुर्वेदी को राजनगर छतरपुर से शासकीय प्राथमिक शाला जिन्ना, राकेश कुमार अहिरवार को छतरपुर से शासकीय प्राथमिक शाला लवकुश नगर छतरपुर, परमानंद अहिरवार को छतरपुर से लाखा छापर छतरपुर, रमाशंकर तिवारी को लवकुश नगर से बजरंग पुर विकासखंड छतरपुर, निर्मल लकड़ा को नाहरपुर से लवकुशनगर छतरपुर, मुन्ना खां को रतनपारा से लवकुश नगर छतरपुर, शिवसंत अहिरवार को नौगांव से गौराहार, अजय अहिरवार को नाहरपुर से बगौता छतरपुर, देवी चरण अहिरवार को लवकुश नगर से लवकुशनगर दूसरे स्कूल, चंद्रपाल को खेड़ा संकुल से छतरपुर, रमा राय नाहरपुर छतरपुर से नाथनपुर, दिनेश कुमार शिवहरे संगारपुर संकुल से कितपुरा, रामबाबू प्रजापति को बछोन से लतपुर नगर, राकेश सिंह यादव को कुर्रा से छापर छतरपुर ट्रांसफर किया जाएं।

प्रदेश में 16 लाख 60 हजार मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहीत : वन मंत्री

तेंदूपत्ता संग्राहकों को 415 करोड़ रुपए का किया भुगतान

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा है कि प्रदेश में इस वर्ष 16 लाख 60 हजार मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहीत किया गया। तेंदूपत्ता संग्राहकों को 415 करोड़ रुपए पारिश्रमिक के रूप में वितरित किए गए हैं।

वन मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि राज्य लघु वनोपज संघ ने कोरोना संक्रमण की विपरीत परिस्थितियों में कोरोना गाइड लाइन का पालन कर निर्धारित लक्ष्य 16 लाख 30 हजार के विरुद्ध 16 लाख 60 हजार मानक बोरा का संग्रहण कर विशेष उपलब्धि अर्जित की है। उन्होंने बताया कि अग्रिम निर्वतन में 872 लाटों की 15 लाख 76 हजार मानक बोरा 812 करो? 59 लाख रुपए के विक्रय मूल्य पर निर्वतन किएजाने के बाद शेष 65 लाटों में विभागीय संग्रहण कराया गया है। राज्य लघु वनोपज संघ प्रबंध संचालक पुष्कर सिंह ने बताया कि राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा प्रदेश में 40 लाख संग्राहकों के माध्यम से तेंदूपत्ता संग्रहीत कराया जाता हैं। इन तेंदूपत्ता संग्राहकों को पारिश्रमिक ई-पेमेंट के माध्यम से भुगतान कराया गया है। तेंदूपत्ता संग्राहकों को उनके द्वारा संग्रहीत किए गए अच्छी गुणवत्ता की बीड़ी बनाने योग्य तेंदूपत्ते का ढाई हजार रुपए प्रति मानक बोरे की दर से भुगतान किया जाता है।

वृक्षारोपण प्रोत्साहन विधेयक को लेकर मांगे सुझाव

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में निजी भूमि पर वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रस्तावित मप्र वृक्षारोपण प्रोत्साहन विधेयक-2021 को लेकर सभी स्टेक होल्डर्स से एक महीने में सुझाव मांगे गए हैं।

यह योजना नगरपालिक क्षेत्रों को छोड़कर पूरे प्रदेश में लागू होगी। विधेयक में प्रावधान किया गया है कि उत्पादक द्वारा रोपे गए पौधों के संवर्धन और प्रबंधन की पद्धति अपनी मर्जी से जैसे उचित समझे अपनाया जा सकेगा। उत्पादक संबंधित ग्राम पंचायत के भीतर किसी भी स्थान पर, जिसमें वृक्षारोपण किया गया, वहीं काष्ठ की टॉल स्थापित कर सकेगा। काष्ठ टॉल में इमारती लकड़ी की प्र-संस्करण इकाई स्थापित करने के लिये सशर्त सुविधा दी जाएगी।

सभी स्टेक होल्डर्स एक माह में दे सकेंगे अपनी राय

इस विधेयक में आदिवासी वर्गों के हित संरक्षण को ध्यान में रखते हुए उनके खेतों में खड़े वृक्षों को काटने और बिक्री के नियम यथावत रखे गए हैं। वनोपज सागौन और साल का शासकीय ई-पोर्टल के माध्यम से खेत या टॉल से ही बेचने और स्वयं बोली स्वीकार करने और सीधे भुगतान लेने की छूट का प्रावधान भी रखा गया है। सागौन एवं साल विनिर्दिष्ट प्रजाति के वृक्षों से प्राप्त काष्ठ के परिवहन के लिये अनुज्ञा-पत्र जरूरी होगा। शेष प्रजाति के वृक्षों के परिवहन अनुज्ञा-पत्र से छूट रहेगी, परंतु हितग्राही यदि चाहे तो स्वयं टीपी पोर्टल से निकाल सकेगा। अपराध नियंत्रण की दृष्टि से वन सीमा से लगी ग्राम पंचायतों से काष्ठ परिवहन के लिये अनुज्ञा-पत्र लेना अनिवार्य होगा। आमजन के लिये प्रस्तावित मप्र वृक्षारोपण विधेयक-2021 का प्रारूप वन विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

अमित शाह से मिले सीएम शिवराज सिंह, प्रदेश की कानून व्यवस्था और नक्सवाद के मुद्दे पर की चर्चा

भोपाल, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से शनिवार को राज्य की कानून व्यवस्था और नक्सलवाद जैसे मुद्दों पर चर्चा की। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार श्री चौहान ने नई दिल्ली में श्री शाह से मुलाकात के दौरान राज्य की कानून व्यवस्था, नक्सलवाद और ग्रामीण क्षेत्रों तथा सीमावर्ती जिलों में अपराध और सहकारिता से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की। श्री चौहान ने श्री शाह को राज्य में छह अगस्त को होने वाले ई चिंतन शिविर के संबंध में अवगत कराया। श्री चौहान ने इस संबंध में ट्वीट करते हुए कहा कि उन्होंने श्री शाह से उनके निवास पर सौजन्य भेंट कर महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक चर्चा की। श्री चौहान शनिवार दोपहर में भोपाल से दिल्ली के लिए रवाना हुए थे।

महाविद्यालयों और बीएड संस्थानों में ऑनलाइन प्रवेश आज से

भोपाल (एजेंसी)।

मध्यप्रदेश में 1264 शासकीय और निजी महाविद्यालय और 758 बीएड संस्थानों के लिए रविवार, एक अगस्त से प्रवेश प्रारंभ किया जाएगा।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार प्रवेश लेने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएंदेते हुए उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव ने कहा कि कोरोना काल को दृ ष्टिगत रखते हुए प्रवेश प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन की जा रही है, जिसमें विद्यार्थी घर बैठे या कियोस्क के माध्यम से पंजीयन कर सकते हैं और अपने डॉक्यूमेंट अपलोड कर सकते हैं। सत्यापन की सुविधा भी ऑनलाइन रहेगी। छात्राओं के लिए कोई पंजीयन शुल्क नहीं है। छात्रों को मात्र 100 रुपए पंजीयन शुल्क लगेगा। उच्च शिक्षा विभाग की ई-प्रवेश प्रक्रिया में अभी तक 1264 महाविद्यालय जुड़ चुके हैं। महाविद्यालयों में संचालित होने वाले परंपरागत पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश प्रक्रिया में दो चरण और एक सीएलसी राउंड होगा। पहले चरण में विद्यार्थी को ऑनलाइन आवेदन करने के लिए 12 दिन का समय मिलेगा। वेबसाइट के माध्यम से विद्यार्थी घर बैठे अपना पंजीयन करा सकते हैं। विद्यार्थियों का डाटा सत्यापन के लिए प्रदेश के 498 शासकीय महाविद्यालयों को भेजा जाएगा, जिसमें प्राध्यापक विद्यार्थियों द्वारा भरी गई जानकारी का उनके अपलोड किए गए दस्तावेजों के साथ सत्यापन करेंगे।

पूर्णत: ऑनलाइन होगी प्रक्रिया : डॉ. यादव

उच्च शिक्षा विभाग ने सभी शासकीय महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए हेल्प सेंटर बनाए हैं, जिनके माध्यम से विद्यार्थी अपनी कठिनाइयों का निराकरण कर सकते हैं। ई-प्रवेश और बीएड की गाइडलाइन उच्च शिक्षा विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन प्रवेश के नाम से अपलोड है। आवेदकों की सुविधा के लिए गाइडलाइन के अंत में 65 एफएक्यू प्रश्न और उत्तर संकलित किए गए हैं।

प्रदेश में सात अगस्त को मनेगा अन्न-उत्सव : डॉ. मिश्रा

भोपाल (एजेंसी)। आगामी सात अगस्त को राज्य स्तर पर अन्न-उत्सव मनाया जाएगा। इस दिन प्रदेश की समस्त उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के हितग्राहियों को राशन वितरित किया जाएगा। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने दतिया विधानसभा क्षेत्र के नयाखेड़ा बसई में 33 केव्ही विद्युत लाइन के लोकार्पण अवसर पर जनता को संबोधित करते हुए यह बात कही।

गृहमंत्री ने किया नव-निर्मित 33 केव्ही विद्युत लाइन केंद्र का लोकार्पण

डॉ. मिश्रा ने कहा कि सरकार गरीबों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कोरोना के संकट काल को दृष्टिगत रखते हुए गरीबों की मदद के लिए सरकार द्वारा योजना अंतर्गत पात्र परिवारों को 10 किलो के खाद्यान के बैग प्रदाय किए जाएंगे। योजना का शुभारंभ सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से करेंगे। उन्होंने बताया कि 07 अगस्त को प्रदेश में 25 हजार 435 शासकीय उचित मूल्य की दुकानों पर अन्न-उत्सव के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को राशन के बैग वितरित किए जाएंगे। गृह मंत्री ने कहा कि गांव में नल चालू हो गए हैं। कुछ कार्य शेष हैं को शीघ्र पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही गांव में हाईस्कूल बिल्डिंग का भी निर्माण कराया जाएगा।

मेडिकल में ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण पर संसद में होनी थी चर्चा : सोलंकी

भोपाल (एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी ने मेडिकल में ओबीसी वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण देने पर सवाल खड़े करते हुए इस मामले पर संसद में चर्चा न होने को लोकतंत्र के लिए बीमारी के समान बताया है।

सोलंकी ने शनिवार को दो ट्वीट करते हुए कहा कि केंद्र की नीट परीक्षा में विभिन्न वर्ग को आरक्षण दिए जाने पर 50 फीसदी से अधिक होने पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा क्या इसे स्वीकार किया जाएगा। साथ प्रवीण्यता को कमतर आंकना गुणवत्ता को कम करना बताया है।

सोलंकी ने दूसरे ट्वीट में संसद के दोनों सदन में बगैर चर्चा के बिल के पास होने को लोकतंत्र के लिए बीमारी के समान बताया है। उन्होंने लिखा है कि इससे सांसदों के महत्वपूर्ण सुझावों से देश वंचित रह जाएगा, जनमत की इज्जत करें। वहीं दूसरी और प्रदेश में ओबीसी वर्ग के आरक्षण को 27 फीसदी न करने के लिए कांग्रेस प्रदेश सरकार पर ओबीसी विरोधी होने की बात कर रही है। ऐसे में कप्तान सिंह का ट्वीट कांग्रेस के आरोपों को और हवा देगा जो आने वाले समय में भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने ई-संगोष्ठी को वर्चुअल संबोधित करते हुए कहा

हमारी मूल क्षमताओं का हो सर्वश्रेष्ठ उपयोग

भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल मंगुभाई छ. पटेल ने सभी शिक्षकों, शिष्यों, चिंतकों, शोधकर्ताओं का आह्वान किया है कि हमारी जनता, हमारे कौशल, हमारी मूल क्षमताओं को पहचान कर उनके सर्वश्रेष्ठ उपयोग की संभावनाओं पर विचार करें, हर संकट अपने साथ एक अवसर लाता है। कोविड-19 भी अपवाद नहीं है। अब किस तरह के नए अवसर विकास के क्षेत्र उभर सकते हैं, उनकी तलाश की जाए। उन्होंने कहा कि कोविड-पश्चात विश्व के अनुसरण के बजाए, हमें भारत को मौजूदा परिपाटियों से आगे बढ़ाने के प्रयास करने चाहिए।

राज्यपाल शनिवार को वर्तमान परिस्थितियों में शिक्षण संस्थाओं की भूमिका विषय पर ई-संगोष्ठी को राजभवन से संबोधित कर रहे थे। संगोष्ठी का आयोजन शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के संयुक्त तत्वाधान में किया गया था। राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में शिक्षा व्यवस्था पर कोविड के प्रभावों का नकारात्मक असर कम से कम हो, इस पर व्यापक चिंतन होना चाहिए। कोविड व्यवहार का कड़ाई से पालन करते हुए,

ऑनलाइन शिक्षण व्यवस्था के लिए डिजिटल रूप में विषय सामग्री, ई-पुस्तकों आदि की उपलब्धता को विस्तारित किया जाए। राज्यपाल ने कार्यक्रम के आयोजक शिक्षा, संस्कृति, उत्थान न्यास, नई दिल्ली द्वारा विभिन्न विषयों और आयामों के साथ किए जा रहे कार्यों के लिए न्यास के कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि उनके प्रयास देश के उज्जवल भविष्य का भरोसा दिलाते है। श्री पटेल ने संगोष्ठी में कोविड के दौरान दिवगंत आत्माओं को विनम्र श्रद्धांजलि दी। सभी कोरोना वारियर्स की सेवाओं का स्मरण करते हुए उनका अभिनंदन किया। उन्होंने शिक्षण संस्थाओं के स्टॉफ, विद्यार्थियों जिन्होंने सामाजिक दायित्व को समझ कर जनता की सेवा के कार्य किए हैं। उनके व्यक्तिगत, संस्थागत प्रयासों की सराहना भी की।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए टॉस्क फोर्स गठित : डॉ. यादव

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारतीय मनोभावों के अनुसार बनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार भारतीय संस्कृति और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश निरंतर आगे बढ़ रहा है। टॉस्क फोर्स गठित कर पाठ्यक्रम, शिक्षक प्रशिक्षण संबंधी विभिन्न आयामों के सफल क्रियान्वयन पर तेज गति से कार्य हो रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के गांवों को गोद लेने का भी एक व्यापक कार्यक्रम तैयार किया गया है।

शिक्षा बदलती है तो देश बदलता है : कोठारी

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अतुल कोठारी ने कहा कि शिक्षा बदलती है तो देश बदलता है। कोविड महामारी के दौरान शिक्षण संस्थाओं ने समाज के दु:ख दर्द में सहभागी हो कर, समाज को दिशा देने की भूमिका निभाई है। न्यास से जुड़े विद्यालयों के शिक्षकों ने दूरस्थ अंचलों जनजातीय क्षेत्रों में जाकर शिक्षण, प्रशिक्षण के कार्य कर, सामाजिक प्रतिबद्धता दिखाई है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थाओं को ऐसे ही प्रयास आत्म-निर्भर भारत निर्माण के संकल्प को सफल बनाने के लिए करने होंगे। जरूरत शिक्षण संस्थाओं में आत्म-निर्भरता का वातावरण देने की है।

हर किरदार ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया

विद्या बालन

अपने दमदार अभिनय और भूमिकाओं से दर्शकों को हमेशा मंत्रमुग्ध करने वाली अभिनेत्री विद्या बालन ने इस बारे में खुल कर बात की है। वह कहती हैं कि अब तक उनके द्वारा निभाए गए हर किरदार ने उन्हें शिक्षित किया है और उनके लिए कुछ बदला है। जब से उन्होंने 2005 में परिणीता के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरूआत की, विद्या ने भूल भुलैया, नो वन किल्ड जेसिका, द डर्टी पिक्च र, पा, कहानी, इश्किया, मिशन मंगल, तुम्हारी सुलु और शकुंतला देवी जैसी फिल्मों में अपने गतिशील चित्रण के साथ प्रशंसकों का मनोरंजन किया है। उनकी नवीनतम रिलीज शेरनी में उन्होंने एक ईमानदार वन अधिकारी की भूमिका निभाई हैं, जो पितृसत्तात्मक समाज द्वारा निर्धारित सामाजिक बाधाओं और अपने विभाग के भीतर अभावग्रस्त रवैये से जूझ रही है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह अपने चरित्र से कुछ हासिल करती हैं या वे उन्हें किसी भी तरह से शिक्षित करते हैं, विद्या ने आईएएनएस से कहा, हां बिल्कुल। यह ऐसा है जैसे आप किसी अन्य व्यक्ति के साथ बातचीत करने के बाद हमेशा कुछ वापस पाते हैं। यह वही है। आप इस व्यक्ति के रहते हैं। डेढ़ महीने या दो या शायद अधिक के लिए जीवन क्योंकि आप उससे पहले तैयारी शुरू कर देते हैं। 42 वर्षीय अभिनेत्री का कहना है कि किसी किरदार से प्रभावित नहीं होना मुश्किल है। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि, इसलिए, मैं लगभग चार महीने तक एक ही किरदार के साथ रहती हूं। इसलिए, उस चरित्र को आप पर प्रभाव नहीं पड़ने देना मुश्किल है। मुझे लगता है कि कभी-कभी, आप यह स्पष्ट कर सकते हैं कि पात्रों ने आपके जीवन को कैसे छुआ या आपको बदल दिया और कभी-कभी आप नहीं कर सकते मेरे लिए यह हमेशा बदलता रहता है।

शर्लिन चोपड़ा से बोले थे राज कुंद्रा- शर्म छोड़ो और हॉलीवुड की मॉडल की तरह खुल कर दिखाओ

शिल्पा शेट्टी के पति और बिजनेममैन राज कुंद्रा को अश्लील फिल्म निर्माण मामले में कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। कुंद्रा ने कोर्ट में जमानत के लिए गुहार लगायी थी जिसे भी कोर्ट ने खारिज कर दिया है। भारत में पोर्नोग्राफी गैर कानूनी है लेकिन राजकुंद्रा पर आरोप है कि उन्होंने गैर कानूनी तरीके से भारत में पॉर्न फिल्मों का निर्माण किया और उन्हें हॉटशॉट्स ऐप के माध्यम से स्ट्रीम करके यूजर तक पहुंचाया। राजकुंद्रा इस समय जेल में है लेकिन पोर्नोग्राफी के इस गैर कानूनी रैकिट की पोल कैसे खुली?

बॉलीवुड की एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा ने ये दावा किया था कि उन्होंने फरवरी 2021 में इस संबंध में मुंबई पुलिस के पास शिकायत दर्ज करवायी थी। शर्लिन ने कहा कि वह इस मामले में महाराष्ट्र साइबर सेल की जांच टीम को बयान देने वाली पहली शख्स थीं। शर्लिन ने ट्विटर पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह हिंदी में कहती हैं- 'पिछले कुछ दिनों से कई पत्रकार और मीडियाकर्मी मुझे फोन कर रहे हैं, मुझे ईमेल कर रहे हैं और मुझे यह जानने के लिए मैसेज कर रहे हैं कि इस विषय पर मेरा क्या कहना है। मैं आप सभी को सूचित करना चाहती हूं कि महाराष्ट्र साइबर सेल की जांच टीम को अपना बयान देने वाला मैं पहली व्यक्ति थी। मैं उनके साथ आर्म्सप्राइम के बारे में जानकारी साझा करने वाला पहली व्यक्ति भी थी।'

अब शर्लिन चोपड़ा के ताजा बयान के अनुसार उन्होंने राज कुंद्रा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आजतक पर छपी खबर के अनुसार शर्लिन चोपड़ा ने राज कुंद्रा पर यौन दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए कहा कि कुंद्रा ने उन्हें जबरदस्ती बाथरूम में खींच लिया था और किस करने की कोशिश की थी। शर्लिन ने कहा कि मुझे कुंद्रा की ये एप्रोज बिलकुल पसंद नहीं आयी थी और मैंने इसका विरोध भी किया था।

इंडिया टूडे के अनुसार मार्च 2021 में मुंबई पुलिस के साइबर सेल को दिए अपने बयान में शर्लिन चोपड़ा ने कहा था कि पोर्न फिल्म रैकेट के आरोपी राज कुंद्रा ने अनुरोध किया था कि वह उनके हॉटशॉट्स ऐप के लिए सामग्री बनाएं, लेकिन उन्होंने मना कर दिया था। शर्लिन चोपड़ा ने पुलिस को बताया कि मार्च 2019 में कुंद्रा ने फ्रद शर्लिन चोपड़ा ऐपफ्र के विचार के साथ उनके बिजनेस मैनेजर से संपर्क किया था, यह कहते हुए कि वह जो सामग्री सोशल मीडिया पर अपलोड करती है वह मुफ़्त है लेकिन वह एक अनुकूलित ऐप के माध्यम से इसका मुद्रीकरण कर सकती है।

मार्च 2019 में, शर्लिन चोपड़ा ने आर्मप्राइम के साथ एक समझौता किया था, जिसके संस्थापक राज कुंद्रा थे। उन्होंने अपने बयान में कहा कि उन्होंने आर्म्सप्राइम के साथ समझौते को नवीनीकृत नहीं किया क्योंकि वह मौजूदा 50-50 राजस्व साझाकरण मॉडल के साथ सहज नहीं थी। उन्होंने कहा कि मैंने कुंद्रा से समझौते की समाप्ति पर ऐप पर मौजूद सामग्री को हटाने के लिए कहा था लेकिन सामग्री अभी भी इंटरनेट पर उपलब्ध है।

अनुबंध की अवधि के दौरान, शर्लिन चोपड़ा ने ऐप के लिए कुछ वीडियो शूट किए थे। 'चॉकलेट वीडियो' शीर्षक वाले वीडियो में से एक वीडियो जांच के लिए रुचिकर था और साइबर पुलिस ने इसके बारे में पूछताछ की। अभिनेता ने यह भी कहा कि उस समय आर्म्सप्राइम के क्रिएटिव हेड (नाम रोक दिया गया) के साथ उनकी तीखी बहस हुई थी। चॉकलेट वीडियो अंधेरी (पूर्व) के एक होटल में शूट किया गया था। वीडियो शूट के बारे में बोलते हुए, चोपड़ा ने कहा, 'उसने (रचनात्मक प्रमुख) ने सुझाव दिया कि मैं अपने अपनी शर्म को छोड़ दूं और हॉलीवुड मॉडल की तरह खुल जाऊं।'

सारा अली खान की मोनोक्रोम सीरीज की हर ओर चर्चा

बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान की ताजा तस्वीरों की हर कोई चर्चा कर रहा हैं। डीवा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर मोनोक्रोम तस्वीरों की एक चेन पोस्ट की, जो कि एक झालरदार स्कर्ट के साथ एक काले रंग की ब्रालेट पहने हुए थी। उनके कपड़े लक्ष्मी लेह द्वारा डिजाइन किया गए है और स्टार की तस्वीर रोहन श्रेष्ठ ने ली है। इस तस्वीर के साथ अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा है, काश कभी यू हो ना हसरते ना जूनून हो तेरा ख्याल हो और तू हो दिल में बस सुकू हो। उन्होंने देव आनंद अभिनीत तीन देवियां के गाने ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत के साथ अपनी इंस्टा स्टोरीज पर शूट की एक छोटी क्लिप भी पोस्ट की।

हिना खान ने फिल्म लाइंस को लेकर अपना उत्साह साझा किया

हिना खान का हालिया गाना वीडियो बारिश 25 करोड़ हिट्स को पार कर गया है और अब उनकी फिल्म लाइंस का पहला गाना झेलम दे दरिया सूफी गायक और कवि रोहिल भाटिया द्वारा रचित और यश चौधरी द्वारा गाया गया है। अभिनेत्री ने इस फिल्म में एक कमजोर लड़की, नाज़िया की मुख्य भूमिका निभाई है, जिसकी शादी कश्मीर की सीमा के पार होती है। कहानी इस बात के इर्द-गिर्द घूमती है कि कैसे सीमा पर तनाव युगल के बीच रिश्ते में एक बाधा बन जाता है।

हिना खान अपना उत्साह और अनुभव साझा करते हुए कहती हैं, इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना वास्तव में सौभाग्य की बात है। इस फिल्म और विशेष रूप से इस गाने की शूटिंग के दौरान मुझे बहुत सारे अद्भुत अनुभव हुए हैं। मैं बस दर्शकों की प्रतिक्रिया देखने के लिए इंतजार कर रही हूं। उनसे अपार प्यार और समर्थन मिलने की उम्मीद है। फिल्म को राहत काजमी, तारिक खान, जेबा साजिद और राज कुशवाहा ने प्रोड्यूस किया है। यह जम्मू और कश्मीर में सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों के जीवन पर आधारित है। यह फिल्म पुंछ पर आधारित है, जो एक ऐतिहासिक शहर है और सीमा पर विभाजित है। फिल्म में हिना खान के साथ फरीदा जलाल, ऋषि भूटानी और अहमर हैदर जाहिद कुरैशी भी हैं। यह फिल्म वूटसेलेक्ट पर रिलीज हुई है।

मल्लिका शेरावत ने फिर ठुकराया 'बिग बॉस' का ऑफर!

रियलिटी शो 'बिग बॉस 15' का जल्द आगाज होने जा रहा है। इस बार यह शो पहले ओटीटी प्लेटफॉर्म वूट पर शुरू होगा, जिसे 'बिग बॉस ओटीटी' नाम दिया गया है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इस शो को करण जौहर होस्ट करते नजर आएंगे। यह शो 6 हफ्तों तक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर टेलीकास्ट होगा।

वहीं अब शो में हिस्सा लेने वाले सेलेब्रिटीज के नामों को लेकर भी चर्चा होने लगी है। कई सितारों के नाम बिग बॉस ओटीटी में पार्टिसिपेट करने के लिए सामने आ रहे है। इन्हीं में से एक नाम बॉलीवुड की हॉट अदाकारा मल्लिका शेरावत का भी है।

खबर आ रही है कि बिग बॉस के मेकर्स मल्लिका शेरावत को शो में हिस्सा लेने के लिए अप्रोच किया है। बताया जा रहा है कि मल्लिका को शो में 6 हफ्ते तक रुकना था और उन्हें बतौर कंटेस्टेंट शो का हिस्सा बनना था। बिग बॉस के घर में उनके पास स्पेशल पावर्स भी होती।

ताजा खबरों की माने तो मल्लिका शेरावत ने इस शो का हिस्सा बनने से साफ इनकार कर दिया है। बताया जा रहा है कि मल्लिका शो तो करना चाहती थीं लेकिन वह शो की कंटेस्टेंट नहीं बनना चाहती थीं। इसलिए उन्होंने शो करने से मना कर दिया।

यह पहली बार नहीं है जब मल्लिका शेरावत ने बिग बॉस का ऑफर ठुकराया हो। इससे पहले उन्हें बिग बॉस 13 के लिए अप्रोच किया गया था। उन्हें घर की मालकिन के तौर पर शो में एंट्री लेने के लिए न्योता दिया गया था। मल्लिका के इनकार के बाद मेकर्स ने शो में अमीषा पटेल को घर की मालकिन बनाया था।

बता दें कि बिग बॉस के पहले छह हफ्ते वूट पर दिखाए जाएंगे, इसके बाद यह शो टेलीविजन की ओर रुख करेगा। खबरों के अनुसार शो जब टीवी पर प्रसारित किया जाने वाला होगा उस दौरान इस शो में से 8 कंटेस्टेंट को एविक्ट किया जाएगा और सिर्फ 4 कंटेस्टेंट को टीवी के शो में एंट्री मिलेगी। हर एविक्शन के बाद इस शो में एक वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट की एंट्री भी होगी।

भारतीय महिला हॉकी टीम पहली बार ओलंपिक के क्वॉर्टर फाइनल में

ओलंपिक में हैट्रिक लगाने वाली भारत की पहली महिला हॉकी खिलाड़ी बनीं वंदना

टोक्यो। भारतीय महिला हॉकी टीम ओलंपिक इतिहास में पहली बार क्वॉर्टर फाइनल खेलेगी। शनिवार को भारत के सामने दो चुनौतियां थी। पहले तो उसे करो या मरो के मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हराना था फिर उम्मीद लगानी थी कि ग्रेट ब्रिटेन, आयरलैंड को हरा दे। शायद सवा सौ करोड़ हिंदुस्तानियों की प्रार्थनाएं काम कर गईं। ब्रिटेन की टीम का आयरलैंड को 2-0 से हराने के साथ ही भारत की क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की हो गई। अब क्वॉर्टर फाइनल में रानी रामपाल की टीम की टक्कर मजबूत ऑस्ट्रेलिया से होगी।

इससे पहले स्ट्राइकर वंदना कटारिया के ऐतिहासिक तीन गोल के बूते भारत ने निचली रैंकिंग वाली दक्षिण अफ्रीका टीम को 4-3 से हराकर टोक्यो ओलंपिक के क्वॉर्टर फाइनल में प्रवेश की उम्मीदें बरकरार रखी। वंदना ने चौथे, 17वें और 49वें मिनट में गोल किया। वह ओलंपिक के इतिहास में हैट्रिक लेने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं। नेहा गोयल ने 32वें मिनट में एक गोल दागा।

हम जीतने के लिए ही आए थे: कोच मारिन

भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच मारिन ने कहा, प्रदर्शन में निरंतरता जरूरी है। टीम अगर क्वॉर्टर फाइनल में पहुंचती है तो वहां हालात एकदम अलग होंगे। शुक्रवार को हमने बहुत अच्छा खेला और फिर शानिवार को लगातार दूसरे दिन मैच खेलना था। हम जीतने के लिए ही आए थे। क्वॉर्टर फाइनल से नई शुरूआत होती है और पूल मैचों का प्रदर्शन मायने नहीं रखता। वहां अलग ही तरह का खेल होता है।

1980 में पहली बार ओलंपिक खेलों में लिया था हिस्सा

1980 में पहली बार भारत की महिला हॉकी टीम ने ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया था। हालांकि तब टीम चौथे स्थान पर जरूर रही थी, लेकिन उस वक्त क्वॉर्टर फाइनल नहीं होता था। जिम्बाब्वे ने गोल्ड जीता था। फिर अगले ओलंपिक में खेलने के लिए भारतीय महिलाओं को 36 साल का इंतजार करना पड़ा। 2016 के रियो ओलंपिक में भारतीय महिला हॉकी टीम बिना कोई मैच जीते अंतिम स्थान पर रही थी। बीते चार साल में टीम में क्रांतिकारी निखार आया। भारतीय महिला हॉकी टीम इस बार एक नई उम्मीद जागी है।

1984 के बाद हैट्रिक लेने वाली पहली भारतीय

वंदना हॉकी में 1984 के बाद ओलंपिक में हैट्रिक लगाने वाली पहली भारतीय है। वर्ष 1984 के बाद किसी भारतीय ने ओलंपिक में हैट्रिक नहीं लगाई थी। आखिरी बार 1984 ओलंपिक में पुरुष हॉकी प्लेयर विनीत शर्मा ने ताबड़तोड़ तीन गोल कर हैट्रिक अपने नाम की थी।

वंदना मप्र में ले चुकी हैं प्रशिक्षण

भोपाल। ओलंपिक में हैट्रिक लेने वाली वंदना मप्र के लिए खेल चुकी हैं और मप्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी हैं। मध्य प्रदेश राज्य महिला हॉकी अकादमी ग्वालियर के मुख्य कोच परमजीत सिंह ने बताया कि वंदना ने अंतिम मुकाबले में हैट्रिक सहित तीन अपनी काबिलियत साबित की है। वंदना भोपाल के साई सेंटर में रही है। उन्होंने मध्य प्रदेश अकादमी के खिलाड़ियों के साथ खूब अभ्यास किया और लम्बे समय तक मध्य प्रदेश की टीम का प्रतिनिधित्व किया है। वंदना बहुत प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। वर्तमान में वह रेलवे में सेवाएं दे रही हैं। पिछली बार भी वह रियो ओलंपिक में भारतीय टीम का हिस्सा थीं। परमजीत सिंह ने कहा कि भारतीय टीम ने सही समय पर वापसी की है। टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहीं हैं और पदक की उम्मीद कर सकते हैं। वंदना ने चार, 17 , 19 व 49 मिनट में शानदार गोल दागे थे। उल्लेखनीय है कि भारतीय महिला टीम को नीदरलैंडस, ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

सिंधू का गोल्ड जीतने का सपना टूटा

सेमीफाइनल में ताई जू से हारीं, सिंधू से अभी भी कांस्य की आस

टोक्यो। रियो ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट और स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू को टोक्यो ओलंपिक के महिला एकल वर्ग के सेमीफाइनल में चीनी ताइपे की ताई जू यिंग से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही पीवी सिंधु और 130 करोड़ भारतीयों की गोल्डन उम्मीदों ने दम दोड़ दिया।

ताई ने यह मुकाबला सीधे गेम में 21-18 और 21-12 से अपने नाम करते हुए फाइनल में जगह बना ली। हालांकि, अभी भी उनकी ब्रॉन्ज मेडल जीतने की उम्मीद बाकी है। उनका ब्रॉन्ज मेडल के लिए मुकाबला चीन की ही बिंग जिआओ से होगा। पीवी सिंधू ने आक्रामक शुरुआत की और कुछ ही देर में 7-4 की बढ़त बना ली। नेट शॉट और स्मैश का सिंधू ने जबरदस्त इस्तेमाल किया और बढ़त 11-7 तक पहुंचा दी। हालांकि, ताई ने जोरदार वापसी की और स्कोर 13-13 पर बराबर ला दिया।

यहां से दोनों स्टार शटलर एक-एक पॉइंट के लिए जूझती नजर आईं। 16-16, 17-17 और 18-18 तक मुकाबला बराबरी पर रहा। यहीं यिंग ने लगातार 3 पॉइंट लेते हुए गेम 21-18 से अपने नाम कर लिया। गेम की शुरुआत कांटे की रही। दोनों खिलाड़ी एक-एक पॉइंट के लिए जूझती दिखीं। हालांकि, सिंधू ने दिशाहीन शॉट खेले,जिसका फायदा ताई को हुआ। उसने 4-4 के स्कोर के बाद जो पॉइंट्स लेने शुरू किए तो सिंधू पर दबाव बढ़ता चला गया।

अंजुम और तेजस्वी महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन के फाइनल्स में जगह बनाने में असफल

भारतीय निशानेबाज अंजुम मोदगिल और तेजस्विनी सावंत शनिवार को यहां ओलंपिक में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में क्रमशः 15वें और 33वें स्थान के साथ फाइनल्स में जगह बनाने में नाकाम रहीं। ओलंपिक से पहले शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय निशानेबाजी टीम का खराब प्रदर्शन जारी है जहां सौरभ चौधरी को छोड़कर किसी भी प्रतिभागी ने फाइनल्स के लिए क्वॉलीफाई नहीं किया। साका निशानेबाजी परिसर में विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता अंजुम ने 54 इनर 10 (10 अंकों के 54 निशाने) के साथ 1167 अंक बनाए जबकि अनुभवी तेजस्वी ने स्टैंडिंग, नीलिंग और प्रोन पोजीशन की तीन श्रृंखलाओं में 1154 अंक ही बना सकी। अंजुम शुरुआती 40 निशानों के बाद शीर्ष आठ में थी और उनके फाइनल में पहुंचने की संभावना थी। वह हालांकि इसके बाद लय बरकरार नहीं रख सकी।

अतनु की हार के साथ तीरंदाजी में भारतीय उम्मीदें समाप्त

आखिरी बचे भारतीय तीरंदाज अतनु दास की पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा में हार के साथ भारत की तीरंदाजी में कोई पदक जीतने की उम्मीदें भी समाप्त हो गयीं। अतनु राउंड 16 में लंदन 2012 ओलम्पिक के रजत विजेता जापान के ताकाहरु फुरूकावा से कड़े संघर्ष में 4-6 से हार गए।। प्रणव जाधव और तरुणदीप राय इससे पहले व्यक्तिगत स्पर्धा के राउंड 32 में हार गए थे । इन तीनों की पुरुष टीम क्वार्टरफाइनल में दक्षिण कोरिया से हार गयी थी। कोरिया आगे चलकर विजेता बना था। प्रवीण और दीपिका कुमारी की मिश्रित युगल टीम सेमीफाइनल से पहले हार गयी थी। अतनु की पत्नी दीपिका का व्यक्तिगत स्पर्धा में अभियान शुक्रवार को क्वार्टरफाइनल में हार के साथ समाप्त हो गया था।

मुक्केबाजी में अमित पंघाल और पूजा रानी ने किया भारतीयों को निराश

भारतीय मुक्केबाजी के लिए शनिवार का दिन निराशाजनक रहा जिसमें दुनिया के नंबर एक मुक्केाज अमित पंघाल (52 किग्रा) के बाद पूजा रानी (75 किग्रा) भी अपनी प्रतिद्वंद्वी से हारकर टोक्यो ओलंपिक से बाहर हो गयीं। भारत की पदक उम्मीद मुक्केबाज पंघाल प्री क्वॉर्टर फाइनल में रियो ओलंपिक के रजत पदक विजेता कोलंबिया के युबेरजेन मार्तिनेज से 1-4 से हार गए। शीर्ष वरीयता प्राप्त पंघाल का यह पहला ओलंपिक था और उन्हें पहले दौर में बाई मिली थी। पूजा क्वॉर्टरफाइनल में सर्वसम्मत फैसले में चीन की लि कियान से 0-5 से हार गई। कियान पूर्व विश्व चैम्पियन और रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता हैं। वह पूरे मुकाबले के दौरान रानी पर हावी रहीं। शनिवार को दोनों भारतीय मुक्केबाजों के प्रतिद्वंद्वियों ने उन पर दबदबा बनाया और पूरे मुकाबले के दौरान मुक्के जड़ते रहे। रानी ने शुरूआती राउंड में थोड़ा बेहतर किया था लेकिन रिंग में कियान जवाबी हमलों में आक्रामक थीं और उन्होंने भारतीय मुक्केबाज की मुक्के जड़ने की कोशिशों को नाकाम कर दिया। चीन की शीर्ष स्तर की मुक्केबाज ने रानी के कमजोर डिफेंस का फायदा उठाया और अपना दूसरा ओलंपिक पदक पक्का कर लिया।

कांस्य पदक मुकाबले में हारे नोवाक जोकोविच

हार के बाद जोकोविच ने गुस्से में तोड़ा रैकेट

टोक्यो। सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी और वर्ल्ड नंबर-1 नोवाक जोकोविच का गोल्डन स्लैम का सपना भले ही टूट गया था लेकिन उनके पास ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतना का मौका था। लेकिन आज वो मौका भी उनके हाथ से निकल गया। ब्रॉन्ज मेडल के लिए आज नोवाक जोकोविच और स्पेन के कर्रेनो बस्टा के बीच मुकाबला हुआ जिसमें नोवाक आसानी से हार गए थे। जोकोविच ने पहला सेट 4-6 से गंवाया फिर दूसरे सेट में 7-6 (8-6) से मुश्किल जीत हासिल की। तीसरा सेट फिर जोकोविच ने 3-6 से गंवाया।

मैच हारने के बाद जोकोविच का एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें वे गुस्से में अपना रैकेट तोड़ रहे हैं। 34 वर्षीय जोकोविच ने 4-6, 7-6 (6), 3-6 से स्पेन के बस्टा से मैच गंवाया था। जोकोविच ने इस साल खेले जा चुके तीनों ग्रैंड स्लैम जीते हैं। जोकोविच के नाम कुल 20 ग्रैंड स्लैम हो चुके हैं लेकिन उन्होंने आज तक एक भी ओलंपिक मेडल नहीं जीता है।

ओलंपिक में भारत के आज के मुकाबले

- **गोल्फः अनिर्बान लाहिड़ी और उदयन माने, पुरुषों का व्यक्तिगत स्ट्रोक प्ले**
- **बैडमिंटनः महिला एकल कांस्य पदक मुकाबला, सिंधु बनाम ही बिंग जियाओ (चीन)**
- **मुक्केबाजीः पुरुष 91 किग्रा से अधिक भार वर्ग, सतीश कुमार**
- **हॉकीः पुरुष क्वॉर्टर फाइनल, भारत बनाम ब्रिटेन**
- **घुड़सवारीः क्रॉस कंट्री, व्यक्ति गत स्पर्धा, फवाद मिर्जा**

सतीश कुमार का क्वॉर्टर फाइनल में खेलने पर संशय बरकरार

टोक्यो। टोक्यो ओलंपिक में भारत की एक और मेडल की उम्मीद को झटका लगते दिख रहा है। भारत के पहले सुपर हैवीवेट (प्लस 91 किलो) मुक्केबाज सतीश कुमार को 7 टांके लगे हैं और डॉक्टर्स की सलाह के बाद ही वह एक अगस्त को होने वाले क्वॉर्टर फाइनल मुकाबले में उतर सकेंगे।

बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अजय सिंह ने इस बात की पुष्टि की है। अजय सिंह ने कहा- बॉक्सर को 7 टांके लगे है। अगर डॉक्टर्स अनुमति देते हैं तो वह रिंग में उतरेंगे। दरअसल, जमैका के रिकार्डो ब्राउन के खिलाफ मुकाबले में सतीश की ठुड्डी और दाईं आंख पर गहरा कट लगा था। इसके बाद उन्हें 7 टांके लगाने पड़े हैं। सतीश ने इस मुकाबले में 4-1 से जीत दर्ज की थी। अगर सतीश एक और मुकाबला जीत लेते हैं तो उनका मेडल पक्का हो जाएगा। अब सतीश का सामना उजबेकिस्तान के बखोदिर जालोलोव से है जो मौजूदा विश्व और एशियाई चैंपियन हैं। जालोलोव ने अजरबैजान के मोहम्मद अब्दुल्लायेव को 5-0 से हराया। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के रहने वाले सतीश सेना में हैं और पहले कबड्डी खेलते थे।

भारत की सबसे उम्रदराज एथलीट का निधन

नई दिल्ली। जिस उम्र में लोग बिस्तर पकड़ लेते हैं, जिंदगी के उस पड़ाव पर कई मेडल्स जीतने वालीं मान कौर अब हमारे बीच नहीं रही। बीते तीन माह से गॉल ब्लैडर के कैंसर से जूझ रही मान कौर का शनिवार की दोपहर निधन हो गया। 105 साल की इस वेटरन

खिलाड़ी का शुद्धि आयुर्वेदिक अस्पताल में इलाज जारी था। उनके बेटे गुरदेव सिंह ने यह जानकारी दी कि मान कौर को दिल का दौरा पड़ा था। मान कौर का जन्म एक मार्च 1916 को हुआ था और उन्हें चंडीगढ़ की चमत्कारिक मां के रूप में जाना जाता था। मान कौर ने अपना पहला पदक 2007 में चंडीगढ़ मास्टर्स ऐथलेटिक्स मीट में जीता था, उन्होंने अपने सबसे बड़े बेटे गुरदेव को पटियाला में दौड़ में भाग लेते हुए देखा, जिसके बाद उन्हें प्रेरणा मिली थी। वह 2017 में आकलैंड में विश्व मास्टर्स खेलों की 100 मीटर फर्राटा दौड़ जीतकर चर्चा में आई थी। इनकी उपलब्धियों को लेकर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने वर्ष 2019 में उन्हें नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया था। पुरस्कार लेने के लिये वह मंच पर जिस फुर्ती से पहुंची थीं उससे राष्ट्रपति भी हैरान रहे गये थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उनकी फिटनेस के कायल थे।

लंबी कूद के फाइनल में क्वॉलीफाई करने से चूके श्रीशंकर

टोक्यो। भारत के लंबी कूद एथलीट श्रीशंकर यहां टोक्यो ओलंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में नाकाम रहे और ओवरऑल 25वें स्थान पर रहते हुए फाइनल की दौड़ से बाहर हो गए। श्रीशंकर ने अपने पहले प्रयास में 7.69 मीटर की दूरी तय की लेकिन वह दूसरे और तीसरे प्रयास में इससे बेहतर नहीं कर सके। उनका दूसरा प्रयास 7.51 मीटर और तीसरा प्रयास 7.43 मीटर का रहा था। वह अपनी हीट में 13वें और ओवरऑल 25वें (32 खिलाड़ियों में) स्थान पर रहे। इस साल मार्च में फेडरेशन कप के दौरान 8.26 मीटर की छलांग लगाकर टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वॉलीफाई करने वाले श्रीशंकर अपने प्रदर्शन को यहां दोहराने में नाकाम रहे।

गणपति व ठक्कर की जोड़ी सबसे निचले पायदान पर

पुरुषों की स्किफ 49अर स्पर्धा में केसी गणपति और वरुण ठक्कर की भारतीय सेलिंग (पाल नौकायन) जोड़ी शनिवार को यहां ओलंपिक की तीन रेस में क्रमशः 16वें, नौवें और 14वें स्थान पर रही। भारतीय जोड़ी 154 अंकों के साथ 19 जोड़ियों में ओवरऑल 17वें स्थान पर है। प्रतियोगिता में अब सिर्फ पदक स्पर्धा बाकी है। प्रत्येक स्पर्धा में रेस की एक सीरीज होती है। प्रत्येक रेस में स्थान के हिसाब से अंक दिये जाते हैं जिसमें पहले स्थान पर रहने वाले को एक अंक जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाले को दो अंक मिलते हैं।

जमैका की थॉमसन ने 100 मी. इवेंट का स्वर्ण पदक जीतकर रचा इतिहास

10.61 सेकंड में रेस पूरी कर बनाया ओलंपिक रिकॉर्ड

टोक्यो। जमैका की ऐलेन थॉमसन ने महिलाओं की 100 मीटर फर्राटा दौड़ का गोल्ड मेडल जीतते हुए इतिहास रच दिया है। उन्होंने रेस 10.61 सेकंड में पूरी की, जो ओलंपिक रेकॉर्ड भी है। रोचक बात यह है कि इस इवेंट के तीनों मेडल जमैकन ऐथलीट के ही नाम रहा।

शेली एन फेसर प्राइस ने 10.74 सेकंड के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम किया, जबकि शेरिका जैक्सन ने 10.76 सेकंड के साथ ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। यही नहीं, थॉमसन फिलहाल धरती की सबसे तेज धावक बन गई हैं। हालांकि, ऑल टाइम रिकॉर्ड अमेरिका की फ्लोरेंस ग्रिफिथ जॉयनर के नाम है। उन्होंने 16 जुलाई 1988 को यूएस ओलिंपिक ट्रायल्स में महज 10.49 सेकंड में रेस पूरी करने का वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया था। यह रिकॉर्ड आज भी बरकरार है। ओलंपिक (2008) के बाद पहली बार जमैका के खिलाड़ियों ने किसी स्पर्धा के पदकों का सूपड़ा साफ किया है।ओलंपिक में पदार्पण कर रहे चार गुणा 400 मिश्रित रिले स्पर्धा में पोलैंड ने आश्चर्यचकित प्रदर्शन के साथ स्वर्ण जीता। इसका रजत अमेरिका जबकि डोमिनिकन गणराज्य ने कांस्य पदक जीता।

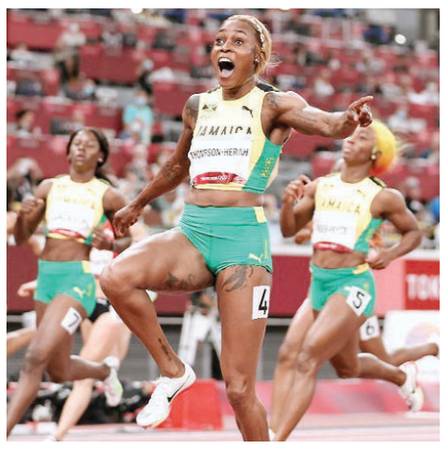

स्विट्जरलैंड की बेनसिच ने जीता स्वर्ण

टोक्यो। स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनसिच ने शनिवार को यहां चेक गणराज्य की मार्केटा वोड्रोसोवा को हराकर टोक्यो ओलंपिक खेलों की टेनिस प्रतियोगिता का महिला एकल का स्वर्ण पदक जीता।

बारहवीं वरीयता प्राप्त बेनसिच ने फाइनल में वोड्रोसोवा को 7-5, 2-6, 6-3 से हराकर अपने करियर का पहला बड़ा खिताब जीता। बेनसिच के पास दूसरा स्वर्ण पदक जीतने का भी मौका है। रविवार को वह अपनी स्विस जोड़ीदार विक्टोरिया गोलुबिच के साथ महिला युगल के फाइनल में उतरेगी। स्वर्ण पदक के लिए उनका मुकाबला चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजिसकोवा और कैटरिना सिनियाकोवा से होगा।

ब्रिटेन ने ट्रायथलन की शुरुआती मिश्रित रिले में स्वर्ण जीता

टोक्यो। एलेक्स यि के अंतिम लेग में शानदार प्रदर्शन से ब्रिटेन ने शनिवार को यहां टोक्यो ओलंपिक में शुरूआती ट्रायथलन मिश्रित रिले में स्वर्ण पदक जीता। ब्रिटेन को ट्रायथलन की व्यक्तिगत स्पर्धाओं में भी दो रजत पदक मिले। अमेरिका ने मिश्रित स्पर्धा का रजत पदक हासिल किया जिसके दो पुरुष खिलाड़ियों ने आखिरकार खेल में पुरुष स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किये। तीन बार के विश्व चैम्पियन फ्रांस ने कांस्य पदक जीता।

इंग्लैंड में सिर्फ दो भारतीय बल्लेबाजों ने लगाए हैं दोहरा शतक, क्या इस बार खत्म होगा 19 साल का सूखा

नई दिल्ली । विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम इंडिया बुलंद हौसले के साथ इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने के लिए मैदान पर उतरेगी और इस टीम की नजर इस बार इंग्लिश टीम को उनकी धरती पर ही हराने की होगी। इंग्लैंड में भारतीय बल्लेबाज संघर्ष करते हुए देखे जाते हैं क्योंकि वहां कि कंडीशन यहां के खिलाड़ियों को रास नहीं आती। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान विराट कोहली, चेतेश्वर पुजारा, रोहित शर्मा, अजिंक्य रहाणे जैसे बल्लेबाजों पर नजर रहेगी कि वो कैसा प्रदर्शन करते हैं। इंग्लैंड की बात करें तो वहां पर अब तक सिर्फ दो भारतीय बल्लेबाज ही दोहरा शतक लगा पाए हैं। इनमें से पहला नाम सुनील गावस्कर का है जिन्होंने साल 1979 में इंग्लैंड की धरती पर पहली बार भारत की तरफ से दोहरा शतक लगाया था और 221 रन की पारी खेली थी। ये गावस्कर का टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर भी है तो वहीं इंग्लैंड की धरती पर दूसरा दोहरा शतक लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी राहुल द्रविड़ हैं। द्रविड़ ने ये कमाल साल 2002 में किया था और 217 रन की पारी खेली थी। राहुल द्रविड़ का भी टेस्ट में ये सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर है। साल 2002 के बाद से अब तक यानी पिछले 19 साल में किसी भी भारतीय बल्लेबाज ने इंग्लैंड में दोहरा शतक नहीं लगाया है।

इस टेस्ट सीरीज में क्या कोई बल्लेबाज पिछले 19 साल का सूखा खत्म करेगा और दोहरा शतक लगा पाएगा। कप्तान विराट कोहली, रोहित शर्मा, चेतेश्वर पुजारा में ऐसा करने का दमखम जरूर है, लेकिन इसके लिए उन्हें धैर्यपूर्वक खेलने की जरूरत है। विराट ने अब तक इंग्लैंड के खिलाफ 23 टेस्ट मैचों में 1742 रन बनाए हैं और मौजूदा भारतीय टीम की तरफ से टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं। वहीं पुजारा ने 22 टेस्ट मैचों में 1472 रन बनाए हैं और इस मामले में दूसरे नंबर पर हैं। इंग्लैंड के खिलाफ विराट का बेस्ट स्कोर 235 रन है जबकि पुजारा का नाबाद 206 रन है, लेकिन इन दोनों ने ये रन अपनी धरती पर यानी भारत में बनाए हैं।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में बेन स्टोक्स की जगह इस खिलाड़ी को इंग्लैंड टीम में किया गया शामिल

नई दिल्ली । भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड की टीम को उनके स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स की सेवा नहीं मिल पाएगी। बेन ने हाल ही में इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की थी और उन्होंने अपनी मानसिक समस्या और उंगली की हालत को ठीक करने के लिए ब्रेक लिया है। इस साल अप्रैल में आइपीएल 2021 के पहले पार्ट में अपनी टीम राजस्थान रॉयल्स के लिए खेले पहले ही मैच में वो उनकी उंगली टूट गई थी। स्टोक्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने से पहले घरेलू क्रिकेट खेला और द हंड्रेड के दो मैच भी खेले। वो चार महीने बाद टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए तैयार दिखे लेकिन अब वो कुछ समय खेल से दूर बिताएंगे।

कमलप्रीत ने ओलंपिक में जगाई पदक की उम्मीद

चक्का फेंक में 64 मीटर लंबा थ्रो कर सीधे फाइनल में किया प्रवेश

टोक्यो। भारतीय डिस्कस थ्रोअर महिला खिलाड़ी कमलप्रीत कौर ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में एक और पदक की उम्मीद जताई है। 64 मीटर लंबा थ्रो कर उन्होंने फाइनल में सीधा प्रवेश कर लिया है। वह अपने क्वॉलीफिकेशन ग्रुप में दूसरे स्थान पर रही, वहीं ओवरऑल प्वाइंट्स टेबल में भी वह दूसरे स्थान पर रही।

कमलप्रीत कौर समेत 12 खिलाड़ी फाइनल के लिए क्वॉलीफाई करेंगे और पदक की जंग 2 अगस्त को होगी। बता दें, फाइनल में सीधा प्रवेश करने के लिए खिलाड़ी को कम से कम 64 मीटर लंबा थ्रो करना होता है, कमलप्रीत के अलावा अमेरिका की वैलेरी ऑलमैन ही फाइनल के लिए अभी तक डायरेक्ट क्वालीफाई कर पाई है। कमलप्रीत के मुकाबले की बात करें तो डिसकस थ्रो क्वालिफिकेशन ग्रुप-बी में उन्होंने अपने पहले प्रयास में 60.29 मीटर की थ्रो किया था और वह 9वें स्थान पर चल रही थीं। वहीं दूसरे प्रयास में उन्होंने 63.97 का थ्रो कर 7 पायदान की लंबी छलांग लगाई थी और वह सीधा दूसरे स्थान पर पहुंच गई थी। तीसरे थ्रो में उन्होंने 64 मीटर लंबा थ्रो कर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। कमलप्रीत कौर से पदक की उम्मीद इसलिए भी लगाई जा रही है क्योंकि उन्होंने हाल ही में अपना नेशनल रिकॉर्ड 66.59 मीटर के साथ तोड़ा था। उनका पुराना रिकॉर्ड 65.06 मीटर का था। अगर वह अपने नेशनल रिकॉर्ड के आस-पास भी पहुंचती है तो वह मेडल अपने नाम कर सकती है। वहीं भारत की दूसरी एथलीट सीमा पुनिया को बाहर का रास्ता देखना पड़ा है। सीमा क्वॉलिफिकेशन ग्रुप-ए में तमाम प्रयासों के बावजूद 60.57 मीटर के साथ छठा स्थान हासिल कर सकीं। सीमा ने सबसे पहले थ्रो किया, लेकिन वह अपने पहले प्रयास में फाउल करार दी गईं।

कमलप्रीत ने पिता से कहा, फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगी

चंडीगढ़। ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन की बदौलत दूसरे स्थान से चक्का फेंक फाइनल्स के लिए क्वॉलीफाई करने वाली कमलप्रीत कौर ने अपने पिता को कहा कि वह पदक जीतने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ करेंगी। कौर के पिता कुलदीप सिंह ने कहा, मैंने आज उससे बात की और वह बहुत खुश थी। उसने मुझे कहा कि वह फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ करेंगी। उनके पिता ने कहा, उसका फोकस हमेशा अपने खेल पर रहा है और उसने अपनी कड़ी मेहनत से ओलंपिक में भाग लेने के अपने सपने को साकार किया। पंजाब के खेल मंत्री राणा गुरमीत सिंह सोढ़ी ने फाइनल्स में पहुंचने के लिये कौर को बधाई दी। उन्होंने ट्वीट किया, कमलप्रीत कौर फाइनल्स के लिए क्वॉलीफाई करने के लिये बधाई हो। हमें तुम पर गर्व है। इसी लय को जारी रखना, मुझे भरोसा है कि तुम ओलंपिक खेलों में शानदार प्रयत्न से पदक जीतोगी।